खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 22 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-21

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

नितल

स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

90% तक लोन उपलब्ध

विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए 1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

आवेदन की अंतिम तिथि

24 जनवरी, 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹23.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹44.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें

www.nitalcmjanawas.in

9785 30 7000
9772 51 1112

विकासकर्ता -
नितल इंफ्राप्रॉजेक्ट्स एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

सदन का समय कीमती, संवाद से ही निकलेगा समाधान : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

लखनऊ, 21 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधान भवन में आयोजित तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (एआईपीओसी) को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस सम्मेलन में हुई सार्थक चर्चा और संवाद से विधायी संस्थाओं को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाने की दिशा तय हुई है। उन्होंने कहा कि विचार-विमर्श के दौरान नवाचारों पर सहमति बनी, जिससे संस्थाएं जनता के और अधिक करीब पहुंचेंगी। ओम बिरला ने कहा कि सम्मेलन में लिए गए निर्णयों और पारित संकल्पों को धरातल पर उतारने की दिशा में सभी आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित किए गए हैं, जिनमें विधायिकाओं की कार्यक्षमता बढ़ाने, तकनीक के उपयोग और जनभागीदारी को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में 36 घंटे तक चली चर्चा में वर्ष 2047 के विजन डॉक्यूमेंट पर गंभीर मंथन हुआ, जो लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए एक सकारात्मक उदाहरण है।

उन्होंने यह भी बताया कि सम्मेलन में विधानसभाओं की लगातार घटती बैठकों की संख्या पर चिंता व्यक्त की गई और इसे बढ़ाने पर व्यापक सहमति बनी। यदि विधानसभाओं में सकारात्मक सोच के साथ काम किया जाए, तो निश्चित रूप से बेहतर और परिणामोन्मुखी निर्णय सामने आएंगे। सदन की कार्यवाही को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई है।

ओम बिरला ने कहा कि आगामी समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग से सांसदों और विधायकों की क्षमता संवर्धन किया जाएगा, ताकि वे अधिक प्रभावी ढंग से जनहित के मुद्दों को उठा सकें और आधुनिक चुनौतियों का समाधान कर सकें। उनकी सबसे बड़ी चिंता सदन में लगातार हो रहा गतिरोध और व्यवधान है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि सदन का समय अत्यंत कीमती है और इसका उपयोग चर्चा और संवाद के लिए होना चाहिए, न कि हंगामे के लिए। सभी राजनीतिक दलों से संवाद कर गतिरोध दूर करने का संकल्प लिया गया है और हंगामा सदन के बाहर होना चाहिए। पीठासीन अधिकारी लोकतांत्रिक संस्थाओं के संरक्षक होते हैं और जनता उनसे निष्पक्षता व जवाबदेही की अपेक्षा करती है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि संवैधानिक संस्थाओं में जनभागीदारी बढ़ेगी और लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा।

अविमुक्तेश्वरानंद मामले पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य का बयान, उन्होंने स्वयं अन्याय किया

ग्वालियर, 21 जनवरी (एजेंसियां)। मौनी अमावस्या के दिन गंगा स्नान के लिए रोके जाने और शिष्यों एवं पुलिसकर्मियों के बीच हुई झड़प के बाद से ही संगम घाट पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद शंकराचार्य धरने पर बैठे हैं और वे लगातार सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं। पुलिस और प्रशासन की तरफ से अविमुक्तेश्वरानंद शंकराचार्य को नोटिस भेजा गया है, जिसमें उनसे शंकराचार्य पद के दावे पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। अब इस मामले को लेकर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि उन्होंने स्वयं अन्याय किया। संगम घाट पर अविमुक्तेश्वरानंद शंकराचार्य और अधिकारियों के बीच हुई झड़प पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा, उनके साथ अन्याय नहीं हुआ, बल्कि उन्होंने स्वयं अन्याय किया। मैं जगद्गुरु हूं और वे अभी जगद्गुरु भी नहीं हैं। यहां के नियमों के अनुसार कोई भी जुलूस के साथ गंगा घाट नहीं जा सकता। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की और उन्हें पैदल संगम जाने को कहा गया तो उन्होंने स्वयं गलती की। हम खुद गंगा में पैदल स्नान के लिए जाते हैं।जगद्गुरु रामभद्राचार्य से पहले संत समाज की ओर से अविमुक्तेश्वरानंद के शंकराचार्य होने पर सवाल उठाया जा चुका है। कुछ संतों का कहना है कि अविमुक्तेश्वरानंद शंकराचार्य प्रशासन और सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं और इसका फायदा सनातन धर्म को नुकसान पहुंचाने वाले कुछ चंद लोग उठा सकते हैं और अविमुक्तेश्वरानंद के ऐसे बयान अधर्मियों को प्रेरित कर रहे हैं।कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बयान पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य कहते हैं, स्पष्ट रूप से कहें तो दिग्विजय सिंह को शास्त्रों के बारे में कुछ भी नहीं पता है।

बता दें कि हाल ही में दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत सरकार और आरएसएस पर निशाना साधा।

'29 पार्षदों को बंधकों की तरह होटल में क्यों रखा गया' भाजपा-शिवसेना पर प्रियंका चतुर्वेदी का निशाना

मुंबई, 21 जनवरी (एजेंसियां)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के चुनाव में महायुति की जीत के बाद मेयर पद को लेकर सस्पेंस बरकरार है। इसी बीच, शिवसेना के पार्षदों को होटल में रखे जाने पर उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) ने निशाना साधा है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि अगर भाजपा-शिवसेना में सब कुछ ठीक होता तो 29 पार्षदों को होटल में नहीं रखा गया होता। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, एकनाथ शिंदे ने खुद अपनी पार्टी से गद्दारी की। उन्होंने महानगरपालिका चुनाव में भी पैसे और सत्ता के आधार पर चुनाव टिकट बांटे। इसलिए यह साफ दिख रहा है कि 29 पार्षदों को बंधकों की तरह एक होटल में इसलिए रखा गया, क्योंकि एकनाथ शिंदे जानते हैं कि वे लोग उनके साथ नहीं हैं। वे जानते हैं कि उनके पार्षदों को लेने के लिए भाजपा तत्पर रहेगी। प्रियंका चतुर्वेदी ने आगे कहा, एकनाथ शिंदे ने अपने पार्षदों को होटल में इसलिए भी रखा ताकि भाजपा पर दबाव बनाया जा सके, क्योंकि शिवसेना के समर्थन के बिना बीएमसी में भाजपा का मेयर नहीं आ सकता है। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी जरूर है, लेकिन वह अपने दम पर मेयर नहीं बना सकती है। उन्होंने कहा, भाजपा और शिवसेना में इसी बात को लेकर झगड़ा है कि मेयर किस पार्टी का बनेगा। महायुति को 'महाझूठा' गठबंधन बताते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, झूठ के आधार पर महायुति ने महाराष्ट्र में सत्ता हासिल की है। बीएमसी में भी झूठ के आधार पर सत्ता बनाने की कोशिश की जा रही है। बीएमसी और मुंबई की जनता से इन लोगों को कोई लेना-देना नहीं है। इसी बीच, शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने बांग्लादेश से भारत के अपने राजनयिकों के परिवारों को वापस बुलाने के फैसले पर कहा, वहां लगातार हत्याएं और मॉब लिंचिंग हो रही हैं। हिंदू अल्पसंख्यक पर खतरा मंडरा रहा है और भारत विरोधी नफरत बढ़ रही है। यह राजनयिकों के परिवारों के लिए अनुकूल स्थिति नहीं है। इसीलिए उनको वापस बुलाया जा रहा है।

सिर्फ सैन्य शक्ति होना पर्याप्त नहीं, उसे प्रयोग करने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक : वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वही देश सुरक्षित रहता है जिसके पास मजबूत और सक्षम सैन्य शक्ति होती है। भारतीय वायुसेना के प्रमुख के अनुसार आर्थिक, कूटनीतिक या तकनीकी शक्ति कितनी भी मजबूत क्यों न हो, यदि उसके पीछे सशक्त सैन्य बल नहीं है, तो कोई भी राष्ट्र दूसरे देशों के दबाव में आ सकता है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला और इराक इसके ताजा उदाहरण हैं। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित 22वें सुब्रतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित किया। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि सैन्य शक्ति राष्ट्रीय शक्ति का अंतिम निर्णायक तत्व होती है। इसके बिना कोई भी देश सुरक्षित नहीं रह सकता। सेमिनार को संबोधित करते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा कि वेनेजुएला और इराक इसके उदाहरण हैं, जहां कमजोर सैन्य स्थिति के कारण बाहरी हस्तक्षेप और दबाव देखने को मिला। उन्होंने कहा कि अंततः वही देश सुरक्षित रहता है जिसके पास मजबूत और सक्षम सैन्य शक्ति होती है।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सिर्फ सैन्य शक्ति होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे प्रयोग करने की इच्छाशक्ति भी उतनी ही आवश्यक है। यदि कोई देश केवल संयम दिखाता है, लेकिन उसकी शक्ति स्पष्ट नहीं है, तो उस संयम को कमजोरी के रूप में देखा जाता है। वहीं, जब कोई देश मजबूत होकर संयम दिखाता है, तभी वह संयम क्षमता और आत्मविश्वास के रूप में स्वीकार किया जाता है।वायुसेना प्रमुख ने कहा कि हाल के वर्षों में जिस सैन्य शक्ति ने अपेक्षित परिणाम दिए हैं, वह हवाई शक्ति है। चाहे संघर्ष वाले क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभियान हो, आतंकवादी ढांचों और उनके संरक्षकों पर सटीक प्रहार करना हो, या फिर कुछ ही घंटों में पाकिस्तान के बेस व दुश्मन के ठिकानों पर कार्रवाई कर स्पष्ट संदेश देना हो, इन सभी मामलों में हवाई शक्ति ने निर्णायक भूमिका निभाई है।

वायु सेना प्रमुख ने हवाई शक्ति को कम समय में तेज, सटीक और प्रभावी कार्रवाई करने की क्षमता वाला बताया। अपनी इसी क्षमता के कारण हवाई शक्ति आधुनिक सैन्य रणनीति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटक बन चुकी है।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यदि भारत को एक प्रभावशाली और विश्वसनीय शक्ति के रूप में स्थापित रहना है, तो वायु शक्ति पर निरंतर ध्यान और निवेश आवश्यक है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भारतीय वायुसेना के संस्थापक एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने सीमित संसाधनों, अनिश्चितताओं और कठिन परिस्थितियों में भी वायुसेना की मजबूत नींव रखी।

उन्होंने कहा कि सुब्रतो मुखर्जी की दूरदृष्टि ने भारतीय वायुसेना को सही दिशा दी और जैसा कहा जाता है कि अच्छी शुरुआत आधी सफलता होती है।

वायुसेना प्रमुख ने बताया कि आज भारतीय वायुसेना पहले से कहीं बेहतर स्थिति में है और संसाधन भी लगातार बेहतर हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में वे अपने पूर्ववर्ती वायुसेना प्रमुखों की तुलना में अधिक सक्षम वातावरण में कार्य कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद आत्मसंतोष से बचना जरूरी है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारतीय वायुसेना को पिछली सफलताओं पर नहीं रुकना चाहिए, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए स्वयं को और अधिक सशक्त, आधुनिक और तैयार बनाना होगा। यह आयोजन सेंटर फॉर एयरोस्पेस पावर एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज द्वारा 'राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यताओं' पर मंथन किया गया था।

विधायिका ही न्याय, समता और संप्रभुता का आधार : योगी

लखनऊ, 21 जनवरी (एजेंसियां)। लोकतंत्र की आत्मा विधायिका में निहित है और यहीं से न्याय, समता व संप्रभुता का मार्ग तय होता है। 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बात कहते हुए सम्मेलन को लोकतांत्रिक संस्थाओं को नई दिशा देने वाला बताया। तीन दिन तक चले इस सम्मेलन में देशभर से आए पीठासीन अधिकारियों के अनुभव, संवाद और मंथन के बाद 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य को लेकर छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित किए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के माध्यम से पिछले तीन दिनों में देशभर से आए पीठासीन अधिकारियों, विधायी कार्यों से जुड़े अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को नई ऊंचाई देने का कार्य किया है। वास्तव में न्याय कैसे प्राप्त होगा, यह विधायिका के माध्यम से ही तय होता है। सरकार की योजनाएं कैसे क्षमता-आधारित समाज के निर्माण में योगदान दें, इसका मंच भी विधायिका ही है। संप्रभुता का सशक्त उदाहरण विधायिका प्रस्तुत करती है, जहां सहमति और असहमति के बीच सार्थक संवाद देखने को मिलता है। यह भारत का सौभाग्य है कि यहां लोकतंत्र की सर्वोच्च व्यवस्था लागू है। इस आयोजन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोग अपने अनुभव साझा कर रहे हैं, वहीं मीडिया के माध्यम से उत्तर प्रदेश सहित देश के नागरिकों को भी इन गतिविधियों को जानने-सुनने का अवसर मिला है। उन्होंने सभी पीठासीन अधिकारियों, लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा उपसभापति और आयोजन को सफल बनाने वाले अधिकारियों का उत्तर प्रदेश की ओर से हार्दिक अभिनंदन किया।सीएम योगी ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री बार-बार लोकतंत्र की जननी बताते हैं। भले ही त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था औपचारिक रूप से बाद में लागू हुई हो, लेकिन गांवों में पंच-परंपरा सदियों पुरानी रही है। देश में भले ही रंग, रूप, खानपान और वेशभूषा अलग-अलग हों, लेकिन उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक भारत एक भाव और एक आस्था से जुड़ा है। मुख्यमंत्री ने अपने संसदीय अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें पांच बार लोकसभा जाने का अवसर मिला, जहां से उन्होंने सीखा कि नियमों और परंपराओं के अंगत सदन संचालन को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि संसद के मॉडल को अपनाते हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा में प्रश्नकाल में सुधार किया गया, जिससे अब 20 प्रश्नों पर 20 सदस्य अपनी बात रख पा रहे हैं, जबकि पहले केवल दो-तीन सदस्य ही बोल पाते थे। सीएम योगी ने कहा कि अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की आवाज भी विधायिका में उसके प्रतिनिधित्व के माध्यम से सुनी जाती है। उन्हें प्रसन्नता है कि इस सम्मेलन में भी 'विकसित भारत' के लक्ष्य को लेकर प्रस्ताव पारित हुआ।उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा और विधान परिषद में 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' पर हुई बहस में 377 विधायकों ने भाग लिया और रात भर सदन में उपस्थित रहकर अपने सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि इस विजन डॉक्यूमेंट की तैयारी में 500 जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ 500 से अधिक बुद्धिजीवियों-सेवानिवृत्त मुख्य सचिव, कुलपति, शिक्षाविद, वैज्ञानिक और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को जोड़ा गया।

असम सरकार ने शोध छात्रों के लिए 25 हजार रुपये मासिक सहायता की घोषणा

गुवाहाटी, 21 जनवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य के शोध छात्रों को बड़ी राहत देते हुए एक अहम पहल की घोषणा की है। इस योजना को उन्होंने असम के शैक्षणिक और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि 'अटल विचल अग्रगामी असम योजना' के तहत राज्य सरकार शोध छात्रों को 25,000 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। वहीं, दिव्यांग शोध छात्रों को विशेष रूप से 40,000 रुपये प्रति माह की सहायता दी जाएगी। यह योजना 11 फरवरी 2026 को औपचारिक रूप से लॉन्च की जाएगी। मुख्यमंत्री ने लिखा, असम में शोध छात्रों के लिए यह एक अच्छा समय है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य प्रतिभाओं को सशक्त बनाना, गुणवत्तापूर्ण शोध को प्रोत्साहित करना और विभिन्न विषयों में नवाचार को बढ़ावा देना है।

सरकारी अधिकारियों के अनुसार, यह योजना मानव संसाधन और शोध अवसंरचना में निवेश के जरिए असम को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस वित्तीय सहायता से राज्य के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध कर रहे बड़ी संख्या में छात्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

सरकार ने बताया कि 'अटल विचल अग्रगामी असम' योजना का उद्देश्य शोध छात्रों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करना है, ताकि वे शोध, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर सकें। दिव्यांग शोध छात्रों के लिए अतिरिक्त सहायता सरकार की समावेशी शिक्षा नीति को भी रेखांकित करती है।

यह पहल राज्य की शिक्षा और कौशल विकास व्यवस्था को सशक्त करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो राष्ट्रीय स्तर पर शोध, नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की प्राथमिकताओं के अनुरूप है।

उपराष्ट्रपति सीपी रामकृष्णन पहुंचे बेंगलुरु, राज्यपाल ने किया स्वागत

बेंगलुरु, 21 जनवरी (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति सीपी रामकृष्णन बुधवार को वायु सेना के विशेष विमान से बेंगलुरु पहुंचे, जहां वे तुमकुर के सिद्धगंगा मठ के दासोही श्री शिवकुमार स्वामीजी के स्मृति कार्यक्रम और सीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सिल्वर जुबली समारोह में भाग लेंगे। बेंगलुरु के एचएएल हवाई अड्डे पर राज्यपाल थावर चंद गहलोत सहित विभिन्न अधिकारियों ने स्वागत किया। उपराष्ट्रपति इसके बाद तुमकुरु स्थित श्री सिद्धगंगा मठ में श्री शिवकुमार महास्वामीजी के 7वें स्मृति दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए एचएएल हवाई अड्डे से एक विशेष हेलीकॉप्टर से तुमकुर के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वीसोमन्ना, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव, सरकार की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, कर्नाटक पुलिस महानिदेशक एमए सलीम, बेंगलुरु शहर पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह, बेंगलुरु शहर जिला मजिस्ट्रेट जी जगदीश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट किया, बेंगलुरु के एचएएल एयरपोर्ट पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। बता दें कि इसके बाद उपराष्ट्रपति बेंगलुरु में स्थित सीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के रजत जयंती समारोह में भी शामिल होंगे। वहीं, मंगलवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दिल्ली में स्थित गांधी आश्रम के कस्तूरबा संग्रहालय का दौरा किया था, जहां महात्मा गांधी और कस्तूरबा गांधी दिल्ली यात्रा के दौरान ठहरे थे।

कांग्रेस झूठ के सहारे सत्ता में आई, हिमाचल की 28 लाख महिलाओं से किया ऐतिहासिक धोखा : डेजी ठाकुर

शिमला, 21 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डेजी ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा मनाली विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं को 1500 रुपये देने की घोषणा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने झूठ का चोला ओढ़कर हिमाचल प्रदेश की 28 लाख महिलाओं को ठगने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज महा ठग मित्र मंडली पार्टी के रूप में सामने आ चुकी है, जिसने सत्ता प्राप्त करने के लिए महिलाओं की भावनाओं के साथ सबसे बड़ा राजनीतिक छल किया। डेजी ठाकुर ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के शीर्ष नेता-प्रियंका गांधी, राजीव शुक्ला और अलका लांबा-ने घर-घर जाकर यह गारंटी दी थी कि हिमाचल प्रदेश की हर महिला को बिना किसी शर्त हर माह 1500 रुपये दिए जाएंगे। उस समय न आय सीमा की बात थी, न क्षेत्र की, न ही किसी तरह की पात्रता की शर्तें रखी गई थीं। लेकिन जैसे ही कांग्रेस सत्ता में आई, यह वादा धुएं की तरह गायब हो गया। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री केवल लगभग 80 हजार महिलाओं को 1500 रुपये देने की घोषणा कर रहे हैं, जबकि प्रदेश में महिलाओं की संख्या 28 लाख से अधिक है। यह न केवल महिलाओं के साथ भेदभाव है, बल्कि खुलेआम धोखाधड़ी भी है। मुख्यमंत्री जहां भी जाते हैं, उसी विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं को भ्रमित कर अस्थायी घोषणाएं कर देते हैं, लेकिन पूरे प्रदेश की महिलाओं को उनका अधिकार आज भी नहीं मिल पाया है।डेजी ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार को बने लगभग तीन वर्ष हो चुके हैं, लेकिन महिलाएं आज भी अपने मुख्यमंत्री से 1500 रुपये का हिसाब मांग रही हैं। मुख्यमंत्री बार-बार यह कहते हैं कि योजना पर शर्तें हैं, जबकि चुनाव के समय स्पष्ट रूप से कहा गया था कि कोई शर्त नहीं होगी और हर महिला को 1500 रुपये मिलेंगे। यह कांग्रेस की दोहरी नीति और झूठे चरित्र को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि अगर सही मायनों में गणना की जाए तो हिमाचल प्रदेश सरकार पर महिलाओं के प्रति लगभग 1500 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारी बन चुकी है, जिसे कांग्रेस सरकार जानबूझकर नजरअंदाज कर रही है। यह देनदारी केवल आर्थिक नहीं, बल्कि महिलाओं के विश्वास, सम्मान और स्वाभिमान से जुड़ी हुई है।भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के मनरेगा को लेकर दिए गए बयान पर भी पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए केंद्र सरकार और भाजपा पर झूठे आरोप लगा रही है।

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 22 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-21

निकलो ना बेनक़ाब!

प्रदूषण का पीक एलर्जी सीज़न-डॉक्टरों ने किया सावधान

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

शहर की बिगड़ती वायु गुण-वत्ता के साथ डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि वाहनों का धुएँ , कारखानों, आग और धूल से निकलने वाले सूक्ष्म कण (पीएम 2.5) श्वसन रोग, एलर्जी और प्रतिरक्षा-संबंधी विकारों में तेज़ी से उछाल का कारण बन रहे हैं। नवंबर से जनवरी तक हवा में कण ज़मीन के पास जमा हो जाते हैं, क्योंकि ठंड में हवा कम चलती है और प्रदूषण धीरे-धीरे बढ़ता जाता है। इस अवधि को डॉक्टर अब पीक एलर्जी सीज़न कह रहे हैं। दीवाली से संक्रांति तक।

'नाक की फिल्टर प्रणाली' पर बोझ

अपोलो अस्पताल के फेफड़ों के विशेषज्ञ डॉ. केशवन वी बताते हैं, पीएम 2.5 इतना छोटा है कि वह फेफड़ों की गहराई तक पहुँचकर रक्तप्रवाह में घुल जाता है। इसका असर केवल साँस की समस्या तक सीमित नहीं; यह प्रतिरक्षा को भी कमजोर करता है और वायरल संक्रमण की संभावना बढ़ाता है। ईएनटी सरकारी अस्पताल कोठी और निजी अस्पतालों में बंद नाक, साँस लेने में तकलीफ और लगातार खाँसी से पीड़ित मरीजों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। डॉक्टरों के अनुसार, प्रदूषण सिर्फ कारण नहीं बल्कि ट्रिगर है। पहले से मौजूद एलर्जी को भड़काता है। पुराने शहर की 22 वर्षीय एक युवती जिसे पहले से एलर्जी है, हर सर्दी में खाँसी और साँस फूलने से जूझती है; उसके खून में एलर्जी के संकेतक ईसिनोफिल की मात्रा सामान्य से कहीं ज़्यादा पाई गई है।

'रोज़ाना 5-6 सिगरेट पीने के बराबर'

डॉक्टरों ने दिल्ली की तुलना में हैदराबाद का एक्यूआई (लगभग 200) भले ही कम बताया, लेकिन उन्होंने चेताया कि यह स्तर भी असर में रोज़ाना 5-6 सिगरेट पीने के समान है। ट्रैफिक या औद्योगिक क्षेत्रों में यह और भी ज़्यादा हो सकता है। बंजारा हिल्स के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आदित्य बापूजी कहते हैं, यह तुलना लोगों को समझाने में मदद करती है कि धूम्रपान न करने वाले भी निष्क्रिय धुआँ सह रहे हैं। इसके अलावा, धुंध भरे आसमान से विटामिन-डी का संश्लेषण रुक रहा है, जिससे हड्डियाँ कमजोर, थकान बढ़ रही और संक्रमण का खतरा और बढ़ रहा है। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि प्रदूषण के चरम घंटों में बाहर निकलने से बचें, ट्रैफिक वाले इलाकों में मास्क पहनें, घरेलू हवा साफ रखें और लक्षण बने रहने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

2011 से पीएम 2.5 में 15% की वृद्धि

हैदराबाद की हवा वर्षों से खराब हो रही है, लेकिन अब ताजा आँकड़े स्पष्ट रूप से बता रहे हैं कि शहर का प्रदूषण स्तर कितनी तेजी से बढ़ा है। 'डेवलपमेंट डेटा लैब्स' के एक नए अध्ययन से पता चलता है कि 2011 और 2022 के बीच पीएम 2.5 सांद्रता में वृद्धि दर्ज करने वाले 10 भारतीय शहरों में हैदराबाद तीसरे स्थान पर है, जहाँ एक दशक में स्तर में 15.4% की बढ़ोतरी हुई है। इस सूची में हैदराबाद केवल सूरत (24.5%) और पुणे (32.2%) से पीछे है।

हैरानी की बात यह है कि इन 10 शहरों में से केवल चार कोझिकोड (5.2%), कोलकाता (8.3%), चेन्नई (13.2%) और दिल्ली (30.1%) ने इस अवधि के दौरान पीएम 2.5 में गिरावट दर्ज की है। इस बीच, हैदराबाद प्रदूषण के चक्र में और गहरा धंसता जा रहा है। पर्यावरणविद् बी.वी. सुब्बा राव ने कहा, 'विशेष रूप से चिंताजनक यह है कि गिरावट का यह सिलसिला वर्षों से जारी है। डेटा संकेत देता है कि पीएम2.5 और पीएम10 दोनों का स्तर लगातार बढ़ रहा है, जो शहर को सार्वजनिक स्वास्थ्य और पारिस्थितिक आपातकाल की ओर धकेल रहा है।'

शुभ लाभ
epaper.shubhlabhdaily.com 08 Jan 2026 - Page 1

आबो-हवा हुई खराब

6 में से 4 जल स्रोत दूषित

शहर का एक्यूआई 170 पार

ओवैसी ने उठाया था मुद्दा

शुभ लाभ IMPACT

प्रदूषण हर साल नए शिखर पर

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आँकड़ों के अनुसार, इस साल पीएम2.5 की सांद्रता बढ़कर 176 हो गई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह लगभग 140 थी। पीएम10 का स्तर भी 150 से बढ़कर 185 तक पहुँच गया है। सबसे अधिक प्रदूषण सनतनगर, गच्चीबोउली और पुराने शहर जैसे इलाकों में दर्ज किया गया। हैदराबाद में पीएम2.5 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की 5µg/m³ की वार्षिक सीमा से 35 गुना अधिक है। इस संकट का मानवीय प्रभाव विनाशकारी है। 2008 और 2020 के बीच, हैदराबाद में वायु प्रदूषण के ▶10पर

हैदराबाद में दुनिया का पहला 'स्विस मॉल'

दावोस (स्विट्ज़रलैंड), 21 जनवरी (एजेंसियां)।

स्विट्ज़रलैंड के वौड कैंटन की काउंसिल प्रमुख क्रिस्टेल लुइसियर ब्रोडार्ड की अगुवाई में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर भारत-स्विस मुक्त-व्यापार समझौते के व्यापक संदर्भ में दोनों 'राज्यों' के बीच सहयोग के नए द्वार खोले। सांस्कृतिक-शैक्षणिक आदान-प्रदान से लेकर हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट और खेल-कोचिंग तक स्किलिंग-ट्रेनिंग कार्यक्रमों पर सहमति बनी; रिटेल तथा लाइफ साइंसेज़ क्षेत्रों में 'बेस्ट प्रैक्टिस' साझा करने पर भी विस्तार से विचार हुआ। दोनों मुख्यमंत्री स्वयं फुटबॉल खिलाड़ी रहे हैं, इसलिए खेल-भागीदारी को प्राथमिकता देते हुए युवाओं के लिए संयुक्त अकादमियों और कोच एक्सचेंज पर सहमति बनी।

महिला एसजीएच को स्विस साथ

श्री रेड्डी ने 'तेलंगाना राइज़िंग 2047' विज़न पेश करते हुए हैदराबाद में 'स्विस मॉल' बनाने का प्रस्ताव रखा। जिसमें स्विट्ज़रलैंड की लक्ज़री रिटेल, घड़ियाँ, चॉकलेट, डेयरी और टूरिस्ट इन्फॉर्मेशन सेंटर एक ही छत के नीचे होंगे। स्विस प्रतिनिधिमंडल ने तत्काल सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। वौड की इंडस्ट्रीज़ एंड इकोनॉमी मिनिस्टर इज़ाबेल मोरेट ने वादा किया कि महिला स्वयं-सहायता समूहों के सशक्तिकरण के लिए विशेष तकनीकी-वित्तीय पैकेज तैयार करने के लिए एक स्विस टीम शीघ्र हैदराबाद का दौरा करेगी ताकि अवसरों को धरातल पर उतारा जा सके।

इधर चोरी - उधर पुलिस

100 डायल किया, टीम घर पहुँची, थाने के चक्कर नहीं लगाने पड़े

घर बैठे एफआईआर

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

साइबराबाद पुलिस ने विशेष परिस्थितियों में 'होम बेस्ड एफ़आईआर' पंजीकरण की योजना को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। इस पीड़ित-अनुकूल पहल का उद्देश्य शिकायतकर्ताओं के तनाव को कम करना और पुलिस सेवाओं तक आसान पहुँच सुनिश्चित करना है। योजना के तहत पहला मामला दुंडीगल थाना क्षेत्र में दर्ज हुआ, जहाँ चोरी की शिकायत मिलते ही पुलिस टीम सीधे पीड़ित के घर पहुँच गई और मौके पर पूरी प्रक्रिया पूरी की। घटना गगिल्लापुर की एक विला में हुई। संक्रांति त्योहार मनाने परिवार के साथ विजयवाड़ा गए मकान मालिक 20 जनवरी की रात घर लौटे तो दरवाज़ा टूटा मिला। लाखों रुपये के स्वर्ण-रजत आभूषण गायब थे। उन्होंने तुरंत 100 पर कॉल किया। दुंडीगल पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची, बीएनएस की संबंधित धाराओं में मौके पर एफ़आईआर दर्ज की और तुरंत एक प्रति शिकायतकर्ता को सौंप दी। पीड़ित को थाने जाने की ज़रूरत नहीं पड़ी। उन्होंने पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया और दरवाज़े पर सेवा पर संतोष जताया।

शुभ लाभ
epaper.shubhlabhdaily.com 21 Jan 2026 - Page 3

अब पुलिस आपके द्वार !

खुद पहुँचेगी पीड़ित के घर, अस्पताल या चुने हुए स्थान पर

शुभ लाभ IMPACT

कमिश्नर ने एसओपी की तारीफ़ की

साइबराबाद पुलिस कमिश्नर एम. रमेश ने दुंडीगल टीम की नई मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) का अनुसरण करने पर सराहना की। उनका कहना है कि 'होम बेस्ड एफ़आईआर' पीड़ितों को आगे के तनाव से बचाएगी। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के मामलों में यह सुविधा और भी उपयोगी सिद्ध होगी। अब चोरी, झगड़े या किसी भी संगीन घटना के बाद पीड़ित घर, अपराध स्थल या अस्पताल में ही एफ़आईआर दर्ज करा सकते हैं। थाने के चक्कर काटने की ज़रूरत नहीं। अधिकारियों ने बताया कि यह नागरिक-अनुकूल पुलिसिंग का हिस्सा बनकर विशेष मामलों में जारी रहेगा।

फिर कुत्तों की मौत मरे

'पेशेवर डॉग किलरों' ने 500 का किया सफ़ाया

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रंगारेड्डी ज़िले का याचाराम गाँव (हैदराबाद से करीब 50 किमी) में रविवार, 19 जनवरी की लगभग 100 आवारा कुत्तों को संदिग्ध रूप से ज़हर देकर मार डाला गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हत्या की योजना 'पेशेवर डॉग किलरों' द्वारा अंजाम दी गई और गाँव के सरपंच तथा उनके सहयोगियों ने इसे हरी झंडी दी। शव अब तक बरामद नहीं हुए हैं, आशंका है कि लाशों को गाँव के बाहर दबा दिया गया है। स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया की मुडवाथ प्रीति की शिकायत पर याचाराम थाना प्रभारी ए. नंदेश्वर रेड्डी ने बीएनएस की धारा 325, 3(5) और पीसीए एक्ट की धारा 11(1)(ए)(आई) के तहत सरपंच सहित तीन लोगों, एक वार्ड सदस्य और ग्राम सचिव के ख़िलाफ़ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया, हम मामले की पूरी तह तक जाएँगे, कुत्तों के शवों की खोज जारी है।

शुभ लाभ
epaper.shubhlabhdaily.com 15 Jan 2026 - Page 1

कुत्तों का नरसंहार

कामारेड्डी में 600 से अधिक की हत्या, पशु प्रेमियों में आक्रोश

पुलिस ने दफ्न स्थलों पर पंचनामा कर मामला दर्ज किया

पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आरोपों के आधार पर आईपीसी और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। टीमों ने कुत्तों के दफनाए जाने की संभावित जगहों की पहचान कर वहाँ पंचनामा किया और शवों की विसरा जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा है।

ऐसा चुनावी वादा पूरा करने के लिए किया गया

कामारेड्डी, 14 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शुभ लाभ IMPACT

पहले कहा शिफ्ट किया, फिर बोले नशा दिया; असल में ज़हर था

पीड़ितों की तरह पशु कल्याण कार्यकर्ता भी अब गाँव वालों की बयानबाज़ी पर उँगली उठा रहे हैं। शिकायत के मुताबिक, जब कार्यकर्ता दीपिका पिंगाली ने एक वार्ड सदस्य से फ़ोन पर पूछा तो उसने कहा कि कुत्तों को रिलोकेट कर दिया गया। कुछ घंटे बाद जब दूसरे कार्यकर्ता अडुलापुरम गौतम ने उसी सदस्य से बात की तो कहानी बदल गई। उन्हें बेहोशी का इंजेक्शन दिया गया'। बाद में ग्रामीणों से पता चला कि कथित 'एनेस्थेसिया' वास्तव में ज़हर था और इंजेक्शन लगते ही कुत्ते तड़प-तड़प कर मर गए। यह तरीका कामारेड्डी, हनुमकोंडा तथा जगतियाल में हाल ही में हुए 500 से ज़्यादा कुत्तों के नरसंहार से मिलता-जुलता है। जहाँ भी 'पेशेवर' लोगों ने लाखों रुपये लेकर जानलेवा इंजेक्शन दिए थे।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट भेजी पीआईएल

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) को ▶10पर

शिंदे-राज और उद्धव ठाकरे मिलकर बनाएंगे मेयर?

मुंबई, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर चौंकाने वाले मोड़ पर खड़ी नजर आ रही है। हालिया नगर निगम चुनावों के बाद राज्य में बदलते गठबंधनों की तस्वीर और अधिक उलझ गई है। कल्याण-डोंबिवली नगर निगम(केडीएमसी) इसका ताजा उदाहरण बनकर उभरा है, जहां वर्षों की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को दरकिनार करते हुए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ हाथ मिला लिया है। इस गठबंधन का स्पष्ट उद्देश्य बीजेपी को मेयर पद से दूर रखना बताया जा रहा है।

संख्या खेल और सत्ता की जंग

122 सदस्यीय केडीएमसी में बहुमत के लिए 62 सीटों की जरूरत है। शिंदे गुट की शिवसेना: 53 सीटें, बीजेपी: 50 सीटें, मनसे: 5 सीटें, उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना: 11 सीटें. शिंदे सेना और मनसे के गठबंधन से कुल संख्या 58 तक पहुंच गई है, जो बहुमत से सिर्फ चार सीट कम है।

उद्धव गुट के पार्षदों पर नजर

बुधवार को कोंकण भवन में हुई हाई-लेवल बैठक के बाद शिवसेना सांसद एवं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पुत्र श्रीकांत शिंदे ने मनसे के साथ गठबंधन की औपचारिक पुष्टि की। उन्होंने संकेत दिए कि उद्धव ठाकरे गुट के चार पार्षद ▶10पर

वैलेंटाइन वीक से पहले छाया एल्विश-जन्नत का रोमांस, तेरे दिल में का दिखा जादू

मशहूर कंटेंट क्रिएटर और अभिनेता एल्विश यादव हाल ही में वेब सीरीज 'औकात के बाहर' में नजर आए थे, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। सीरीज को लेकर वे सुर्खियां बटोर ही रहे थे कि उनका नया गाना 'तेरे दिल में' रिलीज कर दिया गया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। यह गाना इसलिए भी स्पेशल है क्योंकि इसमें एल्विश के साथ अभिनेत्री जन्नत जुबैर नजर आ रही हैं। स्क्रीन पर दोनों की केमिस्ट्री काफी अच्छी लग रही है। गाने में एल्विश और जन्नत एक दूसरे के साथ प्यार भरे अंदाज में नजर आते हैं। यह गाना फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे इसे बार-बार सुन रहे हैं। जन्नत टीवी की मशहूर अभिनेत्री हैं, और सोशल मीडिया पर भी उनकी काफी पॉपुलैरिटी देखी जाती है। वहीं, एल्विश का क्रेज भी किसी से छुपा नहीं है। इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 24 घंटे में दोनों के गाने को 4.4 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है।एल्विश यादव और जन्नत जुबैर की इस जोड़ी को फैंस पहले से ही बहुत पसंद करते हैं। दोनों की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को फैंस लाफ्टर शेफ से पसंद करते आ रहे हैं।

गाने की बात करें तो इसे रितो रिबा ने गाया है। वहीं, इसके लिरिक्स राणा सोतल ने लिखे हैं और रजत नागपाल ने इसे कंपोज किया है।गाने में दिखाया गया है कि एल्विश और जन्नत की लव स्टोरी में दिक्कतें तब आती है, जब लड़की के पिता उसकी शादी जबरदस्ती किसी और से करा रहे होते हैं, लेकिन जन्नत एल्विश के साथ घर छोड़कर चली जाती है। यह मशहूर जोड़ी फिलहाल लाफ्टर शेफ के सीजन 2 में नजर आई थी। इसमें दोनों के अलावा, करण कुंद्रा, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, अली गोनी, अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल, विवियन डीसेना, ईशा सिंह, ईशा मालवीय, तेजस्वी प्रकाश, गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी जैसे कलाकार नजर आए थे।ङ्कवहीं, शो को भारती सिंह ने होस्ट किया और शेफ हरपाल सोखी जज बने थे।

राहु केतु बॉक्स ऑफिस कलेक्शन का दूसरा दिन रहा फैमिली ऑडियंस के नाम, कमाई में बढ़त

पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा के अभिनय से सजी और विपुल विग निर्देशित फैंटेसी कॉमेडी 'राहु केतु', भारतीय बॉक्स ऑफिस पर धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ती नज़र आ रही है। फिल्म ने दूसरे दिन उत्साहजनक बढ़त बनाई है और इसका सबसे बड़ा श्रेय जाता है फैमिली ऑडियंस को जिनकी सकारात्मक प्रतिक्रिया से ये मुमकिन हुआ है। गौरतलब है कि 'राहु केतु' ने दूसरे दिन ₹1.60 करोड़ का कलेक्शन किया है, जो कि पहले दिन के ₹1 करोड़ के मुकाबले लगभग 60% की बढ़त दर्शाता है। इसके साथ ही फिल्म का दो दिनों का नेट कलेक्शन ₹2.60 करोड़ तक पहुंच गया है, जबकि जीएसटी सहित ग्रॉस कलेक्शन ₹3.06 करोड़ बताया जा रहा है। डे-वाइज़ बॉक्स ऑफिस कलेक्शन (इंडिया नेट):

डे 1: ₹1 करोड़
डे 2: ₹1.60 करोड़
कुल: ₹2.60 करोड़

बॉक्स ऑफिस पर बढ़त के साथ-साथ 'राहु केतु' को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। फिल्म के साफ-सुथरे हास्य, कलाकारों की परफॉर्मेंस और फैमिली-फ्रेंडली एंटरटेनमेंट वैल्यू की खास तौर पर सराहना की जा रही है। यही वजह है कि सिनेमाघरों में परिवारों और युवा दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

कलेक्शन में आई यह उछाल साफ तौर पर दर्शाती है कि फिल्म अपनी फैमिली अपील के चलते सही ऑडियंस तक पहुंच रही है। हल्की-फुल्की कॉमेडी और फैंटेसी एलिमेंट्स से भरपूर 'राहु केतु' बच्चों और परिवारों को सिनेमाघरों तक खींच रही है, खासकर छोटे शहरों में, जहां इस तरह की साफ-सुथरी मनोरंजक फिल्मों को अच्छा रिस्पॉन्स मिलता है।

तेजस्वी प्रकाश ने तस्वीरों के जरिए दिखाई अपनी अब तक की शानदार जर्नी

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश मनोरंजन जगत में काफी समय से काम कर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में तेजस्वी अपने पुराने सीरियल के किरदार में नजर आ रही हैं। कुछ फोटोज में वे अपने उस समय के लुक में दिख रही हैं, तो कुछ में वे अपने दोस्तों और साथी कलाकारों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरें फोटोशूट की हैं, जहां वे स्टाइलिश और ट्रेंडी कपड़ों में पोज दे रही हैं। ये तस्वीरें उनके सफर की शुरुआत को दर्शाती हैं, जब वे टीवी स्क्रीन पर पहली बार दर्शकों के सामने आई थीं। तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, 2016 मेरा दिल है और हमेशा ऐसा ही रहेगा। फैंस अभिनेत्री की तस्वीरों को देखते ही ढेर सारे लाइक और कमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, कई यूजर्स तरह तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेत्री ने टेलीविजन में 2612 से डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने रश्मि भार्गव का किरदार निभाया था, लेकिन उन्हें असली पहचान कलर्स टीवी के शो स्वरागिनी में रागिनी के किरदार से मिली थी। इसके बाद 2018 में वे कर्ण संगिनी और सिलसिला बदलते रिश्तों का में भी नजर आईं।

तेजस्वी प्रकाश 2017 में सोनी टीवी के टीवी सीरियल पहरेदार पिया की में दिया सिंह के तौर पर मुख्य भूमिका में नजर आई थीं, लेकिन बाल विवाह केंद्रित कहानी होने के कारण प्रसारण के कुछ दिन बाद ही सीरियल विवादों में घिर गया था। दरअसल, इस सीरियल में दिया सिंह की शादी एक छोटे बच्चे से होती दिखाई जाती है और वे उसकी रक्षा का जिम्मा उठाती हैं। फिर अभिनेत्री ने रियलिटी शो जैसे खतरों के खिलाड़ी 10 और बिग बॉस 15 (जिसकी वह विजेता बनीं) में काम किया और उसके बाद वह नागिन 6 में नजर आई थी। इसी के साथ ही अभिनेत्री ने रोहित शेट्टी की मराठी फिल्म स्कूल कॉलेज आनी लाइफ से मराठी सिनेमा में डेब्यू किया।

संगीत में कोई सांप्रदायिक पहलू नहीं, एआर रहमान के बयान पर सिंगर शान ने रखा अपना पक्ष

बॉलीवुड के बेहतरीन संगीतकारों में शुमार ए. आर. रहमान अपने 'कम्युनल' वाले बयान को लेकर घिरे हुए हैं। राजनीति से लेकर हिंदी सिनेमा के बड़े सिंगर्स और साधु-संत भी इस मुद्दे पर अपनी राय दे चुके हैं। अब हिंदी सिनेमा के तीन बड़े सिंगर्स- शान, शंकर महादेवन और अनूप जलोटा ने अपनी बात रखी है। सिंगर शान का कहना है कि उन्हें भी कई सालों तक काम नहीं मिला है, लेकिन उन्होंने इसे कभी व्यक्तिगत तौर पर नहीं लिया है। गायक ए. आर. रहमान के बयान पर बॉलीवुड गायक शान ने कहा, लोगों की अपनी-अपनी राय होती है, और वे हमेशा बंटे रहेंगे। यह कोई नियम नहीं है कि सबकी राय एक जैसी हो। लेकिन हमें इसे ज़रूरत से ज़्यादा महत्व नहीं देना चाहिए, क्योंकि हर गाने के पीछे एक सोच होती है। संगीतकार या निर्माता अपनी सोच के आधार पर निर्णय लेते हैं। कुछ लोग कहेंगे कि यह सही है, तो कुछ कहेंगे कि यह गलत है। हमें इसमें क्यों उलझना चाहिए? इसमें उलझने से कोई फायदा नहीं है। उन्होंने आगे कहा, काम न मिलने की बात हो, तो मैं यहीं आपके सामने खड़ा हूं। मैंने इतने सालों में इतना कुछ गाया है, फिर भी कभी-कभी मुझे भी काम नहीं मिलता। लेकिन मैं इसे व्यक्तिगत रूप से नहीं लेता। हर किसी की अपनी सोच और अपनी पसंद होती है। हमें कितना काम मिलेगा, यह हमारे हाथ में नहीं है। जो भी काम मिले, उसे अच्छे से करना चाहिए। रहमान को जो भी काम मिलता है, उसमें उनकी खास शैली झलकती है। वे एक बेहतरीन संगीतकार हैं, और उनके प्रशंसकों की संख्या कम नहीं हुई है, बल्कि बढ़ रही है।

सिंगर ने आगे कहा कि अगर ऐसी कोई समस्या होती, तो मुझे नहीं लगता कि संगीत में कोई सांप्रदायिक या अल्पसंख्यक पहलू है। संगीत इस तरह से काम नहीं करता। अगर ऐसा होता, तो पिछले 30 सालों के हमारे तीन सुपरस्टार, जो अल्पसंख्यक समुदाय से हैं, इतनी तरक्की नहीं कर पाते। ऐसा नहीं है।

वही गायक अनूप जलोटा ने कहा, यह बिलकुल गलत है। उन्होंने 25 वर्षों का काम मात्र पांच वर्षों में कर दिखाया है। इससे अधिक और क्या कहा जा सकता है? उन्होंने बहुत मेहनत की है और कई उत्कृष्ट परियोजनाएं पूरी की हैं। फैंस के दिल में उनके लिए बहुत इज्जत है और ये सम्मान हमेशा बरकरार रहेगा।

वहीं भारतीय गायक और संगीतकार शंकर महादेवन ने कहा, मैं आपकी बात समझता हूं और मैं कहना चाहूंगा कि गीत का निर्माण करने वाला और गीत को रिलीज़ या प्रचारित करने का निर्णय लेने वाले दो अलग-अलग व्यक्ति होते हैं। अक्सर, ये निर्णय लेने वाले लोग संगीत से जुड़े नहीं होते।

दूसरी बार मां बनने जा रहीं सोनम कपूर, लेटेस्ट फोटोशूट में दिखा एक्ट्रेस का रॉयल अंदाज

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री सोनम कपूर दूसरी बार मां बनने वाली हैं। उन्होंने कुछ समय पहले ही इस बात की जानकारी दी थी। सोमवार को अभिनेत्री ने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए शानदार तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की। शेयर की गई तस्वीरों में सोनम काले रंग के आउटफिट में नजर आ रही हैं। उन्होंने क्रॉप टॉप पहना है, जिसके साथ लंबी स्कर्ट और ऊपर से कोट डाला हुआ है। लुक को और भी आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने काला बैग भी लिया है। पोस्ट कर सोनम ने लिखा, मम्मा का डे आउट इवेंट के लिए तैयार। इंस्टाग्राम पर सोनम का लुक काफी आकर्षक लग रहा है, वे प्रेग्नेंसी के दौरान भी फैशन को बिल्कुल नहीं छोड़ रही हैं और कॉन्फिडेंट तरीके से अपनी खूबसूरती दिखा रही हैं।

बता दें कि सोनम ने अपनी प्रेगनेंसी की आधिकारिक घोषणा कुछ समय पहले ही की थी। सोनम और आनंद आहूजा ने लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद साल 2016 में अपने रिलेशनशिप की घोषणा की थी और साल 2018 में शादी की थी और 2022 में बेटे वायु का स्वागत किया था। अब तीन साल बाद यह कपल फिर से माता-पिता बनने वाले हैं। उनके परिवार में एक और सदस्य आने वाला है, जिससे घर में खुशियां दोगुनी हो गई हैं।

सोनम ने आखिरी बार 2023 की एक हिंदी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'ब्लाइंड' में काम किया था, जो 2011 की कोरियाई फिल्म का रीमेक थी। फिल्म में सोनम ने एक अंधी पूर्व पुलिस अधिकारी की मुख्य भूमिका निभाई थी, जो एक सीरियल किलर का पीछा करती है और अपनी दृष्टि खोने के बाद उसके साथ एक जानलेवा चूहे-बिल्ली का खेल खेलती है। हालांकि, फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी।

अब वे जल्द ही अपकमिंग फीचर फिल्म 'बैटल ऑफ बिट्टोरा' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क के बैनर तले होगा।

यह फिल्म अनुजा चौहान के एक उपन्यास पर आधारित है, जिसमें दो उभरते राजनेताओं की प्रेम कहानी दिखाई जाएगी, जो एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं।

कल बसंत पंचमी

प्रकृति भी मनाती है बसंत पंचमी का पर्व

हिंदू पंचांग के अनुसार वसंत पंचमी 23 जनवरी 2026 को मनाई जाएगी। माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। इस साल बसंत पंचमी 23 जनवरी को मनाई जाएगी। कहा जाता है कि इस दिन से ही बसंत ऋतु का आगमन होता है। इसके साथ ही इस दिन ही मां सरस्वती की उपत्ति भी हुई थी। यह दिन छात्रों, कला, संगीत आदि क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए बेहद खास होता है। बसंत पंचमी के दिन पीले रंग का भी विशेष महत्व होता है। बसंत पंचमी का दिन विद्या आरंभ या किसी भी शुभ कार्य के लिए बेहद उत्तम माना जाता है।

श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 23 जनवरी 2026 को अर्धरात्रि 02:28 मिनट पर शुरू होगी। वहीं इसका समापन 24 जनवरी को अर्धरात्रि 01:46 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा। इस त्योहार को लेकर मान्यता है कि सृष्टि अपनी प्रारंभिक अवस्था में मूक, शांत और नीरस थी। चारों तरफ मौन देखकर भगवान ब्रह्मा जी अपने सृष्टि सृजन से संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने अपने कमंडल से जल छिड़का और इससे अद्भुत शक्ति के रूप में मां सरस्वती प्रकट हुईं। मां सरस्वती ने वीणा पर मधुर स्वर छेड़ा जिससे संसार को ध्वनि और वाणी मिली। इसलिए बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा का विधान है। मान्यता है कि इस दिन आराधना करने से माता सरस्वती शीघ्र प्रसन्न होती हैं और ज्ञान का आशीर्वाद

प्रदान करती हैं।

मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव-माता पार्वती के विवाह की लग्न लिखी गई। विद्यार्थी और कला साहित्य से जुड़े हर व्यक्ति को इस दिन मां सरस्वती की पूजा अवश्य करनी चाहिए। इस दिन सच्चे मन से की गई पूजा कभी विफल नहीं जाती। मां सरस्वती की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। इस दिन घर में मां सरस्वती की मूर्ति या तस्वीर अवश्य स्थापित करें। घर में वीणा रखने से घर में रचनात्मक वातावरण निर्मित होता है। घर में हंस की तस्वीर रखने से मन को शांति मिलती है और एकाग्रता बढ़ती है। मां सरस्वती की पूजा में मोर पंख का बड़ा महत्व है। घर के मंदिर में मोर पंख रखने से नकारात्मक ऊर्जा का अंत होता है। कमल के फूल से मां का पूजन करें। बसंत पंचमी के दिन विवाह, गृह प्रवेश और अन्य शुभ कार्य संपन्न कराए जाते हैं। बसंत पंचमी के दिन शिशुओं को पहली बार अन्न खिलाया जाता है। इस दिन बच्चों का अक्षर आरंभ भी कराया जाता है। बसंत पंचमी में पीले रंग का विशेष महत्व है। पूजा विधि में पीले रंग की वस्तुओं का प्रयोग करें। पीले रंग के व्यंजन बनाए जाते हैं। बसंत पंचमी के दिन कामदेव और उनकी पत्नी रति की भी पूजा की जाती है।

शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 23 जनवरी 2026 को अर्धरात्रि 02:28 मिनट पर शुरू होगी। वहीं इसका समापन 24 जनवरी को अर्धरात्रि 01:46 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा इस दिन मां सरस्वती की पूजा के लिए सबसे उत्तम मुहूर्त प्रात:काल 06:43 से लेकर दोपहर 12:15 बजे तक रहेगा।

पूजा विधि

मां सरस्वती की प्रतिमा या मूर्ति को पीले रंग के वस्त्र अर्पित करें। अब रोली, चंदन, हल्दी, केसर, चंदन, पीले या सफेद रंग के पुष्प, पीली मिठाई और अक्षत अर्पित करें। अब पूजा के स्थान पर वाद्य यंत्र और किताबों को अर्पित करें। मां सरस्वती की वंदना का पाठ करें। विद्यार्थी चाहें तो इस दिन मां सरस्वती के लिए व्रत भी रख सकते हैं।

या कुंदेंदुतुषारहारधवला, या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणा वर दण्डमण्डित करा, या श्वेत पद्मासना।
या ब्रहमाऽच्युत शंकर: प्रभृतिर्भि: देवै: सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती, नि:शेषजाड्यापहा।।

मां सरस्वती के इस श्लोक से मां का ध्यान करें। इसके पश्चात 'ओम् ऐं सरस्वत्यै नम:' का जाप करें और इसी लघु मंत्र को नियमित रूप से आप अर्थात विद्यार्थी वर्ग प्रतिदिन कुछ समय निकाल कर इस मंत्र से मां सरस्वती का ध्यान करें। इस मंत्र के जाप से विद्या, बुद्धि, विवेक बढ़ता है। वसंतोत्सव नवीन ऊर्जा देने वाला उत्सव है। शिशिर ऋतु के असहनीय सर्दी से मुक्ति मिलने का मौसम आरंभ हो जाता है। प्रकृति में परिवर्तन आता है और जो पेड़-पौधे शिशिर ऋतु में अपने पत्ते खो चुके थे वे पुनः नव-नव पल्लव और कलियों से युक्त हो जाते हैं। वसंतोत्सव माघ शुक्ल पंचमी से आरंभ होकर के होलिका दहन तक चलता है। कहा जाता है कि वसंत पंचमी के दिन जैसा मौसम होता है वैसा पूरे होली तक ऐसा ही मौसम रहता है।

बसंत पचंमी कथा

सृष्टि के रचनाकार भगवान ब्रह्मा ने जब संसार को बनाया तो पेड़-पौधों और जीव जन्तुओं सबकुछ दिख रहा था, लेकिन उन्हें किसी चीज की कमी महसूस हो रही थी। इस कमी को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने कमंडल से जल निकालकर छिड़का तो सुंदर स्त्री के रूप में एक देवी प्रकट हुईं। उनके एक हाथ में वीणा और दूसरे हाथ में पुस्तक थी। तीसरे में माला और चौथा हाथ वर मुद्रा में था। यह देवी थीं मां सरस्वती। मां सरस्वती ने जब वीणा बजाया तो संस्सार की हर चीज में स्वर आ गया। इसी से उनका नाम पड़ा देवी सरस्वती। यह दिन था बसंत पंचमी का। तब से देव लोक और मृत्युलोक में मां सरस्वती की पूजा होने लगी।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

बसंत पंचमी पूजा सामग्री, इस विधि से पूजा करेंगे तो सालभर मां सरस्वती की बनी रहेगी कृपा

बसंत पंचमी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन सरस्वती माता की पूजा करने का विधान होता है। ऐसा करने से विद्या और बुद्धि की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि इसी तिथि पर सरस्वती मां का प्राकट्य हुआ था। इस साल बसंत पंचमी 23 जनवरी, शुक्रवार के दिन मनाई जाएगी। बसंत पंचमी पर इस बार ग्रहों का बहुत शुभ संयोग बन रहा है। ऐसे में इस दिन बड़ों के साथ-साथ बच्चों को भी पूरे विधि विधान सरस्वती माता की पूजा करनी चाहिए। इससे शिक्षा के क्षेत्र में लाभ प्राप्त होता है। तो आइए विस्तार से जानें की सरस्वती पूजा के लिए कौन-कौन सी चीजें आवश्यक हैं और कलश व सरस्वती मां की पूजा करने की विधि...

बसंत पंचमी 2026 सरस्वती पूजा सामग्री लिस्ट

सरस्वती पूजा के लिए हल्दी, कुमकुम, धूपबत्ती, इत्र, सिंदूर, रोली, अक्षत, आम के पत्ते, पीले रंग के फूल, फूलों की माला, लकड़ी की चौकी, पीला वस्त्र, कलश, पके हुए केले की फली, नारियल, भोग के लिए मालपुआ, गाय का घी, दूध से बनी मिठाई, तिल के लड्डू, गुलाल, श्रृंगार का सामान और पीले रंग की चुनरी या साड़ी की आवश्यकता होती है।

बसंत पंचमी 2026 सरस्वती पूजा विधि

* बसंत पंचमी पर स्वच्छ होकर सबसे पहले पूजा घर में एक लकड़ी की चौकी रखें। उस पर पीले रंग का वस्त्र बिछाएं और मां सरस्वती की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें।

* चारों ओर गंगाजल का छिड़काव करें फिर, माता सरस्वती का आचमन करके स्नान कराएं। इसके बाद, देवी को फूल माला आदि अर्पित करें।

* मां सरस्वती को सिंदूर, अक्षत आदि और श्रृंगार का सामान भी अर्पित करें। बसंत पंचमी के दिन माता के चरणों में गुलाल जरूर लगाना चाहिए।

* फिर, सरस्वती माता को वस्त्र पहनाकर विधि-विधान से पूजा अर्चना करें और उन्हें पकवानों, मिठाई, फल आदि का भोग लगाएं।

* बसंत पंचमी के दिन पुस्तक, कॉपी आदि की भी पूजा करना चाहिए और जरूरतमंदों को पढ़ाई का सामान दान करें।

* माता सरस्वती और भगवान गणेश की पूजा करने के पश्चात सभी को प्रसाद बांटे। शाम के समय भी देवी सरस्वती की विधि विधान से पूजा अवश्य करनी चाहिए।

बसंत पंचमी पर कलश पजून विधि

सरस्वती पूजा के दिन कलश पर मोली बांधकर उसके ऊपर आम के पत्ते रखें। इसके बाद, कलश में दूर्वा, सुपारी, अक्षत और मुद्रा डालें।

कलश के गले पर मोली लपेटकर नारियल को कलश पर रख दें। अब अपने हाथ में कुछ अक्षत लेकर वरुण देवता का कलश में आव्हान करें- 'ओम तत्वायामि ब्रह्मणा वन्दमानस्तदाशास्ते यजमानो हविभि:, अहेडमानो वरुणेह बोध्युरुशंस मान आयु: प्रमोषी:। (अस्मिन कलशे वरुणं सांगं सपरिवारं सायुध सशक्तिकमावाहयामि, ओ3म्भूर्भुव: स्व:भो वरुण इहागच्छ इहतिष्ठ। स्थापयामि पूजयामि।)'

सरस्वती मंदिर जहां मुसलमान पढ़ते हैं नमाज और हिंदू करते हैं वाग्देवी की पूजा, 1100 साल पुराने मंदिर का रहस्य

बसंत पंचमी सरस्वती पूजा का पर्व हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। मां सरस्वती को समर्पित यह प्रमुख त्योहार हर साल माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बड़े ही धूमधाम के साथ देश भर में मनाया जाता है। इस बार बसंत पंचमी से पहले मध्य प्रदेश के धार में ज्ञान, संगीत, कला और बुद्धि की देवी मां सरस्वती के प्राचीन मंदिर को लेकर फिर विवाद तेज हो गया है। 1100 साल पुराने भोजशाला को हिंदू पक्ष के लोग वाग्देवी का मंदिर मानते हैं तो मुस्लिम पक्ष इसके कमाल मौलाना मस्जिद होने का दावा करता है।

23 जनवरी, शुक्रवार को बसंत पंचमी और जुमे की नमाज पड़ने को लेकर फिलहाल मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। हिंदुओं ने कोर्ट से इस दिन पूजा करने की इजाजत और मुसलमानों को वहां प्रवेश करने से रोकने की मांग की है। 22 जनवरी को इस मामले पर कोर्ट में सुनवाई के लिए राजी हो गया है। फिलहाल भोजशाला पर दोनों पक्षों का कब्जा है। भारत पुरातत्व सर्वेक्षण ने हिंदू पक्ष के लोगों को मंगलवार और वसंत पंचमी के दिन मंदिर में पूजा करने की अनुमति दी है, जबकि मुस्लिम पक्ष के लोग शुक्रवार को यहां नमाज अदा करते हैं।

भोजशाला का क्या है रहस्य?

भोजशाला का इतिहास 11वीं सदी का बताया जाता है। माना जाता है कि, परमार वंश के महान शासक राजा भोज ने 1000-1055 ईस्वी में यहां ज्ञान और विद्या का केंद्र स्थापित किया। इसी केंद्र को भोजशाला के नाम से जाना जाता है। जहां शास्त्र, भाषा, संस्कृति और संगीत सहित अनेक विषयों पर अध्ययन होते थे। राजा भोज के शासन काल में ही यहां पर देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित की गई थी। जिसे वाग्देवी कहा जाता था। बाद में मुस्लिम शासक ने इसे मस्जिद में परिवर्तित कर दिया था। भोजशाला में मंदिर के अवशेष आज भी वहां दिखते हैं।

वाग्देवी का कैसा है स्वरूप?

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार देवी सरस्वती को वाग्देवी और ब्रह्मस्वरूपा कहा गया है। उन्हें कामधेनु के समान सर्वस्व प्रदान करने वाली माना गया है। विष्णुधर्मोत्तर पुराण में वाग्देवी के स्वरूप का वर्णन मिलता है। इसमें उन्हें चार भुजाओं वाली देवी बताया गया है, जो सुंदर आभूषणों से अलंकृत हैं। यह रूप ज्ञान, कला और सृजन का प्रतीक माना गया है। स्कंद पुराण में मां सरस्वती को जटा-जूट धारण किए हुए और मस्तक पर अर्धचंद्र सुशोभित और कमल के आसन पर विराजमान बताया गया है।

सरस्वती पूजा का महत्व

मान्यता है कि माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को देवी सरस्वती का प्राकट्य हुआ था। इसी कारण इस दिन को वसंत पंचमी कहा जाता है। इस दिन को देवी सरस्वती की पूजा और आराधना के लिए सबसे पावन माना जाता है। इस दिन छात्र, विद्वान और कला से जुड़े लोग विशेष रूप से देवी सरस्वती की उपासना करते हैं और ज्ञान व बुद्धि की कामना करते हैं।

900 साल से भी पुराना तंत्र, मंत्र और यंत्र की अधिष्ठात्री त्रिपुर सुंदरी का मंदिर, 51 शक्तिपीठों में एक

शक्ति और दस महाविद्याओं की आराधना को समर्पित गुप्त नवरात्रि का तीसरा दिन बुधवार को है। इस दिन मां त्रिपुर सुंदरी की विशेष आराधना और पूजन का विधान है। हिंदू धर्म में गुप्त नवरात्रि को तांत्रिक और गुप्त साधना का समय माना जाता है, जिसमें देवी के विभिन्न रूपों की उपासना की जाती है। देश में देवी के ऐसे कई मंदिर हैं, जहां दर्शन से श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति मिलती है और हर मनोकामना पूरी होती है।

ऐसा ही शक्ति का अद्भुत मंदिर राजस्थान के बांसवाड़ा में स्थित है, जिसे त्रिपुर सुंदरी मंदिर कहते हैं। यह 900 साल से भी पुराना सिद्ध शक्तिपीठ है। मंदिर में काली, सरस्वती और लक्ष्मी के दर्शन होते हैं। यहां की साधना शीघ्र फलदायी मानी जाती है। मां त्रिपुर सुंदरी की मूर्ति श्री यंत्र पर स्थापित है। इसी कारण यहां देवी की मूर्ति में विशेष तेज और दिव्य प्रकाश दिखाई देता है। श्री यंत्र को देवी की शक्ति का सबसे शक्तिशाली प्रतीक माना जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार त्रिपुर सुंदरी तंत्र, मंत्र और यंत्र की अधिष्ठात्री देवी हैं। यह स्थान न केवल एक सिद्ध शक्तिपीठ है, बल्कि 64 योगिनियों में से एक का भी केंद्र है। यहां की गई साधना और पूजा बहुत जल्दी फलदायी सिद्ध होती है। राज राजेश्वरी मां त्रिपुर सुंदरी का यह मंदिर लगभग 900 साल पुराना है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार यह 51 शक्तिपीठों में से एक है, जहां देवी सती का पीठासन गिरा था। मंदिर में एक साथ तीन देवियों मां काली, मां सरस्वती और मां लक्ष्मी के दर्शन होते हैं, इसी वजह से इन्हें त्रिपुर सुंदरी कहा जाता है। त्रिपुर सुंदरी मंदिर की एक खासियत यह भी है कि यहां का काला पत्थर बहुत विशेष है। इसी प्रकार का पत्थर अयोध्या में भगवान श्री राम की मूर्ति के लिए इस्तेमाल किया गया। त्रिपुर सुंदरी मंदिर का निर्माण पांचाल जाति के चांदा भाई लुहार ने करवाया था।

कथा के अनुसार पास ही खदान में लौह अयस्क निकाला जाता था। किंवदंती है कि देवी भिखारिन बनकर आईं, लेकिन पांचालों ने अनदेखा किया। क्रोधित होकर देवी ने खदान ध्वस्त कर दी। माफी मांगकर पांचालों ने मंदिर और तालाब बनवाया। 16वीं शताब्दी में फिर जीर्णोद्धार हुआ। आज भी पांचाल समाज ही मंदिर की देखभाल करता है। यह प्रसिद्ध पीठ राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में स्थित है। बांसवाड़ा मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर तलवाड़ा गांव के पास यह मंदिर है। शुरुआत में इसे तारताई माता के नाम से जाना जाता था।

बांसवाड़ा दक्षिणी राजस्थान में अरावली पर्वतमालाओं से घिरा हुआ क्षेत्र है, जो नदियों, तालाबों और प्राकृतिक सौंदर्य से भरा हुआ है। इसे वागड़ क्षेत्र कहा जाता है और प्राचीन काल से ही यह धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। खास बात है कि बांसवाड़ा को मिनी काशी भी कहा जाता है। यहां कई प्राचीन मंदिर हैं, जो अपनी शिल्पकला, वास्तुकला और भव्यता के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। पुराणों में इस क्षेत्र को पवित्र भूमि माना गया है। विभिन्न प्राचीन ग्रंथों में इसका उल्लेख मिलता है।

स्कंदपुराण में इसे गुप्त प्रदेश कहा गया है। राजा भोज के शिलालेखों में स्थली मंडल और पुराणों में कुमारिका खंड और वागुरी क्षेत्र कहा गया। इस क्षेत्र से बहने वाली माही नदी को पुराणों में कलियुगी माही गंगा कहा गया है। संतों और ऋषियों ने यहां तीन नदियों के संगम की महिमा बताई है और माही नदी में स्नान को बहुत पवित्र माना है।

माता का हर दिन श्रृंगार होता है और दिन के हिसाब से उसी रंग के वस्त्र और फूल भी चढ़ाए जाते हैं। गुप्त नवरात्रि, नवरात्रि के साथ ही सामान्य दिनों में भी बड़ी संख्या में भक्त दर्शन करने और माता का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए यहां आते हैं। मान्यता है कि शक्ति के दर्शन करने से तंत्र-मंत्र साधना, आध्यात्मिक उन्नति और मनोकामनाओं की पूर्ति शीघ्र होती है।

कलावा पहनने और उतारने का क्या है नियम जन्म और मृत्यु के समय न करें ये भूल

हिंदू धर्म में कलावा का बहुत अधिक महत्व है। इसे पूजा-पाठ, हवन, विवाह या किसी भी तरह के धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान कलाई पर बांधा जाता है। इसे बेहद ही पवित्र और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। आम तौर पर इसे मौली या रक्षा सूत्र भी कहा जाता है। मान्यता है कि इसे हाथ पर बांधने से बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा होती है। वहीं, इसको हाथ में बांधने से लेकर सहीं तरह से उतारने तक कई नियमों का पालन करना होता है। ऐसा न करने पर इसका प्रभाव कम हो जाता है।

कलावा किस हाथ में बांधना चाहिए?

व्यक्ति के अनुसार कलावा को बाएं या दाएं हाथ पर बांधा जाता है। कलावा पुरुष और अविवाहित लड़कियों के हाथ की दाहिनी कलाई पर और महिला के हाथ की बाईं कलाई पर बांधा जाता है। पूजा के समय मंत्रों के साथ कलावा बांधना अधिक शुभ माना जाता है।

कलावा कितने समय तक पहनना चाहिए?

मान्यताओं के अनुसार, कलावा जब तक खुद ही न खुल जाए या टूट न जाए तब तक बांधा जा सकता है। हालांकि, कई जगहों पर इसे 7, 11 या 21 दिनों तक बांधकर रखने की परंपरा भी है। यदि कलावा बहुत अधिक गंदा हो जाए और उसका रंग फीका पड़ जाएं तो उसे उतार देना ही उचित माना गया है।

कलावा बांधने का नियम?

कलावा बंधवाते समय हाथ में दक्षिणा लेकर मुट्ठी बंद कर लें और दूसरे हाथ को सिर पर रख लें। कलावा बंध जाने के बाद दक्षिणा को कलावा बांधने वाले व्यक्ति को दे दें। कलावा को हाथ पर 3, 5, 7 या 9 बार लपेटना शुभ माना जाता है। इसे बांधते समय येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वाम् अभिबध्नामि रक्षे मा चल मा चल।। मंत्र का जाप करना चाहिए।

कलावा कब उतारना चाहिए?

कलावा उतारने के लिए शुभ समय का ध्यान रखना जरूरी होता है। मंगलवार या शनिवार के दिन सुबह स्नान के बाद इसे उतारना बेहतर माना जाता है। अमावस्या, ग्रहण या अशुभ समय में कलावा नहीं उतारना चाहिए। मान्यता के अनुसार, किसी के जन्म या मृत्यु के बाद कलावा को उतार देना चाहिए।

कलावा उतारने के बाद क्या करें

कलावा उतारने के बाद उसे इधर-उधर न फेंके। इसे अशुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कलावा उतारने के बाद किसी पवित्र स्थान पर रखना चाहिए। इसे बहते जल में प्रवाहित कर दें या मिट्टी में दबा दें। कुछ लोग कलावा को पेड़ की जल के पास भी रख देते हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

भाजपा का 'नबीन' दौर

नितिन नबीन भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में बड़े समारोह के साथ उन्होंने अपने कार्यकाल की शुरुआत की है। नबीन के पक्ष में केंद्रीय मंत्रियों, प्रदेश अध्यक्षों और संसदीय बोर्ड ने कुल 37 नामांकन प्रस्ताव दिए थे, विरोध में कोई भी नामांकन नहीं था, लिहाजा भाजपा अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए हैं। यह भाजपा की स्थापित परंपरा है कि शीर्ष नेतृत्व एक नाम तय करता है और समूचा संगठन उस पर स्वीकृति की मुहर लगा देता है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाते हुए कभी कोई विरोध, चुनाव की चुनौती सामने नहीं आई, लिहाजा पार्टी में अब 'नबीन दौर' शुरू हो गया है। इसे स्वीकार करना चाहिए। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष 45 वर्षीय, सबसे युवा नेता हैं। उनसे पहले अमित शाह 49 वर्ष और नितिन गडकरी 52 वर्ष के थे, जब वे भाजपा अध्यक्ष बने। पार्टी के भीतर से यह खबर भी आ गई है कि भाजपा संगठन में अब 70 फीसदी पद 60 साल की उम्र से कम वाले चेहरों को दिए जाएंगे। साफ है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी और पदाधिकारियों के स्तर पर व्यापक बदलाव किए जा सकते हैं।

नबीन के पक्ष में केंद्रीय मंत्रियों, प्रदेश अध्यक्षों और संसदीय बोर्ड ने कुल 37 नामांकन प्रस्ताव दिए थे, विरोध में कोई भी नामांकन नहीं था, लिहाजा भाजपा अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए हैं। यह भाजपा की स्थापित परंपरा है कि शीर्ष नेतृत्व एक नाम तय करता है और समूचा संगठन उस पर स्वीकृति की मुहर लगा देता है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाते हुए कभी कोई विरोध, चुनाव की चुनौती सामने नहीं आई, लिहाजा पार्टी में अब 'नबीन दौर' शुरू हो गया है। इसे स्वीकार करना चाहिए। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष 45 वर्षीय, सबसे युवा नेता हैं। उनसे पहले अमित शाह 49 वर्ष और नितिन गडकरी 52 वर्ष के थे, जब वे भाजपा अध्यक्ष बने। पार्टी के भीतर से यह खबर भी आ गई है कि भाजपा संगठन में अब 70 फीसदी पद 60 साल की उम्र से कम वाले चेहरों को दिए जाएंगे। साफ है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी और पदाधिकारियों के स्तर पर व्यापक बदलाव किए जा सकते हैं। भाजपा ने नितिन नबीन के दौर के साथ ही यह प्रचारित करना शुरू कर दिया है कि देश की 65 फीसदी आबादी युवा है और भाजपा 'जेन जी' की पहली पसंद वाली पार्टी है। पार्टी के प्रथम सरोकार, लक्ष्य, प्राथमिकताएं, कार्यक्रम आदि भी 'जेन जी' केंद्रित होंगे। इस सोच और रणनीति के पीछे जनादेश के आंकड़ों का भी योगदान है। 2024 के लोकसभा चुनाव में 39 फीसदी से अधिक युवाओं ने भाजपा-एनडीए के पक्ष में वोट दिए। राज्य स्तरीय चुनावों में समर्थन का यह आंकड़ा 45-47 फीसदी तक भी पहुंचा है।

भाजपा ने नितिन नबीन के दौर के साथ ही यह प्रचारित करना शुरू कर दिया है कि देश की 65 फीसदी आबादी युवा है और भाजपा 'जेन जी' की पहली पसंद वाली पार्टी है। पार्टी के प्रथम सरोकार, लक्ष्य, प्राथमिकताएं, कार्यक्रम आदि भी 'जेन जी' केंद्रित होंगे। इस सोच और रणनीति के पीछे जनादेश के आंकड़ों का भी योगदान है। 2024 के लोकसभा चुनाव में 39 फीसदी से अधिक युवाओं ने भाजपा-एनडीए के पक्ष में वोट दिए। राज्य स्तरीय चुनावों में समर्थन का यह आंकड़ा 45-47 फीसदी तक भी पहुंचा है। लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी ने, गृहमंत्री अमित शाह की सलाह से, भाजपा अध्यक्ष के लिए एक निर्विरोध, निर्विवाद और संगठन के अनुभवी युवा चेहरे को चुना है। यह नाम जब सामने आया था, तो प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर देश को हैरान कर दिया था। बहरहाल भाजपा की स्थापना 6 अप्रैल, 1980 को की गई और अटलबिहारी वाजपेयी को प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। भाजपा की पृष्ठभूमि 'भारतीय जनसंघ' में निहित रही है, जिसकी स्थापना 21 अक्तूबर, 1951 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने, बलराज मधोक और दीनदयाल उपाध्याय सरीखे साथियों के संग, एक स्कूल के प्रांगण में की थी। आपातकाल के बाद 'जनता पार्टी' के राजनीतिक संगठन का उदय हुआ, तब जनसंघ समेत कई विपक्षी दलों ने अपना निजी अस्तित्व समाप्त कर 'जनता पार्टी' में विलय किया था। नतीजतन 1977 का शानदार, प्रचंड जनादेश विपक्ष को हासिल हुआ, लेकिन 1979 में जनता पार्टी के विघटन के बाद जनसंघ वाले गुट ने भाजपा का गठन किया। राजनीति में 45 साल का सफर कोई लंबा नहीं माना जाता, लेकिन आज भाजपा 17 करोड़ से अधिक सदस्यों और काडर वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। यह आश्चर्यजनक विस्तार और स्वीकृति है। भाजपा के प्रथम प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी थे, जिन्होंने 6 साल तक भारत सरकार का नेतृत्व किया। 26 मई, 2014 से नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। वह लगातार तीन बार प्रधानमंत्री चुने गए हैं। देश के 21 राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। करीब 68 फीसदी देश पर उनका शासन है। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के 1654 विधायक हैं और एनडीए विधायकों की संख्या 2300 से अधिक है। भाजपा का लक्ष्य है कि आगामी दो साल में उसके अपने विधायकों की संख्या 1800 को छू सकती है। इतना जनादेश क्या पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल के विधानसभा चुनावों से मिल सकता है? हमें तो यह भी आश्चर्य नहीं लगता। आज भाजपा आंध्रप्रदेश में तेलुगूदेशम पार्टी के साथ सत्ता में है। कमोबेश जनता का शुरुआती जनादेश तो मिला। विस्तार बाद में किया जा सकता है। आज भाजपा, जनसंघ की तरह, बनियों, ब्राह्मणों, व्यापारियों की पार्टी ही नहीं है। अब ओबीसी, दलित, आदिवासी और 7-8 फीसदी मुसलमान भी भाजपा के साथ हैं, लिहाजा पार्टी का ऐसा विस्तार हुआ है। इसके बावजूद भाजपा आज भी दक्षिणपंथी, हिंदूवादी, मंदिरवादी पार्टी है, लिहाजा वह मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति का घोर विरोध करती है। उससे राजनीतिक ध्रुवीकरण होता है और पार्टी को चुनावी फायदा होता है। पार्टी ने ऐसी राजनीति भी की है, जो देशहित में नहीं रही, लेकिन भाजपा फायदे में रही है।

कुछ अलग

डाक नहीं आई

भारतीय लोकतंत्र में डाक व्यवस्था का उसी तरह महत्वपूर्ण स्थान है जिस प्रकार रेलवे का। डाक रुक जाए तो समाज की धडक़न रुक जाती है, रेलगाड़ी ठहर जाए तो कहर बरप जाता है। अन्य कई और सुविधाओं की तरह ये दोनों व्यवस्थाएं वस्तुतः जन कल्याण के अंतर्गत आती हैं और इसीलिए इनमें कुछ छूट भी दी जाती रही है। रेलवे में जैसे सीनियर सिटिजंस को टिकिट में 30 प्रतिशत की छूट थी। डाक में भी ज्ञान के प्रसार के लिए अनेक प्रकार की छूट रहती थी, जैसे रजिस्टर्ड बुक पोस्ट, साधारण बुक पोस्ट की, जो अब बंद कर दी गई है। शायद डाक विभाग को भी व्यावसायिक बनाने का प्रयत्न किया जा रहा है। कुछ क्षेत्र ऐसे होते हैं जिन्हें छूट मिलनी ही चाहिए, लेकिन लगता है कि डाक विभाग भी कारपोरेट सेक्टर की भांति घड़ाधड़ धन कमाने की होड़ में लग गया लगता है, जबकि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से तो उम्मीद थी कि महाराज जी उदारचेता होंगे और डाक विभाग को जन कल्याण से संपुष्ट रखेंगे, लेकिन खरबूजे को खरबूजा देख कर रंग पकड़ता है। और डाक विभाग ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। एक रात मेरे गांव राजपुर का पोस्ट आफिस गायब हो गया।

ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीतिः ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

ललित गर्ग

शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो।

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की

राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो।

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है। उनकी बयानबाजी में नफरत और विभाजन की छाया साफ दिखती है। आप्रवासन, नस्ल, धर्म और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उनकी भाषा ने वैश्विक स्तर पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया। जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश इस तरह का संदेश देता है, तो उसका असर सीमाओं से परे जाता है। युद्ध केवल गोलियों और मिसाइलों से नहीं लड़ा जाता, वह विचारों और शब्दों से भी लड़ा जाता हैकृऔर ट्रंप के शब्द अक्सर आग में घी डालने का काम करते रहे हैं।

आज दुनिया जिन संकटों से जूझ रही है-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक, एशिया से अफ्रीका तक, उनमें कहीं-न-कहीं महाशक्तियों की स्वार्थपूर्ण नीतियों की छाया है। ट्रंप का दौर इस प्रवृत्ति को और उग्र बनाता दिखाई दिया, जहां वैश्विक सहयोग के बजाय 'मैं पहले' की मानसिकता हावी रही। शांति के नाम पर दबाव, सौदेबाजी और धमकी-यह त्रयी मानवता के लिए घातक है। जो नेता स्वयं को शांति का प्रतीक बताता है, उससे अपेक्षा होती है कि वह पुल बनाए, दीवारें नहीं; संवाद बढ़ाए, युद्ध नहीं; भरोसा पैदा करे, भय नहीं। इस तरह प्रश्न यही है कि क्या शांति पुरस्कार की आकांक्षा मात्र से कोई शांति-दूत बन सकता है? यदि जवाबदेही, सहमति और मानवीय मूल्यों के बिना शांति थोपने की कोशिश की जाए, तो वह शांति नहीं, एक नया संघर्ष जन्म देती है। ट्रंप की कार्यशैली इसी सच्चाई की गवाही देती है। आज जब मानवता युद्धों में अपने जीवन को खो रही है, तब शांति का ढोंग और भी क्रूर प्रतीत होता है। दुनिया को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि करुणा, न्याय और बहुपक्षीय सहयोग से शांति की राह प्रशस्त करे। अन्यथा शांति मसीहा होने का यह नाटक इतिहास में एक विफल और खतरनाक प्रयोग के रूप में ही दर्ज होगा।

देश दुनिया से

वेनेजुएला पर अमरीकी नियंत्रण के निहितार्थ

भिन्न भिन्न मानव प्रजातियों द्वारा अनेक गत कालखंडों से कब्जाए गए देशों के सार्वजनिक जीवन का चालन-परिचालन व संचालन अब इस समय भी तत्समय की मानव प्रजातियों द्वारा स्थापित दृष्टिकोण के साथ ही होता है। भारत इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इस देश पर अंतिम कब्जाधारी थे अंग्रेज। ये ब्रिटेन अर्थात इंग्लैंड से आए थे। इनके कब्जे के आरंभिक दिनों से लेकर अब तक भी यह देश इनके द्वारा निर्धारित जीवन पद्धतियों से मुक्त नहीं हो पाया है। इन्होंने इस देश के वासियों को जीवन को देखने का जो दृष्टिकोण थमाया, वो अब भी यथावत है। जो अंग्रेजी भाषा सिखाई वो अब भी अग्रणी भाषा है। राजनीति, अर्थनीति, समाजनीति, संचारनीति, परिवारनीति तथा समग्र जीवननीति किंचित वही है, जो अंग्रेज सिखा गए। समग्र नीतियां किसी न किसी स्तर पर वही हैं, जो इस देश को लूटने आए लुटेरे यहां के लोगों को सिखा-पढ़ा गए। इसी का दुष्परिणाम रहा, जो यहां के लोग कल्पना में हिंदू जीवन दर्शन तथा व्यवहार में तरह-बेतरह का आयातित अभारतीय जीवन दर्शन जीते रहे। इसी कारणवश यहां हर विचार, भाव, आचार, व्यवहार तथा सरोकार विरोधाभासों से भर गया। इस स्थिति में अभी भी परिवर्तन नहीं आया है। हमारे देश में आजकल इसी कोण से वेनेजुएला की घटना पर सामाजिक, जनसंचारिक तथा व्यक्तिगत मंथन हो रहा है। अमेरिका का तिरस्कार हो रहा है, किंतु अमेरिका का वीजा प्राप्त करने तथा वहां बसने की महत्त्वाकांक्षाओं का त्याग नहीं हो रहा। ट्रंप को दोषारोपी के नए-नए विशेषणों से संबोधित किया जा रहा है, किंतु उसकी दृष्टि में अच्छा होने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। देश हो अथवा विदेश वास्तव में कौन किसके पक्ष में या विपक्ष में है, ज्ञात ही नहीं हो पाता। हर घटना के मूल में स्थापित समस्या तक किसी की भी दृष्टि नहीं पहुंच पाती। वेनेजुएला के राष्ट्रपति के बलात अपहरण की घटना, अपहरणकर्ता अमेरिकी राष्ट्रपति को साधारण विचारदृष्टि में अपराधी समझती है, किंतु अमेरिका में बढ़ती जोंबियों की संख्या को ध्यान में रख वेनेजुएला-प्रकरण पर विचार होगा, तो अमेरिका व ट्रंप दोनों उचित प्रतीत होंगे। जैसे भारत में मादक पदार्थों एवं चिट्टे के प्रसार से युवापीढ़ी का जीवन विनाश की ओर अग्रसर है, किंचित उसी भांति वेनेजुएला से अमेरिका पहुंचने व पहुंचाए जाने वाले मादक पदार्थों द्वारा अधिसंख्य अमेरिकी युवा जोंबी बन स्वयं का जीवन नष्ट कर रहे हैं। प्रायः देखा जाता है कि युवक अति मदिर चेतनशून्य हो परित्यक्त अमेरिकी गलियों में जैसे-तैसे पड़े रहते हैं। वे दिनों-महीनों तक ऐसे यूं ही पड़े होते हैं। उन्हें मादक पदार्थों से दूर करने के लिए अनेक प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उनके लिए मादकता मुक्ति केंद्र बनाए जा रहे हैं। उनके पुनर्वास की योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। मादकता से मुक्ति हेतु संचालित इन सभी अमेरिकी व्यवस्थाओं पर विशाल धनराशि व्यय की जा रही है। इतना होने-करने के उपरांत भी अमेरिका मादक पदार्थों के दंश से ग्रस्त है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो तथा उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को अमेरिकी डेल्टा फोर्स के सैनिकों ने 3 जनवरी 2026 को प्रातःकाल में यूं ही बंदी नहीं बनाया। अमेरिका ने निकोलस मादुरौ को पकडऩे से पहले कई बार कठोर कार्रवाइयां कीं तथा चेतावनियां दी थीं। मार्च 2020 में अमेरिका ने आधिकारिक रूप में मादुरो पर 'नार्को-टेररिज्म' अर्थात मादक पदार्थ जनित आतंकवाद के आरोप लगाए थे। इसके लिए उन पर 15 मिलियन डॉलर का पुरस्कार रखा गया था, जिसे 2025 में 50 मिलियन कर दिया गया। अगस्त 2025 में ट्रंप प्रशासन ने एक गुप्त निर्देश देते हुए चेतावनी दी थी कि कार्टेल्स के विरुद्ध सैन्य शक्ति का उपयोग किया जाए। इसके बाद सितंबर 2025 में वेनेजुएला के तट के पास तस्करी में उपयोग की जाती रहीं नावों पर अमेरिका ने हमले किए। इस प्रकार कई वर्षों के राजनयिक एवं आर्थिक प्रतिबंधों, जो संशोधनों के साथ 2017 से लगाए जा रहे थे, के बाद अंततः जनवरी 2026 के आरंभ में ही अमेरिकी विशेष बलों ने एक गुप्त अभियान के माध्यम से मादुरो को अभिरक्षा में लेकर न्यूयार्क के संघीय न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां वे मादक पदार्थ जनित आतंकवाद एवं हथियारों के अवैध व्यापार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। न्यायालय में प्रस्तुत आरोप-पत्र में स्पष्ट है कि मार्च 2020 में अमेरिकी अनुमानों के अनुसार वेनेजुएला के माध्यम से वर्षभर में 200 से 250 मीट्रिक टन कोकीन की तस्करी की जाती थी। वर्ष 2024 में अमेरिका भेजी गई 24 प्रतिशत कोकीन के माध्यम से वेनेजुएला ने 8.2 बिलियन डॉलर की कुल आय अर्जित की। सीएनएन की 2019 की एक रिपोर्ट में स्पष्ट था कि वेनेजुएला से भेजी गई 240 टन कोकीन का मूल्य अमेरिका में लगभग 40 बिलियन डॉलर है। इन मादक पदार्थों के सेवन से प्रतिवर्ष हजारों-लाखों अमेरिकी युवा जोंबीज बन चुके हैं। ट्रंप से पहले के शासकों ने युवा पीढ़ी के जोंबी बनने के विषय को सामाजिक विषय भले बनाया तथा जोंबी के जीवन की भयावहता को देख कई फिल्में भी अमेरिका में बनीं, किंतु युवाओं को जोंबीज बनने के मूल तंत्र पर प्रहार करने का साहस पहले किसी ने नहीं दिखाया। इससे आहत ट्रंप ने 'मेजर ड्रग ट्रांजिट एंड इसिलिट ड्रग प्रोड्यूसिंग कंट्रीज' अर्थात प्रमुख मादक पदार्थ या अवैध मादक पदार्थ उत्पादक देश की सूची बनाई, जो संयुक्त राष्ट्र की यूएनओडीसी पर 'वल्र्ड ड्रग रिपोर्ट 2025' से लगभग मिलान करती थी। इसके अनुसार दुनिया के सर्वाधिक संकटजनित मादक पदार्थ तस्कर एवं उत्पादक देशों में अफगानिस्तान, म्यांमार, कोलंबिया, पेरू एवं बोलीविया हैं। और तस्करी के पदार्थों को लाने-ले जाने वाले प्रमुख देशों में मेक्सिको, भारत, चीन, पाकिस्तान व इक्वाडोर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सितंबर 2025 में निर्गत 2026 वित्तीय वर्ष की सूची में कुल 23 देशों को प्रमुख मादक पदार्थ आवागमन या उत्पादक केंद्र के रूप में चिन्हित किया गया। इनमें मध्य अमेरिका और कैरिबियन क्षेत्र के देशों में से बहामास, बेलीज, कोस्टा रिका, डोमिनिक रिपब्लिक, अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, हैती, होंडुरास, जमैका, निकारागुआ व पनामा तस्करी के केंद्र हैं। दक्षिण अमेरिका में वेनेजुएला व इक्वाडोर तथा एशिया में लाओस व थाईलैंड जैसे देश तस्करी में लिप्त हैं। जहां तक वेनेजुएला के प्राकृतिक तेल संसाधनों पर अमेरिकी गिद्ध दृष्टि का प्रश्न है, तो यह भी एक सत्य है, किंतु यदि मादुरो ने अमेरिका तक जाने वाले मादक पदार्थों पर प्रतिबंध हेतु कुछ गंभीर प्रयास किए होते तथा अमेरिकी सलाह पर मादक पदार्थों के अंतरराष्ट्रीय तस्करों को दंडित करने की दिशा में कार्य किए होते, तो निश्चित था कि उनका पत्नी सहित अपहरण नहीं होता तथा उनके तेल संसाधन भी उनके नियंत्रण में होते। इस दिशा में वैश्विक मीडिया की रुचि नहीं है। वह अमेरिकन जोंबीज पर बनने वाली फिल्मों की तो खूब सुंदर समीक्षा प्रस्तुत करता है तथा जोंबीज के नरक बनते जीवन पर भी चिंताभाव प्रकट करता है, किंतु युवाओं को जोंबीज बनने पे विवश करने वाले मादक पदार्थों के कारोबारियों-तस्करों पर अमेरिकी कार्रवाई की सराहना नहीं करता।

दृष्टि कोण

मोटापे की ओर बढ़ता भारत

हाल ही में एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अखबार का पन्ना पलटते समय एक समाचार की हेडलाइन पर नजर ठहर गई। पहली दृष्टि में यह खबर साधारण-सी प्रतीत हुई, किंतु जब पूरे विवरण को पढ़ा तो विषय की गंभीरता और उसके दूरगामी परिणामों ने गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया। यह समाचार हिमाचल प्रदेश के एक प्रशिक्षण संस्थान से जुड़ा था, जहां महिलाओं को स्वरोजगार से जोडऩे के उद्देश्य से फास्ट फूड निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना निस्संदेह एक सराहनीय प्रयास है, परंतु जिस माध्यम को इसके लिए चुना गया है, वह अपने आप में कई मूलभूत प्रश्न खड़े करता है। आज पूरी दुनिया में फास्ट फूड और अत्यधिक चीनी, नमक व वसा युक्त खाद्य पदार्थों को स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे के रूप में देखा जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन बार-बार चेतावनी दे चुका है कि असंतुलित आहार और बिगड़ती जीवनशैली आने वाले समय में गैर-संचारी रोगों को एक महामारी का रूप दे सकती है। ऐसे में यह विचार करना आवश्यक हो जाता है कि क्या आजीविका सृजन के नाम पर ऐसे खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देना उचित है, जिनका सीधा प्रभाव समाज के स्वास्थ्य पर नकारात्मक रूप से पड़ता है। यदि वैश्विक परिदृश्य पर नजर डालें तो कई देश इस खतरे को समय रहते समझ चुके हैं। ब्रिटेन ने हाल ही में 5 जनवरी 2026 को जंक फूड के ऑनलाइन विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इतना ही नहीं, स्कूलों के आसपास जंक फूड की बिक्री पर भी सख्त रोक लागू की गई है। इन निर्णयों के पीछे कारण भी अत्यंत गंभीर हैं। इंग्लैंड में जब बच्चे पहली बार स्कूल में प्रवेश करते हैं, उसी समय 22.1 प्रतिशत बच्चे मोटापे से ग्रस्त पाए जाते हैं। स्कूल छोड़ते-छोड़ते यह आंकड़ा बढक़र 35.1 प्रतिशत तक पहुंच जाता है, अर्थात हर तीसरा बच्चा मोटापे का शिकार है। यह स्थिति केवल शारीरिक बनावट का प्रश्न नहीं है, बल्कि भविष्य में उभरने वाली अनेक बीमारियों की भूमिका तैयार कर रही है। भारत में स्थिति अभी उतनी भयावह नहीं

दिखती, किंतु आंकड़े स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि हम भी उसी दिशा में बढ़ रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2005-06 में भारत में केवल 1.5 प्रतिशत बच्चे मोटापे से पीड़ित थे, जबकि 2019-21 तक यह आंकड़ा बढक़र 3.4 प्रतिशत हो गया। मात्र पंद्रह वर्षों में बच्चों में मोटापे का दोगुना होना किसी भी रूप में सामान्य नहीं कहा जा सकता। भारत जैसे देश में, जहां एक ओर कुपोषण और अल्पपोषण आज भी बड़ी समस्या है, वहीं दूसरी ओर मोटापे का तेजी से बढऩा यह दर्शाता है कि हमारा खानपान किस तरह असंतुलित होता जा रहा है। बच्चों में बढ़ता मोटापा भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चिकित्सकीय शोध यह स्पष्ट करते हैं कि मोटे बच्चों में आगे चलकर टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मानसिक तनाव, अवसाद तथा कम से कम तेरह प्रकार के कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसका प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ बढ़ता है, कार्यक्षमता घटती है और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित होती है। एक स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव रख सकता है। आज जब हम आधुनिक पोषण विज्ञान की बात करते हैं, तो यह भूल जाते हैं कि हमारे पारंपरिक आहार में पहले से ही संतुलन और पोषण का अद्भुत ज्ञान समाहित था। मुझे आज भी बचपन के वे दिन याद हैं, जब घरों में कद्दू के बीज भूनकर बच्चों को खिलाए जाते थे। तब शायद हमें इनके पोषण मूल्य का वैज्ञानिक ज्ञान नहीं था, लेकिन परंपरा और अनुभव ने इन्हें पीढियों तक जीवित रखा।

आप का नज़रिया

मददवीर अग्निवीर

सेना में अग्निवीर योजना के क्रियान्वयन के वक्त इनकी अल्पकालिक सेवा और सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। लेकिन अब धीरे-धीरे कई आशंकाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। प्रशिक्षित अग्निवीरों के लिये नये-नये अवसर बन रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने राज्य में गठित होने जा रही डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। यह सुखद ही है कि अग्निपथ योजना के पहले बैच के सेवा काल की समाप्ति से पहले हरियाणा सरकार ने उनके समायोजन की पहल की है, जिसका अनुकरण देश के अन्य राज्यों को भी करना चाहिए। जिससे इस कुशल-प्रशिक्षित युवा शक्ति की ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल की पहल हो सके। दरअसल, हरियाणा में स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को वरीयता देने की बात कही गई है। निश्चय ही इस कदम से जहां अग्निवीरों की नई पीढ़ी सामने आएगी, वहीं राज्य को इनके कुशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह भी हकीकत है कि बदलते वक्त के साथ आपदाओं की पुनरावृत्ति व घातकता बढ़ रही है, उससे जूझने के लिये भी अनुभवी व प्रशिक्षित बल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। जो एक स्थायी, पेशेवर और पूर्णकालिक बल के जरिये ही संभव हो सकता है। दरअसल, हरियाणा में सरकार ने भरोसा दिलाया है कि राज्य में गठित होने वाली एसडीआरएफ बटालियन में अधिकतम संख्या अग्निवीरों की ही होगी। विश्वास किया जा रहा है कि अग्निवीरों वाली एसडीआरएफ प्राकृतिक आपदाओं मसलन बाढ़, भूकंप, औद्योगिक दुर्घटनाओं, अग्निकांडों व रासायनिक आपदाओं की चुनौती का सफलता से मुकाबला कर सकेगी। माना जा रहा है कि अग्निवीरों को मिला कठोर प्रशिक्षण आपातकालीन स्थितियों से मुकाबले में मददगार साबित होगा। दरअसल, ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों में तीव्र गति से कार्रवाई करते नागरिकों के जीवन की रक्षा करने की प्राथमिकता होती है। जो प्रशिक्षित और अनुभवी टीम के द्वारा ही संभव हो सकता है। कहा जा रहा है कि राज्य की सभी डिविजनों में क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में नोएडा में धुंध के चलते हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवा इंजीनियर की मौत हुई। बेटे को मौत के मुंह में समाते देख असहाय पिता ने पुलिस से मदद मांगी। लेकिन मदद के लिये पहुंची टीम के पास इस चुनौती का मुकाबला करने के लिये जरूरी उपकरण व अनुभव नहीं था। ऐसे में युवा इंजीनियर ने पिता के सामने ही डूबकर दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद तमाम लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद आपदा राहत बल को प्रशिक्षित करने और जीवन रक्षा के तमाम उपकरण उपलब्ध कराने की जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे में हरियाणा में एसडीआरएफ बटालियन के गठन और उसमें प्रशिक्षित व अनुभवी अग्निवीरों की तैनाती की घोषणा के बाद उम्मीद जगी है कि हरियाणा की सुरक्षा कुशल हाथों में रहेगी। तब प्राकृतिक, औद्योगिक व आगजनी आदि की घटनाओं में जन-क्षति को कम करने में मदद मिल सकेगी। हालांकि, अब तक हरियाणा में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आईआरबी की बटालियन पहले ही नोडल डिजास्टर रिस्पॉन्स एजेंसी के रूप में सक्रिय रही है। इसके अंतर्गत सैकड़ों कर्मचारियों को आपदाओं से निबटने के लिये प्रशिक्षण दिया जा चुका है। लेकिन आपदाओं व दुर्घटनाओं की घातकता के मद्देनजर स्पेशल व स्थायी बल की आवश्यकता लगातार महसूस की जाती रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अनुभवी नेतृत्व में प्रशिक्षित टीम व आधुनिक जीवन रक्षा उपकरण उपलब्ध कराये जाने से एसडीआरएफ तमाम चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकेगी। निश्चित रूप से अग्निवीरों की सेना में कुशल ट्रेनिंग, अनुशासन के साथ चुनौतियों का मुकाबला करने का प्रशिक्षण व फील्ड में हासिल अनुभव स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स को प्रभावी बनाएगा। जिसके आधार पर ही सरकार ने उन्हें एसडीआरएफ बटालियन में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। निश्चित तौर पर इससे राज्य में आपदा में तुरंत प्रतिक्रिया क्षमता को संबल मिलेगा। साथ ही अग्निवीरों को अपनी क्षमता प्रदर्शन का नया मंच मिलने से, युवा सेना की अग्निवीर योजना को कैरियर के विकल्प के रूप में चुन सकेंगे।

सुखद ही है कि अग्निपथ योजना के पहले बैच के सेवा काल की समाप्ति से पहले हरियाणा सरकार ने उनके समायोजन की पहल की है, जिसका अनुकरण देश के अन्य राज्यों को भी करना चाहिए। जिससे इस कुशल-प्रशिक्षित युवा शक्ति की ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल की पहल हो सके। दरअसल, हरियाणा में स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को वरीयता देने की बात कही गई है। निश्चय ही इस कदम से जहां अग्निवीरों की नई पीढ़ी सामने आएगी, वहीं राज्य को इनके कुशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह भी हकीकत है कि बदलते वक्त के साथ आपदाओं की पुनरावृत्ति व घातकता बढ़ रही है, उससे जूझने के लिये भी अनुभवी व प्रशिक्षित बल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। जो एक स्थायी, पेशेवर और पूर्णकालिक बल के जरिये ही संभव हो सकता है। दरअसल, हरियाणा में सरकार ने भरोसा दिलाया है कि राज्य में गठित होने वाली एसडीआरएफ बटालियन में अधिकतम संख्या अग्निवीरों की ही होगी।

मास्को की सड़कों पर पोर्श और बीएमडब्ल्यू कारें खुद हो रहीं लाक

कारण पुतिन का खुफिया हथियार या प्रतिबंधों का दिख रहा असर

वैंकूवर ,21 अप्रैल (एजेंसियां)।

रूस की राजधानी मास्को समेत कई बड़े शहरों में जर्मनी में बनी लग्जरी कारों के मालिक इन दिनों दहशत में हैं। पोर्श और बीएमडब्ल्यू की सैकड़ों कारें अचानक स्टार्ट होने से इनकार कर रही हैं, कुछ मामलों में इंजन चलते-चलते बंद हो जा रहा है, तो कहीं गाड़ियां पूरी तरह लाक हो गई हैं। सोशल मीडिया और आटोमोबाइल फोरम्स पर लोग सवाल पूछ रहे हैं, क्या यह रूस की इलेक्ट्रानिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) तकनीक का साइड इफेक्ट है या फिर पश्चिमी प्रतिबंधों का नतीजा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2013-2019 से दिसंबर 2025 के पोर्श माडल्स प्रभावित होने लगे, जबकि जनवरी 2026 से बीएमडब्ल्यू की कनेक्टेडड्राइव टेक्नोलाजी वाली कई सीरीज—1 से 7 सीरीज, एक्स1 से एक्स6, जेड4, आई3, आई8 और एम-सीरीज—में भी यही समस्या सामने आई। ये सभी कारें व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस) या टेलीमैटिक्स कंट्रोल यूनिट (टीसीयू) जैसी कनेक्टेड टेक्नोलाजी पर निर्भर हैं, जो जीपीएस और मोबाइल नेटवर्क के जरिए काम करती हैं।

कार मालिकों का दावा है कि बिना किसी चेतावनी के गाड़ियां चोरी मोड में चली जाती हैं और इंजन ब्लाक हो जाता है। मास्को, क्रास्नोडार और अन्य शहरों में कई कारें गैरेज और पार्किंग में फंसी पड़ी हैं। रूसी डीलरशिप्स का कहना है कि समस्या बड़े पैमाने पर है और सभी प्रभावित माडलों में एक जैसी तकनीकी गड़बड़ी दिख रही है। कुछ रूसी आटो एक्सपर्ट्स ने आशंका जताई है कि यूक्रेन युद्ध के चलते सक्रिय रूस की इलेक्ट्रानिक वारफेयर सिस्टम्स—जो जीपीएस और सेलुलर सिग्नल जैम करने में सक्षम हैं, इन कारों की फ्रीक्वेंसी में दखल दे रही हैं। अगर जीपीएस या मोबाइल नेटवर्क सिग्नल अचानक गायब हो जाए, तो वीटीएस या टीएसयू इसे चोरी की कोशिश मानकर इंजन को बंद कर सकता है। तकनीकी रूप से यह संभव माना जाता है, क्योंकि आधुनिक कारें 2जी से 5जी और जीपीएस फ्रीक्वेंसी पर लगातार सर्वर से जुड़ी रहती हैं।

हालांकि, कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स इस दावे को संदिग्ध मानती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मास्को जैसे बड़े शहर में बड़े पैमाने पर ईडब्ल्यू जैमिंग करने से विमानन, मोबाइल नेटवर्क और आम नागरिकों की सेवाएं भी प्रभावित होतीं, जो फिलहाल देखने में नहीं आ रहा।ज्यादा संभावना इस बात की है कि 2022 के बाद लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते पोर्श और बीएमडब्ल्यू ने रूस में अपने सर्वर सपोर्ट या सिक्योरिटी नेटवर्क सीमित कर दिए हों। इन कारों के वीटीएस/टीसीयू सर्वर यूरोप में स्थित हैं और कनेक्शन टूटने से सिस्टम खुद-ब-खुद लाक हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में 2.5 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के इंस्टीट्यूट आफ सोशल एंड पालिसी साइंसेज की ताजा रिपोर्ट ने संघीय सरकार की शिक्षा आपात नीति की पोल खो दी है।रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 2.5 करोड़ (25 मिलियन) बच्चे अभी भी स्कूल से बाहर हैं।देश में शिक्षा पर कुल खर्च 50 करोड़ (500 बिलियन रुपये) तक पहुंच गया है। इस खर्च का बड़ा हिस्सा अब सरकार के बजाय आम पाकिस्तानी परिवार उठा रहे हैं। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इंस्टीट्यूट आफ सोशल एंड पालिसी साइंसेज ने कहा कि देश के इतिहास में यह पहली बार है कि शिक्षा पर परिवारों का खर्च सरकार के शिक्षा बजट से ज्यादा हो गया है। रिपोर्ट के 15वें संस्करण के अनुसार, 25 मिलियन से ज्यादा बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। आंकड़े बताते हैं कि जनता शिक्षा पर 280 अरब रुपये खर्च कर रही है, जबकि सरकारी निवेश घटकर 220 अरब रुपये हो गया है। नतीजतन, शिक्षा का 56 प्रतिशत वित्तीय बोझ जनता उठा रही है और सिर्फ 44 प्रतिशत सरकार उठा रही है। माता-पिता प्राइवेट स्कूलों की फीस पर 1,31,000 करोड़ रुपये , कोचिंग और ट्यूशन पर 613 अरब रुपये और शिक्षा से जुड़े अन्य निजी खर्चों पर 878 अरब रुपये खर्च करने के लिए मजबूर हैं। इंस्टीट्यूट आफ सोशल एंड पालिसी साइंसेज के कार्यकारी निदेश डा. सलमान हुमायूं ने कहा कि जब शिक्षा पर परिवारों का खर्च सरकारी निवेश से ज्यादा हो जाता है, तो यह एक गंभीर समानता संकट का संकेत देता है। विश्व बैंक की वरिष्ठ शिक्षा विशेषज्ञ अजा फारुख के अनुसार, प्राइवेट स्कूलों का बढ़ता चलन इस बात का सबूत है कि परिवार सरकारी शिक्षा के दायरे से बाहर निकलना पसंद कर रहे हैं।

नेपाल में 62 प्रतिशत उम्मीदवार 40 वर्ष से कम आयु के

काठमांडू। प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन-2026 के अंतर्गत नामांकन पत्र दाखिल वाले उम्मीदवारों की संख्या 3,484 पहुंच गई है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कुल उम्मीदवारों में महिलाओं की संख्या 11 प्रतिशत अर्थात 395, पुरुष 3,088 यानी 79 प्रतिशत और अन्य एक उम्मीदवार हैं। आयु वर्ग के आधार पर देखें तो 36 से 40 वर्ष आयु समूह में सबसे अधिक 46 प्रतिशत अर्थात 1,610 उम्मीदवार हैं। इस समूह में 235 महिलाएं और 1,375 पुरुष शामिल हैं। 25 से 35 वर्ष आयु समूह में 16 प्रतिशत यानी 583 उम्मीदवार पंजीकृत हुए हैं, जबकि 41 से 45 वर्ष आयु समूह में 31 प्रतिशत यानी 1,090 उम्मीदवार हैं। 45 वर्ष से अधिक आयु के उम्मीदवारों की संख्या 5 प्रतिशत यानी 201 है। राजनीतिक दलों की ओर से नामांकन पत्र भरने वाले उम्मीदवारों की संख्या 2,297 है। इनमें से 10 प्रतिशत यानी 235 महिलाएं, 90 प्रतिशत यानी 2,064 पुरुष और एक अन्य लिंग के उम्मीदवार शामिल हैं। वहीं, स्वतंत्र उम्मीदवारों की संख्या 1,187 है, जिनमें 160 महिलाएं और 1,024 पुरुष हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस बार प्रतिनिधि सभा चुनाव में उम्मीदवार उतारने वाले राजनीतिक दलों की संख्या 68 है। आयोग ने बताया है कि ये आंकड़े प्रारंभिक हैं, जिनमें सामान्य बदलाव हो सकता है।

अगर अमेरिका ने किया हमला, तो अफगानिस्तान की तर्ज पर गुरिल्ला युद्ध लड़ेगा कनाडा

ओटावा। दुनिया के दो सबसे पुराने और भरोसेमंद सहयोगियों, अमेरिका और कनाडा के बीच रिश्तों में

आई खटास अब एक काल्पनिक युद्ध की तैयारियों तक पहुंच गई है। कनाडा के रक्षा विभाग के भीतर इन दिनों एक ऐसी अकल्पनीय स्थिति पर मंथन चल रहा है, जिसने वैश्विक भू-राजनीति में हलचल मचा दी है। कनाडा की सेना अब इस बात का माडल तैयार कर रही है कि यदि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका उन पर सैन्य आक्रमण करता है, तो उसका जवाब कैसे दिया जाए। यह असाधारण कदम तब उठाया गया जब ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कनाडा को अमेरिका का संभावित 51वां राज्य बताया। 7 दिनों में पस्त हो सकती है नियमित सेना कनाडा के सैन्य रणनीतिकार किसी मुगालते में नहीं हैं। रक्षा विभाग के अधिकारियों का मानना है कि अमेरिकी सेना की विशाल शक्ति के सामने कनाडा की थल और नौसेना बेहद छोटी है। वार-गेम माडल के डरावने अनुमानों के मुताबिक, यदि अमेरिका अपनी उत्तरी सीमा से हमला करता है, तो वह महज 2 से 7 दिनों के भीतर कनाडा की रक्षा पंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर सकता है।

बांग्लादेश के सुंदरबन में समुद्री डाकुओं का डेरा, दहशत में मछुआरे

ढाका, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की 1320 किलोमीटर की समुद्री सीमा पर स्थानीय मछुआरों के लिए सुंदरबन में घुसना आसान नहीं है। यहां समुद्री डाकुओं (समुद्री दस्युओं) के दर्जनों गिरोह पहुंच चुके हैं। यह डाकू मछुआरों को कथित तौर पर परमिट जारी करते हैं। इसके एवज में मोटा पैसा लेते हैं। बांग्लादेश तट रक्षक बल ने इस नए खतरे का मुकाबला करने के लिए आपरेशन तेज कर दिए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, मछुआरों का कहना है कि पैसा न देने पर उनका अपहरण कर लिया जाता है। इस दौरान यातना दी जाती है। फिर फिरौती देने पर ही छोड़ा जाता है। इससे बचने के लिए वह समुद्री डाकू समूहों के तथाकथित टोकन लेने के लिए मजबूर हैं। बताते हैं कि 2017 में बड़े पैमाने पर समुद्री डाकुओं के आत्मसमर्पण के बाद यह प्रथा काफी हद तक खत्म हो गई थी। मगर पांच अगस्त, 2024 को राजनीतिक अशांति के बाद फिर से सुंदरबन में डाकू सक्रिय हो गए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुंदरबन से सटे सतखिरा, बागेरहाट और खुलना जिलों के जंगलों में 10 से ज्यादा समुद्री डाकू समूह सक्रिय हैं। यह डाकू कथित तौर पर मछुआरों को समानांतर परमिट जारी करते हैं। इनका परमिट टोकन होता है। यह टोकन तय पैसा लेने के बाद दिया जाता है। इस टोकन के बाद ही मछुआरों को बेखौफ होकर खास इलाकों से गुजरने की इजाजत मिलती है। कुछ मछुआरों ने बताया कि टोकन अकसर एक खास सीरियल नंबर वाला करेंसी नोट होता है। उसपर समुद्री डाकू समूह मछुआरे के नाम लिख देते हैं। इस टोकन को जंगल में घुसते समय पास में रखना होता है। एक मछुआरे ने पहचान न उजागर करने की शर्त पर बताया कि अगर कोई दूसरा डाकू समूह पकड़ लेता है तो टोकन का कोई मतलब नहीं रह जाता। उस समूह से भी टोकन खरीदना पड़ता है। उसने बताया कि दो महीने पहले डाकुओं के डान समूह ने उसे अगवा कर लिया था और दो दिनों तक बंधक बनाकर रखा था। परिवार ने उसे छुड़ाने के लिए 40,000 टका का इंतजाम किया था। साल 2017 में आत्मसमर्पण करने वाले समुद्री दस्यु आलम सरदार ने टोकन प्रथा की पुष्टि की। आलम अब सामान्य जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई मछुआरा टोकन दिखाता है, तो समुद्री डाकू उसे जाने देते हैं। इसके बिना, उन्हें अपहरण का खतरा होता है। हर समूह अपना अलग नियम होता है। बताया गया है कि मछुआरे से टोकन के बदले 10,000 से 50,000 टका वसूले जाते हैं। बिना टोकन के सुंदरबन में चोरी-छुपे घुसने वाले मछुआरे अगर इनके हत्थे चढ़ गए तो 20,000 से 200,000 टका लेकर ही छोड़ा जाता है। आलम सरदार ने कहा कि कुछ सक्रिय समुद्री डाकू पांच अगस्त की अशांति के दौरान पुलिस स्टेशनों से लूटे गए हथियारों से लैस हैं। ज्यादातर समुद्री डाकू पूर्व अपराधी हैं। बिगड़ती स्थिति के बीच बांग्लादेश तटरक्षक बल ने इंटेलिजेंस-आधारित आपरेशन शुरू किया है। दो जनवरी को समुद्री डाकुओं ने दो पर्यटकों और गोल कानन इको रिजार्ट के मालिक को अगवा कर लिया था। तटरक्षक बल को इनको छुड़ाने में 48 घंटे लग गए। बल के प्रवक्ता के अनुसार, 2025 में समुद्री डाकुओं से 38 हथियार, दो हैंड ग्रेनेड, 74 स्थानीय हथियार और 448 राउंड गोला-बारूद बरामद कर 52 बंधकों को बचाया गया।

वन विभाग और कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने समुद्री डाकुओं की मौजदूगी की बात स्वीकार की है। सतखिरा वन रेंजर मोहम्मद फजलुल हक ने कहा, हमने सुना है कि समुद्री डाकू टोकन के बदले सुंदरबन में एंट्री दे रहे हैं। हालांकि, किसी ने भी आधिकारिक तौर पर हमारे पास कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

बागेरहाट के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद हसन चौधरी ने कहा कि उन्हें अभी तक टोकन सिस्टम की पुष्टि करने वाली कोई खास जानकारी नहीं मिली है, जबकि इलाके में बार्डर गार्ड बांग्लादेश के एक अधिकारी ने कहा कि इसी तरह की बातें अनौपचारिक रूप से सामने आई हैं।

स्पेन में एक और ट्रेन हादसा एक की मौत, 37 घायल

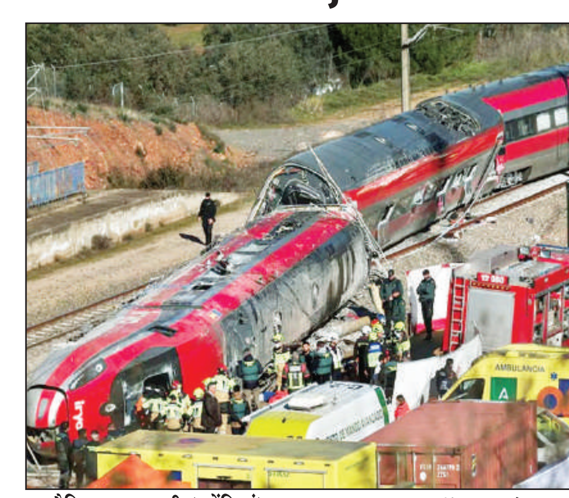

मैड्रिड, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

स्पेन में एक सप्ताह के भीतर हुए दूसरे रेल हादसे में ड्राइवर की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यह हादसा मंगलवार को स्पेन के बार्सिलोना शहर के पास गेलिडा में हुआ। कैटेलोनिया की क्षेत्रीय सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, यह ट्रेन देश के उत्तर-पूर्व में गेलिडा और सैंट सैडर्नी डीएनोइया नगर पालिका के मध्य चलती है। रोजाना हजारों लोग इस गाड़ी का प्रयोग करते हैं। अमेरिकी चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा स्पेन में पिछली रेल दुर्घटना के ठीक दो दिन बाद हुआ।

दक्षिणी कार्डोबा प्रांत के अदामुज के पास दो हाई-स्पीड ट्रेनें टकरा गई थीं, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी। मंगलवार को ट्रेन हादसा आर 4 लाइन पर हुआ। कैटेलोनिया की क्षेत्रीय सरकार के प्रवक्ता के अनुसार भारी बारिश की वजह से सुरक्षा दीवार पटरियों पर गिर गई थी। इस वजह से यह ट्रेन फिसलकर पटरी से उतर गई। ट्रेन आपरेटर के बयान के अनुसार, यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 10:00 बजे हुई। स्पेन के अखबार एल पेइस के अनुसार, रविवार को अदमूज (कोर्डोबा) में दो हाई-स्पीड ट्रेनों के पटरी से उतरने से कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सिविल गार्ड और अंडालूसी आपातकालीन सेवाओं के सूत्रों के अनुसार, 38 लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। मलागा से मैड्रिड जा रही एक इर्यो ट्रेन शाम 7:30 बजे पटरी से उतरकर उस ट्रैक पर गिर गई जहां एक अल्विया ट्रेन 200 किलोमीटर प्रति घंटे (125 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से विपरीत दिशा में हुएलवा की ओर जा रही थी। दोनों ट्रेनों के कुल 484 यात्री प्रभावित हुए।

रूसी हमले के बाद यूक्रेन की संसद अंधेरे में

कीव। रूस द्वारा रातभर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद यूक्रेन की ऊर्जा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। इन हमलों के चलते राजधानी कीव में स्थित यूक्रेनी संसद भवन (वर्खोवना राडा) में बिजली, पानी और हीटिंग की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। यूक्रेन की संसद के स्पीकर रूसलान स्टेफानचुक ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि ताजा रूसी हमलों के बाद कई यूक्रेनी शहरों में बुनियादी सेवाएं बाधित हो गई हैं। उन्होंने बताया कि संसद भवन भी फिलहाल बिजली, पानी और हीटिंग जैसी आवश्यक सुविधाओं से वंचित है। स्टेफानचुक ने कहा कि रूस के लगातार हमलों से आम नागरिकों के जीवन पर गहरा असर पड़ रहा है और ऊर्जा ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। यूक्रेनी प्रशासन हालात सामान्य करने के प्रयासों में जुटा हुआ है।

नासा बड़ी उड़ान की तैयारी में, आर्टेमिस-2 रचेगा इतिहास

वाशिंगटन, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रबंधन (नेशनल एरोनाटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) यानी नासा मनुष्य को पृथ्वी की कक्षा से बाहर ले जाने की अंतिम तैयारी में जुटा हुआ है। नासा वैज्ञानिकों की पूरी कोशिश है कि आर्टेमिस-2 की लान्चिंग फरवरी के पहले सप्ताह हो जाए। अगर फरवरी में यह संभव नहीं हो पाया तो इसे अप्रैल में हर हाल में लक्ष्य पर भेजा जाएगा। नासा की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा गया है कि आर्टेमिस-2 अंतरिक्ष यात्रियों को पहले से कहीं ज्यादा दूर भेजने से बस कुछ ही हफ्ते दूर है।

नासा के प्रशासक जेरेड आइजकमैन ने कहा, आर्टेमिस-2 इंसान की अंतरिक्ष उड़ान की दिशा में अब तक सबसे बड़ा कदम होगा। यह ऐतिहासिक मिशन इंसान को पृथ्वी से पहले से कहीं अधिक दूर भेजेगा और हमें चंद्रमा पर लौटने के लिए जरूरी जानकारी देगा। यह सब अमेरिका की अगुवाई में होगा। उन्होंने कहा कि आर्टेमिस-2 चंद्रमा पर एक स्थायी मौजूदगी बनाने और अमेरिकियों को मंगल पर भेजने की दिशा में प्रगति को दर्शाता है।

नासा की वेबसाइट के अनुसार, चंद्रमा पृथ्वी से 41,541 मील दूर है। मगर यह दूरी नासा के आगामी मिशन आर्टेमिस-2 के लिए एक पड़ाव भर है। यह मिशन अपोलो कार्यक्रम के बाद पहली बार इंसान को पृथ्वी की कक्षा से बाहर, चांद के चारों ओर और उससे भी आगे ले जाएगा। आर्टेमिस-2 के कमांडर रीड विसमैन हैं। उनके तीन सहयोगी हैं-पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन स्पेशलिस्ट क्रिस्टीना कोच और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जेरेमी हैनसन।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में आई गिरावट, चीन ने लगाई लंबी छलांग

लंदन, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

शिक्षा के क्षेत्र में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अब अपनी बादशाहत खोती जा रही है। हाल ही में जारी हुई वैश्विक विश्वविद्यालय रैंकिंग में न केवल हार्वर्ड, बल्कि कई अन्य प्रतिष्ठित अमेरिकी विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में भी गिरावट दर्ज की गई है! वहीं चीन के प्रमुख विश्वविद्यालयों ने उल्लेखनीय उछाल के साथ वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। लगातार कई वर्षों तक नंबर-1 स्थान पर काबिज रहने के बाद हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में आई गिरावट ने शिक्षा विशेषज्ञों को हैरान कर दिया है। रैंकिंग के मानकों में रिसर्च पेपर की गुणवत्ता, अंतरराष्ट्रीय छात्रों का अनुपात, फैकल्टी का अकादमिक योगदान और वैश्विक प्रभाव जैसे प्रमुख पैमाने शामिल हैं। इन सभी पहलुओं पर हार्वर्ड का स्कोर पहले की तुलना में कमजोर हुआ है। यह पहली बार है जब टाप संस्थानों की सूची में हार्वर्ड को इतनी कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा है कि उसकी वर्षों पुरानी बादशाहत पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस बीच चीन के विश्वविद्यालयों ने वैश्विक शिक्षा परिदृश्य में नई ताकत के रूप में खुद को स्थापित किया है। सिंघुआ यूनिवर्सिटी और पेकिंग यूनिवर्सिटी जैसे संस्थानों ने रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

चीनी सरकार द्वारा लागू किए गए डबल फर्स्ट क्लास यूनिवर्सिटी प्लान के तहत उच्च शिक्षा और शोध में अरबों डालर का निवेश किया गया है। इसका सीधा असर रिसर्च आउटपुट और इनोवेशन पर देखने को मिल रहा है। खासतौर पर एसटीईएम यानी विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्रों में चीनी विश्वविद्यालयों के शोध पत्र अब अमेरिकी संस्थानों की तुलना में अधिक बार उद्धृत किए जा रहे हैं, जिससे उनकी वैश्विक साख लगातार मजबूत हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों की गिरती रैंकिंग के पीछे वहां की नीतिगत परिस्थितियां भी एक बड़ा कारण हैं। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दौरान शिक्षा और रिसर्च बजट में कटौती को लेकर जो संकेत मिले, उन्होंने अमेरिकी उच्च शिक्षा प्रणाली को झटका दिया।

इसके साथ ही विदेशी छात्रों, विशेष रूप से चीनी शोधकर्ताओं के लिए सख्त वीजा नियमों ने भी अमेरिकी कैंपस के अंतरराष्ट्रीय माहौल को प्रभावित किया है। जब फंडिंग और वैश्विक प्रतिभा दोनों पर असर पड़ता है, तो इसका सीधा प्रभाव शोध की गुणवत्ता और संस्थानों की रैंकिंग पर दिखना स्वाभाविक है। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव किसी एक साल की रैंकिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शिक्षा व्यवस्था में बड़े और दीर्घकालिक बदलाव का संकेत हो सकता है। यदि अमेरिका में उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय समर्थन और अकादमिक स्वतंत्रता पर इसी तरह दबाव बना रहा, तो आने वाले वर्षों में वैश्विक टाप विश्वविद्यालयों की सूची में एशियाई देशों का वर्चस्व बढ़ सकता है।

आदिवासियों की भलाई-विकास के लिए अधिकारी संग काम करेंगे : के. हरिता

आसिफाबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में आदिवासियों की भलाई और विकास के लिए अधिकारियों संग मिलकर काम करेंगे, ऐसा डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के. हरिता ने कहा। जिले की पहली महिला कलेक्टर के तौर पर चार्ज संभालने वाली के. हरिता ने मंगलवार को केरमेरी मंडल के जोडेन घाट में कोमुराम भीम समाधि पर विशेष पूजा की तथा कोमुराम भीम की मूर्ति पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाद में उन्होंने म्यूजियम का दौरा किया और आदिवासी संस्कृति से जुड़ी सजावट, पेंटिंग्स तथा इतिहास को देखा। आदिवासी नेताओं व अधिकारियों से विस्तृत जानकारी भी ली। इस मौके पर बोलते हुए कलेक्टर ने कहा कि आदिवासियों की भलाई व विकास के लिए अधिकारियों संग मिलकर काम करेंगे। जोडेन घाट गांव की समस्याओं पर ध्यान देकर उन्हें हल करने के कदम उठाए जाएंगे।

इससे पहले आदिवासियों ने गांव पहुंची कलेक्टर का पारंपरिक स्वागत किया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट ट्राइबल डेवलपमेंट ऑफिसर रमा देवी, ट्राइबल वेलफेयर विभाग के अधिकारी, ट्राइबल लीडर, संबंधित अधिकारी तथा अन्य लोग शामिल हुए।

नागोबा मेले के सम्मान में आज छुट्टी, 14 फरवरी को कार्य दिवस

आसिफाबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के. हरिता ने एक बयान में कहा कि आदिलाबाद जिले के इंद्रवेली मंडल के केसलापुर में आज दि. 22 जनवरी को आयोजित होने वाले नागोबा मेले के सम्मान में जिले में सार्वजनिक और निजी शैक्षणिक संस्थानों के लिए छुट्टी घोषित की गई है।

इस हेतु 14 फरवरी को द्वितीय शनिवार कार्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

किनवट नगरपरिषद में विषय समिति सभापतियों का निर्विरोध चुनाव सम्पन्न

सत्ता पक्ष के 4 और विपक्ष के 2 चुने गए

किनवट, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । नगरपरिषद की विभिन्न विषय समिति सभापतियों तथा स्थायी समिति सदस्यों के चुनाव बुधवार को निर्विरोध संपन्न हुए। इस विषय समिति सभापतियों में सत्ता रूढ़ दल के 4 जबकि विपक्षी दल के 2 सभापति निर्विरोध चुने गए।नगरपरिषद सभागृह में बुधवार को विभिन्न विषय समिति सभापतियों, स्थायी समिति सदस्यों का चुनाव की प्रक्रिया आयोजित विशेष बैठक में सभी समितियों का गठन सर्वसम्मति से किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता पीठासीन अधिकारी उपविभागीय अधिकारी एवं सहायक जिलाधिकारी जेनिथ चंद्रा दोंतुला ने की, जबकि मुख्याधिकारी मुगाजी काकडे ने सहायक अधिकारी के रूप में कार्य किया। इस समय नगराध्यक्षा सुजाता एड्रलवार की उपस्थिति में चुनाव संपन्न हुआ। विभिन्न विषय समितियों के चुने गए सभापति इस प्रकार हैं-

-नियोजन व विकास समिति के पदेन सभापति: उपनगराध्यक्ष पठाण मो. हसनलाला नुरखान
-लोक निर्माण समिति सभापति: नेमानीवार श्रीराम नारायण
-जलापूर्ति समिति सभापति: भाटी निलोफर निसार
-स्वच्छता और स्वास्थ्य समिति सभापति: जागरलावार अश्विनी आदर्श
-महिला व बालकल्याण समिति सभापति: प्रिती धीरज नेमानीवार
-महिला व बालकल्याण उपसभापति: गुलबकत अकबरखान
-क्रीडा व सांस्कृतिक कार्य समिति सभापति: नुरसबा मुकद्दर शेख

नगराध्यक्षा सुजाता एड्रलवार की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति में सदस्यों के रूप में सभी विषय समितियों के सभापतियों को शामिल किया गया। इस विशेष समिति सभापति स्थायी सदस्यों चुनाव प्रक्रिया के दौरान नप कार्यालय अधीक्षक अशोक भालेराव, मिलिंद घुले, सुधीर सरोदे, अल्ताफ ए. गफार, परमेश्वर काचमोडे, संकेत गटलेवार सहित अन्य कार्मिकों ने कार्य किया।इस नवनिर्वाचित सभापतियों को बधाई देते हुए सम्मानपूर्वक उनके पदों पर आसन ग्रहण कराया गया। इस अवसर पर नगराध्यक्षा सुजाता एड्रलवार सहित अनेक नगरसेवक उपस्थित रहे।

स्थानीय पद्मशाली समाज के तत्वावधान में बाबू कैंप शिव भक्त मार्कंडेय मंदिर में बुधवार को भक्त मार्कंडेय जन्मोत्सव के मौके पर मंदिर में महामृत्युंजय हवन सम्पन्न हुआ। अवसर पर उपस्थित भक्तों के लिए अन्न प्रसाद की व्यवस्था की गई।

जिला एसपी नितिका पंत ने होम गार्ड राम शाह के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की

आसिफाबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमराम भीम आसिफाबाद जिला तिरयानी मंडल गुड़ीपेट गांव के निवासी कुद्मेथा राम शाह (39 वर्ष), जो ए.आर. में होम गार्ड के रूप में कार्यरत थे, बीमारी के कारण निधन हो गया। मुख्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में आसिफाबाद एएसपी चितरंजन ने राम शाह के पार्थिव शरीर पर फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।2007 में होम गार्ड के रूप में पुलिस विभाग में शामिल हुए राम शाह ने उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कीं। जिला एसपी नितिका पंत के आदेशानुसार उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई। अंतिम संस्कार के लिए तत्काल सहायता के तहत परिजनों को 10,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे तथा उन्हें साहस बनाए रखने का आश्वासन दिया गया है।इस अवसर पर आरआई (होम गार्ड) विद्यासागर, रेबेना सीआई संजय, तिरयानी एसआई वेंकटेश, होम गार्ड कर्मी, पुलिस कर्मी तथा अन्य लोग उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति का अनोखा उत्साह

जंगम समाज की महिलाओं ने राजस्थानी वेशभूषा में बांटा वान

धर्माबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मकर संक्रांति का हिंदू संस्कृति में विशेष महत्व है। महिलाओं के प्रमुख त्योहारों में से एक इस पर्व पर, मकर संक्रांति से लेकर रथसप्तमी तक महिलाएं आपस में वान (उपहार) का आदान-प्रदान करती हैं। जहाँ पूर्व में पारंपरिक रूप से प्रतीकात्मक वस्तुएं दी जाती थीं, वहीं अब इस त्योहार का स्वरूप बदल गया है और अब संसार के लिए उपयोगी घरेलू वस्तुएं वान में दी जा रही हैं।

इसी परंपरा को निभाते हुए, धर्माबाद के जंगम समाज की ओर से सुहागिनों को राजस्थानी वेशभूषा पहनाकर और राजस्थानी वस्तुएं दान स्वरूप देकर सम्मानित किया गया। हल्दी-कुमकुम और अल्पाहार के इस कार्यक्रम में सभी महिलाएं अत्यंत आनंदित नजर आईं।

नगराध्यक्ष सौ. संगीता बोलमवाड ने लिया हल्दी-कुमकुम का पहला मान

संक्रांति के दूसरे दिन से 5, 7, 11 या 21 महिलाएं एक साथ इकट्ठा होकर एक-दूसरे के घर जाकर वान का आदान-प्रदान करती हैं और मउखाणाफ (पारंपरिक काव्य) के माध्यम से अपने पति का नाम लेती हैं। तिल-गुड़ खिलाकर सभी एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते हैं। धर्माबाद में आयोजित इस कार्यक्रम में हल्दी-कुमकुम का पहला सम्मान जंगम समाज की ओर से धर्माबाद नगर परिषद की नवनिर्वाचित नगराध्यक्ष सौ. संगीता बोलमवाड को दिया गया।इस आयोजन को सफल बनाने में जंगम समाज की सौ. वनमाला साईनाथ रोशनगावकर अप्पा, सौ. अर्चना राम मठवाले (गव्हाणे), सौ. वैशाली अशोक पडोळे (स्वामी), सौ. दाक्षायणी स्वामी, सौ. मयुरी पत्रे और सौ. अन्नपूर्णा शिवप्रसाद मठपती आदि ने सक्रिय योगदान दिया।

रथसप्तमी तक जारी रहेगा उपहारों के लेन-देन का सिलसिला

मकर संक्रांति का त्योहार खुशियों का संदेश लेकर आता है। इस दिन महिलाएं नई साड़ी और पारंपरिक परिधान पहनकर वान देती हैं, जिसे सौभाग्य का दान माना जाता है। इस अवसर पर सौ. वैशाली स्वामी ने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व साल में एक बार आता है और महिलाओं में इसे लेकर भारी उत्सुकता रहती है। पूरे सप्ताह भर वान का लेन-देन चलता रहता है। वहीं, सौ. अर्चना गव्हाणे और सौ. वनिता स्वामी ने बताया कि मकर संक्रांति से रथसप्तमी तक महिलाएं मभरला वानफ देकर वस्तुओं का आदान-प्रदान करती हैं। कार्यक्रम के दौरान कु. महिमा मठपती, कु. लक्ष्मी स्वामी, कु. मधुमती मठपती और रुद्रानी मठपती सहित समाज की अन्य युवतियां और महिलाएं उपस्थित थीं।

बेल्लमपल्ली पुलिस के तत्वावधान में 'अराइव से अलाइव' सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेल्लमपल्ली, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली नगर में सड़क दुर्घटनाएं कम करने और युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए बेल्लमपल्ली वन टाउन पुलिस विभाग ने प्रगति जूनियर कॉलेज में सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक अराइव सेफ अलाइव कार्यक्रम आयोजित किया।

इस अवसर पर वन टाउन सीआई के. श्रीनिवास राव ने प्रगति जूनियर कॉलेज के प्रिंसिपल श्रीनिवास, कॉलेज संकाय सदस्यों तथा छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने सड़क सुरक्षा पर युवाओं में जागरूकता पैदा करने, दुर्घटनाओं के कारण होने वाले जोखिमों को समझाया तथा सुरक्षित यात्रा की आदत डालने पर जोर दिया। प्रमुख बिंदु इस प्रकार रहे: हेलमेट और सीट बेल्ट पहनना अनिवार्य है। शराब के प्रभाव में वाहन चलाना निषिद्ध है। गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें। पैदल चलने वालों को रास्ता दें। गति सीमा का पालन करें। वाहन को ओवरलोड न करें।

सीआई श्रीनिवास राव ने कहा कि सड़क दुर्घटना सिर्फ व्यक्तिगत नुकसान नहीं, बल्कि परिवारों और समाज के लिए गंभीर हानि है। युवा भविष्य हैं, उन्हें सड़क सुरक्षा का पालन कर समाज के लिए मिसाल कायम करनी चाहिए। ङ्गअराइव सेफ अलाइवफ का मतलब हैआपका सुरक्षित पहुंचना आपके हाथ में है।

कार्यक्रम के तहत कॉलेज के नोटिस बोर्ड, सरकारी कार्यालयों तथा बेल्लमपल्ली शहर की प्रमुख जगहों पर पोस्टर चिपकाए गए। छात्रों से सड़क सुरक्षा का पालन करने का संकल्प भी दिलाया गया।

सरकारी गुरुकुल गरीब छात्रों के लिए वरदान : जिला कलेक्टर के. हरिता

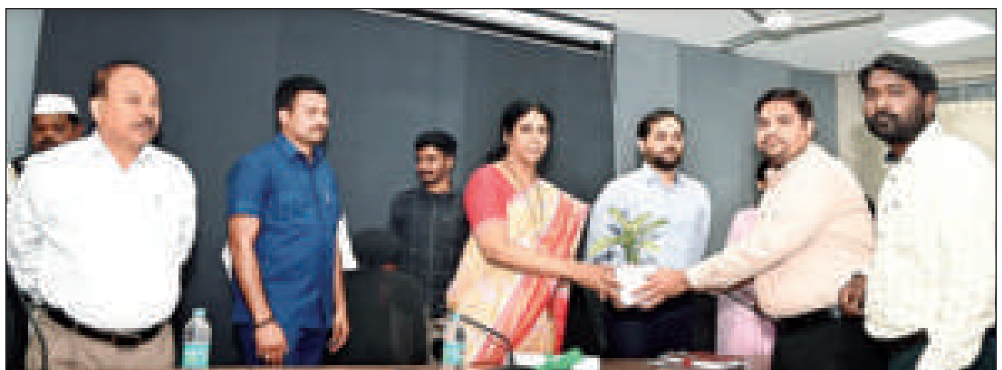

आसिफाबाद, 20 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी गुरुकुल गरीब छात्रों के लिए वरदान हैं, ऐसा जिला कलेक्टर के. हरिता ने कहा। अतिरिक्त कलेक्टर दीपक तिवारी, एम. डेविड, कागज नगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव, जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग अधिकारी नदीम के साथ मंगलवार को जिला केंद्र के एकीकृत जिला कलेक्टरेट भवन के बैठक हॉल में तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय शैक्षिक संस्थान सोसाइटी के साथ अल्पसंख्यक गुरुकुलों के प्रवेश की ड्रॉअंग लिस्ट जारी की गई।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि गुरुकुलों के माध्यम से गरीब विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा एवं आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। गुरुकुलों में पढ़ने वाले छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ मेनू अनुसार स्वादिष्ट भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि शैक्षणिक वर्ष 2026 में कक्षा 5 में सभी समुदायों से 27 प्रवेश किए जाएंगे तथा कक्षा 6, 7 और 8 में अल्पसंख्यक छात्रों को जहां रिक्तियां होंगी, वहां प्रवेश दिया जाएगा। विद्यार्थियों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए तथा उन्हें जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए। संबंधित अधिकारी तथा अन्य लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मार्कंडेय ऋषि की जयंती भक्ति भाव से मनाई गई

मदनूर, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मार्कंडेश्वर (मार्कंडेय ऋषि) का जन्मोत्सव, जिसे मार्कंडेय जयंती के नाम से जाना जाता है, ऋषि मार्कंडेय की भक्ति और अमरता के प्रतीक के रूप में मनाया गया। ये शिव भक्त थे। हिंदू पंचांग के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को भगवान का जन्म उत्सव मदनूर मंडल केंद्र के पद्मशाली गली स्थित मंदिर में भक्ति भाव से मनाया गया।

स्थानिक भक्तों ने बताया कि यह पर्व संत मार्कंडेय की शिव भक्ति और मृत्यु पर विजय का प्रतीक है, जो हमें अटूट श्रद्धा का संदेश देता है। त्योहार की तिथि माघ महीने (जनवरी-फरवरी) के शुक्ल पक्ष के चौथे दिन मनाई जाती है।

पौराणिक कथा के अनुसार, मार्कंडेय ऋषि को 16 वर्ष की अल्पायु का श्राप था। उन्होंने शिवलिंग से लिपटकर शिव की आराधना की, जिससे शिव प्रकट हुए और यमराज को हराकर उन्हें चिरंजीवी होने का वरदान दिया।

इस पावन अवसर पर भगवान के मंदिर में बुधवार को जन्मोत्सव भक्ति भाव से मनाया गया। इसी के साथ महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया। इस उत्सव में बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

पत्नी की एचआईएल खिताबी जीत से मिली प्रेरणा :मंदीप सिंह

भुवनेश्वर, 21 जनवरी (एजेंसियां) ।
महिला हीरो हाकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 का खिताब एसजी पाइपर्स के साथ जीतने वाली उदिता की सफलता ने सिर्फ उनकी टीम को ही नहीं, बल्कि उनके पति और रांची रायल्स के फारवर्ड मंदीप सिंह को भी खास तौर पर प्रेरित किया है। पुरुष हीरो एचआईएल में खेल रहे मंदीप ने कहा कि पत्नी की इस उपलब्धि ने उनके भीतर भी ट्राफी जीतने की भूख को और तेज कर दिया है।

मंदीप ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैंने फाइनल से पहले ही उससे कह दिया था कि उसकी टीम जीतेगी, लेकिन जब मैंने उसे ट्राफी उठाते देखा, तो वह पल बेहद खास था। मुझे उस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। हम दोनों इस खेल के लिए जीते हैं और एक ही लीग में खेलते हैं, इसलिए उसकी जीत मेरे लिए बहुत भावुक और प्रेरणादायक रही।

दबाव नहीं, मिली सकारात्मक प्रेरणा - उदिता की जीत को लेकर मंदीप ने साफ किया कि इससे उन पर किसी तरह का नकारात्मक दबाव नहीं है, बल्कि यह एक सकारात्मक प्रेरणा है।

उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, हम मजाक में कहते हैं कि उसने मुझ पर दबाव डाल दिया है, लेकिन यह अच्छा दबाव है। यह मुझे और बेहतर खेलने के लिए प्रेरित करता है। अभी मेरे पास भी मौका है और मैं उसका पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। हमारी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और लगातार मैच जीत रही है।

मैं भी ट्राफी जीतना चाहता हूं - जब उनसे पूछा गया कि क्या पत्नी की सफलता ने उनके भीतर खिताब जीतने की भूख बढ़ा दी है, तो मंदीप ने बिना किसी झिझक के कहा, बिल्कुल। मैं भी ट्राफी जीतना चाहता हूं। पिछले साल शादी के बंधन में बंधे इस जोड़े ने लीग शुरू होने से पहले ही तय कर लिया था कि दोनों इस सीजन में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

मंदीप ने कहा, अगर हम दोनों ट्राफी जीतते हैं, तो जश्न भी खास होगा। 2026 की शुरुआत हमारे परिवार के लिए बेहद यादगार बन जाएगी।

हर मैच में पत्नी की जीत बनी प्रेरणा - मंदीप ने स्वीकार किया कि जब भी वह मैदान पर उतरते हैं, उदिता की जीत उनके दिमाग में रहती है।

उन्होंने कहा, हर बार जब मैं खेलने जाता हूं, तो उसकी मेडल मेरे दिमाग में होती है। यह मुझे गोल करने, मैच जिताने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है। मैं चाहता हूं कि उसे मुझ पर भी वही गर्व महसूस हो, जो मुझे उस पर होता है।

हाकी ही है जीवनशैली - सिंह परिवार की दिनचर्या भी पूरी तरह हाकी के इर्द-गिर्द घूमती है। मंदीप ने हंसते हुए कहा, हम घर पर भी हाकी से दूर नहीं रहते। सुबह साथ में जिम जाते हैं, शाम को अभ्यास करते हैं। हमारे घर के पास ही अच्छा टर्फ है, इसलिए हाकी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है।

मानसिक मजबूती है उदिता की सबसे बड़ी ताकत - पुरुष लीग के नाकआउट चरण से पहले उदिता मंदीप के लिए एक मार्गदर्शक की भूमिका भी निभा रही हैं।

मंदीप ने कहा, हम रोज मैचों पर बात करते हैं। वह बताती है कि मैंने क्या अच्छा किया, कहां सुधार की जरूरत है और दबाव में शांत कैसे रहना है। उसकी सबसे बड़ी ताकत उसकी मानसिक मजबूती है।

जैसे-जैसे हीरो मेन्स एचआईएल 2025-26 अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है, मंदीप सिंह का खिताब जीतने का सपना अब सिर्फ व्यक्तिगत नहीं रहा, बल्कि एक साझा लक्ष्य बन चुका है— ऐसा लक्ष्य, जो उनके घर में आधा पूरा हो चुका है और पूरा होने का इंतजार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

लिज़ेल ली पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला, मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की खिलाड़ी लिज़ेल ली पर आचार

संहिता के उल्लंघन के चलते कार्रवाई की गई है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान लिज़ेल ली पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। यह घटना दिल्ली कैपिटल्स की पारी के 11वें ओवर में हुई, जब लिज़ेल ली को अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप आउट दिया गया। गेंद लेग साइड पर थी और फ्लिक शाट खेलने के प्रयास में ली का संतुलन बिगड़ गया। विकेटकीपर रहिला फिरदौस ने तेजी से स्टंपिंग की। इसके बाद मैदानी अंपायरों ने थर्ड अंपायर की मदद ली और स्टंप कैमरे समेत विभिन्न एंगल से जांच की गई। रीप्ले देखने के बाद थर्ड अंपायर ने फैसला सुनाया कि जब बेल्स गिरीं, उस समय लिज़ेल ली का बल्ला हवा में था, जिसके चलते उन्हें आउट करार दिया गया। उस समय ली 28 गेंदों पर 46 रन बनाकर शानदार बल्लेबाजी कर रही थीं। आउट दिए जाने के बाद लिज़ेल ली फैसले से काफी नाराज़ नजर आईं। मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने असंतोष जाहिर किया और निर्णय के बाद भी अपनी नाराज़गी व्यक्त करती रहीं। लीग की मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, लिज़ेल ली ने आचार संहिता के तहत लेवल-1 अपराध को स्वीकार कर लिया है, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के दुरुपयोग से जुड़ा है।

पीसीबी ने बांग्लादेश बोर्ड के समर्थन में आईसीसी को लिखा पत्र

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत में नहीं खेलने के मुद्दे पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का समर्थन किया है। इस मामले में पीसीबी ने अपना समर्थन पत्र अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भेज दिया है। इस पत्र में पीसीबी ने लिखा है कि वह बीसीबी के उस रुख का समर्थन करता है, जिसमें उसने सुरक्षा कारणों से भारत नहीं जाने की बात कही है। साथ ही मांग की है कि उसके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिये जायें। श्रीलंका भारत के साथ टूर्नामेंट का सह-मेजबान है। वहीं आईसीसी ने गत दिवस बीसीबी से कहा था कि उसे भारत में ही खेलना होगा अगर ऐसा नहीं होता तो उसकी जगह किसी अन्य देश को शामिल कर लिया जाएगा। आईसीसी और बीसीबी इससे पहले भी कई बार बातचीत हुई थी पर मामला नहीं सुलझा था। आईसीसी का कहना है कि मैच तय समय पर होने चाहिए जबकि बीसीबी का कहना है कि वह अपनी टीम को भारत नहीं भेज सकता। आईसीसी ने बीसीबी को भारत में टीम भेजने की जो समय सीमा दी थी वह भी समाप्त हो गयी है। वहीं इस मामले में कूदी पीसीबी ने अब तक सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है और न ही सवालों का जवाब दिया है पर वह इस मामले का लाभ उठाने के प्रयास में लगा है। ये विवाद उस समय शुरु हुआ जब आईपीएल से बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान को बाहर किया गया। उसके बाद बीसीबी ने आईपीएल के प्रसारण पर भी पाबंदी लगा दी और कहा कि उसकी टीम सुरक्षा कारणों से भारत नहीं जाएगी।

आईपीएल और पीएसएल का अंतर आया सामने, ऋषभ और श्रेयस से भी कम है कुल टीम का वेतन

लाहौर। भारत के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और पाकिस्तान के सुपर लीग (पीएसएल) में कितना अंतर है। ये एक बार फिर सामने आया है। पीएसएल ने 2026 सत्र से पहले खिलाड़ियों का वेतन बढ़ाया है। इसके बाद भी खिलाड़ियों की कमाई आईपीएल खेलने वाले भारतीय टीम के ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर से भी कम है। पीसीबी ने कहा है कि सैलरी कैप को 1.3 मिलियन (करीब 11.3 करोड़ रुपये) से बढ़ाकर 1.6 मिलियन (करीब 14.5 करोड़ रुपये) प्रति टीम कर दिया गया है। यही वह रकम है जिसे आठों टीमें नीलामी में खर्च कर सकती हैं। कुल मिलाकर आठ टीमों के लिए यह राशि 12.8 मिलियन (करीब 116.48 करोड़ रुपये) होगी। पीएसएल के वेतन बढ़ाने के बाद भी पीएसएल और आईपीएल में खिलाड़ियों की कमाई का अंतिर दिख रहा है।

भारत ने 48 रन से जीता पहला टी20, वरुण-शिवम को 2-2 विकेट, फिलिप्स की मेहनत पर फिरा पानी

नागपुर, 21 जनवरी (एजेंसियां) । भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मुकाबले को अपने नाम कर लिया है। नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया 48 रनों से विजेता बनी। पहले खेलते हुए भारत ने बोर्ड पर 238 रन टांग दिए। न्यूजीलैंड के पहले दो ओवर में ही दो विकेट गिर गए थे। यहां से टीम ने काफी लड़ाई की लेकिन अंत में 7 विकेट पर 190 रन ही बना सकी। इस मैच में कुल 428 रन बने। यह दोनों टीमों के टी20 मैच में सबसे ज्यादा रनों का रिकॉर्ड भी है। 5 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया 1-0 से आगे हो गई है।

अभिषेक ने दी विस्फोटक शुरुआत

भारतीय टीम टॉस हारने के बाद पहले बैटिंग करने उतरी। अभिषेक शर्मा ने पहले ओवर में छक्का लगाया लेकिन भारत को दूसरे ओवर में पहला झटका लग गया। सैमसन 7 गेंदों में 2 चौकों के साथ 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 2023 के बाद पहला इंटरनेशनल मैच खेल रहे ईशान किशन इस मौके को भुना नहीं सके। उन्होंने 5 गेंदों में सिर्फ 8 रन बनाए। टीम इंडिया 27 के स्कोर तक 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अभिषेक शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 99 रन की साझेदारी की।

रिंकू सिंह ने दिया फिनिशिंग टच

इस बीच अभिषेक ने अपना अर्धशतक 22 गेंदों में पूरा किया। सूर्या 22 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 32 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक शतक की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन 35 गेंदों में 8 छक्कों और 5 चौकों कीम मदद से 84 रन बनाकर आउट हुए। उनका विकेट ईश सोढ़ी ने लिया। इसके बाद हार्दिक पंड्या ने मोर्चा संभाला।उन्होंने 16 गेंद पर 25 रन बनाए। शिवम दुबे सिर्फ 9 रन बना सके। अक्षर पटेल भी सिर्फ 5 रन बना सके लेकिन रिंकू सिंह ने विस्फोटक खेल दिखाया। रिंकू 20 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 44 रन बनाकर नाबाद रहे। जैकब डफी और काइल जेमीसन ने 2-2 विकेट हासिल किए।

खराब शुरुआत से उबर नहीं पाया न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। अर्शदीप सिंह ने पहले ओवर में डेवोन कॉन्वे को आउट कर दिया। दूसरे ओवर में रचिन रविंद्र हार्दिक पंड्या का शिकार बन गए। टिम रोबिन्सन ने 15 गेंदों पर 21 रन ही बनाए। 7वें ओवर में न्यूजीलैंड को 52 रन पर तीसरे झटका लगा। ग्लेन फिलिप्स ने एक छोर से विस्फोटक बैटिंग की। उन्होंने सिर्फ 29 गेंद पर अर्धशतक ठोका।ग्लेन फिलिप्स बेहतरीन बैटिंग कर रहे थे और टीम इंडिया पर भी दबाव डाल रहे थे। 14वें ओवर में अक्षर पटेल ने उनका शिकार कर दिया। 40 गेंद पर 4 चौके और 6 छक्कों की मदद से फिलिप्स ने 78 रन बनाए। अगले ही ओवर में मार्क चैपमैन भी आउट हो गए। इन दोनों विकेट ने न्यूजीलैंड की उम्मीद पूरी तरह खत्म कर दी। अंत में सेंटनर ने 20 और डैरेल मिचेल ने 28 रन बनाए लेकिन इससे बाद भी कीवी टीम 190 रनों तक ही पहुंच पाई। वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे ने 2-2 विकेट लिए।

आस्ट्रेलियन ओपन 2026 : टाप सीड सबालेंका ने बाई को हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

मेलबर्न, 21 जनवरी (एजेंसियां) ।

आस्ट्रेलियन ओपन 2026 में विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने संघर्षपूर्ण शुरुआत के बावजूद चीन की बाई झुओशुआन को 6-3, 6-1 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला बुधवार को राड लेवर एरिना में खेला गया।

डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने पहले सेट में शानदार शुरुआत करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद उनका खेल अचानक लड़खड़ा गया। बाई झुओशुआन ने न केवल अपनी सर्विस होल्ड की बल्कि सबालेंका की सर्विस भी ब्रेक कर लगातार तीन गेम जीत लिए। इससे मुकाबले में कुछ समय के लिए तनाव बढ़ गया और सबालेंका भी कोर्ट पर काफी परेशान नजर आईं। हालांकि, अनुभव का फायदा उठाते हुए 27 वर्षीय बेलारूसी खिलाड़ी ने अंत में पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट की शुरुआत में सबालेंका ने खुद को संभाला और फिर दोनों खिलाड़ियों के बीच स्तर का अंतर साफ नजर आने लगा। उन्होंने लगातार चार गेम जीतकर मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली और आसानी से सेट जीतते हुए मुकाबला समाप्त किया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, वह एक मुश्किल प्रतिद्वंद्वी थीं। पहले सेट में उन्होंने आक्रामक खेल दिखाया और कुछ समय के लिए मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। लेकिन मैं खुश हूं कि मैं पहला सेट जीतने में सफल रही, इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने आगे कहा, हमेशा सुधार की गुंजाइश रहती है, लेकिन सबसे अहम बात यह रही कि मैंने अपना फोकस नहीं खोया। मैं खुद से कहती रही कि एक-एक पाइंट पर ध्यान दो और लड़ते रहो। तीसरे दौर में अब सबालेंका का सामना ब्रिटेन की एमा राडुकानू और आस्ट्रिया की अनास्तासिया पोटापोवा के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल

यूनान में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई ओलंपियाकोस और बेयर लीवरकुशन की टीमें।

यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 : एमबाप्पे और विनीसियस के दम पर रियल मैड्रिड ने मोनाको को 6-1 से रौंदा

मैड्रिड, 21 जनवरी (एजेंसियां) ।

यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 में रियल मैड्रिड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैंटियागो बर्नबाउ में मोनाको को मंगलवार देर रात 6-1 से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले में किलियन एमबाप्पे ने दो गोल दागे, जबकि विनीसियस जूनियर ने एक शानदार सोलो गोल करने के साथ दो गोल में अहम भूमिका निभाई।

मैच की शुरुआत से ही रियल मैड्रिड ने आक्रामक रुख अपनाया। पांचवें मिनट में एमबाप्पे ने फ्रांको मास्टानतुओनो की शानदार दौड़ के बाद मिले पास पर लो फिनिश के जरिए टीम को बढ़त दिलाई। 26वें मिनट में उन्होंने तेज काउंटर अटैक पर एक और गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया।

दूसरे हाफ की शुरुआत में भी रियल का दबदबा जारी रहा। 51वें मिनट में विनीसियस ने बीच से शानदार रन लेते हुए मास्टानतुओनो को सटीक थ्रू पास दिया, जिस पर उन्होंने पहली ही टच में गेंद को जाल में पहुंचा दिया। इसके चार मिनट बाद विनीसियस के लो क्रास को मोनाको के डिफेंडर थिलो केहरर ने अनजाने में अपने ही गोल में डाल दिया, जिससे स्कोर 4-0 हो गया।

63वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने मैच का सबसे बेहतरीन गोल किया। उन्होंने बाक्स के अंदर तीन डिफेंडरों को छकाते हुए जोरदार शाट टाप कार्नर में दागा। यह उनका अक्टूबर की शुरुआत के बाद सैंटियागो बर्नबाउ में पहला गोल था, जिसे देखकर पूरा स्टेडियम उनके नाम के नारे लगाने लगा।

72वें मिनट में मोनाको को एक सांत्वना गोल मिला, जब जार्डन टेज़े ने रियल की गलती का फायदा उठाते हुए थिबो कूर्तुआ को छकाया। हालांकि, रियल मैड्रिड यहीं नहीं रुका। 80वें मिनट में फेडरिको वाल्वर्डे के पास पर जुड बेलिंघम ने शानदार तरीके से गोल कर स्कोर 6-1 कर दिया।

इस बड़ी जीत के साथ रियल मैड्रिड 15 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। वह बायर्न म्यूनिख के बराबर अंकों पर है और शीर्ष पर मौजूद आर्सेनल से छह अंक पीछे है। वहीं, मोनाको नौ अंकों के साथ 20वें स्थान पर बना हुआ है।

नए कोच अल्वारो आर्बेलोआ की मौजूदगी में रियल मैड्रिड का यह प्रदर्शन दर्शकों को काफी पसंद आया। हालिया झटकों के बाद बर्नबाउ में मौजूद प्रशंसकों ने विनीसियस जूनियर और जुड बेलिंघम का जोरदार समर्थन किया, जो इस यादगार जीत का गवाह बना।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच जिताऊ पारी के बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा-मैं पारी को अंत तक ले जाना चाहती थी

वडोदरा, 21 जनवरी (एजेंसियां) ।
महिला प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने शानदार नेतृत्व करते हुए नाबाद अर्धशतक जमाया और अपनी टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ सात विकेट से जीत दिलाई। बीसीए स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में जेमिमा की संयमित पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

155 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को शुरुआत से ही अच्छी लय मिली। ओपनर लिज़ेल ली और शैफाली वर्मा ने तेज शुरुआत दी, जिसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने पारी को संभालते हुए 37 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए। मारिज़ान काप ने अंत में उनका अच्छा साथ निभाया और दिल्ली ने 19 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

मैच के बाद जेमिमा ने ओपनिंग साझेदारी की अहमियत पर कहा, लिज़ेल और शैफाली एक

बेहद खतरनाक ओपनिंग जोड़ी हैं। गेंदबाज़ों को पता होता है कि अगर उन्होंने थोड़ी भी गलती की, तो उसकी सजा मिलेगी। इस विकेट पर पावरप्ले में जिस तरह उन्होंने बल्लेबाज़ी की, वह हमारे लिए बहुत अहम रही। जब गेंद पुरानी हुई तो विकेट धीमा होने लगा, ऐसे में उनकी शुरुआत ने आगे आने वाले बल्लेबाज़ों का काम आसान कर दिया।

अपनी पारी और मैच फिनिश करने को लेकर जेमिमा ने कहा, पिछले कुछ मैचों में मैंने प्रभावशाली पारियां खेलीं, लेकिन मैं देर से बल्लेबाज़ी के लिए आ रही थी। मुझसे और ज्यादा उम्मीदें थीं और मैं खुद भी पारी को अंत तक खत्म करना चाहती थी। मैं खुश हूं कि मैं अंत तक टिक सकी और टीम के लिए जिम्मेदारी निभा सकी।

कप्तानी के शुरुआती अनुभव साझा करते हुए जेमिमा ने कहा, यह मेरे लिए सीखने का दौर है। मुझे लगा था कि कप्तानी से दबाव बढ़ेगा, लेकिन टीम और सपोर्ट स्टाफ ने वह दबाव काफी कम कर दिया है। हेड कोच जोनाथन बैटी और लीडरशिप ग्रुप ने मेरी काफी मदद की है। कप्तानी में आपको अपने फैसलों पर भरोसा रखना होता है और गलतियों से सीखना भी जरूरी है।

टीम संतुलन और अपनी बल्लेबाज़ी पोज़िशन पर जेमिमा ने कहा, कप्तान के तौर पर मुझे पहले टीम के बारे में सोचना होता है। मुझे लगा कि लारा वोल्वार्ट नंबर तीन पर बेहतर रहेंगी क्योंकि नई गेंद वहां बेहतर आती है। मैं स्पिन के खिलाफ बाद में बल्लेबाज़ी कर सकती हूं। वह मैदान पर भी मेरी काफी मदद करती हैं।

उन्होंने आगे कहा, ऐसे टूर्नामेंट में सही समय पर फार्म में आना जरूरी होता है। हम एक-एक मैच पर ध्यान दे रहे हैं और अपनी प्रक्रियाओं पर टिके हुए हैं। अगर हम सही चीजें करते रहेंगे, तो नतीजे खुद मिलेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स अब महिला प्रीमियर लीग 2026 में अपना अगला मुकाबला 24 जनवरी को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलेगी।

शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एआई वाइस ट्रांसलेट फीचर को पांच नई भारतीय भाषाओं तक बढ़ाने का फैसला

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत के कंटेंट क्रिएटर्स के लिए इंस्टाग्राम ने महत्वपूर्ण अपडेट की घोषणा की है। इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अपने एआई वाइस ट्रांसलेट फीचर को पांच नई भारतीय भाषाओं तक बढ़ाने का फैसला किया है। यूज़र्स जल्द ही रिल्स को बंगाली, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी भाषाओं में भी ट्रांसलेट कर सकेंगे।

कंपनी के मुताबिक, यह फीचर आने वाले महीनों में चरणबद्ध तरीके से रोलआउट किया जाएगा। इससे पहले अक्टूबर 2025 में इंस्टाग्राम ने रिल्स के लिए अंग्रेज़ी, हिंदी, स्पेनिश और पुर्तगाली भाषाओं में एआई–आधारित डबिंग और लिप–सिंक फीचर पेश किया था। अब भारतीय भाषाओं के जुड़ने से देश के क्रिएटर्स को अपनी पहुंच बढ़ाने और ग्लोबल ऑडियंस तक पहुंचने में बड़ी मदद मिलेगी। मेटा का कहना है कि इस एआई फीचर की खास बात यह है कि इसमें क्रिएटर की आवाज़ का टोन और भावनाएं पहले जैसी ही बनी रहेंगी। यानी ट्रांसलेट होने के बावजूद रिल्स नैचुरल और असली लगेंगी। इसके साथ ही लिप–सिंक तकनीक भी दी जाएगी, जिससे बदली गई आवाज़ क्रिएटर के होंठों की मूवमेंट से मेल खाएगी। जब कोई यूज़र इंस्टाग्राम पर रिल्स अपलोड करेगा, तो उसे 'ट्रांसलेट यूवर वाइस विथ मेटा एआई' का ऑप्शन दिखाई देगा।

फिलहाल यह फीचर सीमित भाषाओं में उपलब्ध है, लेकिन नए अपडेट के बाद भारतीय भाषाएं भी इसमें शामिल हो जाएंगी। इसके अलावा इंस्टाग्राम ने अपने एडिटस ऐप को लेकर भी बड़ी घोषणा की है। ऐप में अब भारतीय फॉन्ट्स जोड़े जा रहे हैं, जिनमें देवनागरी, बंगाली और असमिया स्क्रिप्ट शामिल होंगी। यूज़र्स हिंदी, मराठी, बंगाली और असमिया जैसी भाषाओं में टेक्स्ट और कैप्शन को बेहतर तरीके से डिजाइन कर सकेंगे।

आरबीआईकी रिपोर्ट: महंगे प्रीमियम के चलते बीमा पॉलिसी सरेंडर कर रहे लोग, मैच्योरिटी तक सिर्फ 35% पॉलिसीधारक

नई दिल्ली। प्रीमियम महंगा होने और पॉलिसियों को गलत वादे के साथ बेचने से पॉलिसीधारक तेजी से परिपक्वता से पहले ही बीमा पॉलिसी सरेंडर कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक, कभी–कभी मिलने वाला रिटर्न वादे के मुताबिक नहीं होता है। कई बार और भी कारणों से पॉलिसी फायदेमंद नहीं लगती है। इस कारण से पॉलिसी के सरेंडर में तेजी आ रही है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडाई) कई वर्षों से इस समस्या पर ध्यान दिला रहा है। इसकी रिपोर्ट इस बात को दोहराती है कि जीवन बीमा क्षेत्र में गलत तरीके से बेची जाने वाली पॉलिसी बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। इसमें कहा गया है कि बीमा उत्पादों को नियमों, शर्तों या उपयुक्तता के बारे में उचित जानकारी दिए बिना बेचा जा रहा है। लेकिन गलत तरीके से बेची जाने वाली पॉलिसी से परे नए नियामक आंकड़े गहरी, अधिक संरचनात्मक समस्या की ओर इशारा करते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आया फर्क

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल क्रूड की कीमतों में आये बदलाव से देश भर में पेट्रोल डीजल की कीमतों पर भी प्रभाव पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 64 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गयी हैं जिससे घरेल बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर असर पड़ा है। इससे यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 14 पैसे बढीं हैं जिससे ये 94.88 रुपये लीटर पहुंच गया। वहीं डीजल की कीमतों में भी 17 पैसे की बढ़त रही जिससे ये 87.98 रुपये लीटर पहुंच गया है। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल की कीमतें 12 पैसे कम हुई हैं जिससे ये 94.58 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे सस्ता होने के बाद 87.67 रुपये लीटर आ गया जबकि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल की कीमतें 20 पैसे बढ़ी जिससे ये 105.73 रुपये लीटर पहुंच गया है। दूसरी ओर डीजल की कीमतें 19 पैसे बढ़ी हैं जिससे ये 91.96 रुपये लीटर आ गयी हैं कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे में गिरावट रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.83 डालर गिरकर 64.09 डालर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई का भाव करीब 0.90 डालर बढ़त के साथ 60.34 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर। वहीं चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर व कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया।

ट्रम्प टैरिफ और ग्लोबल टेंशन: विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक स्तर पर बढ़ते व्यापारिक तनाव की वजह से रुपया में गिरावट

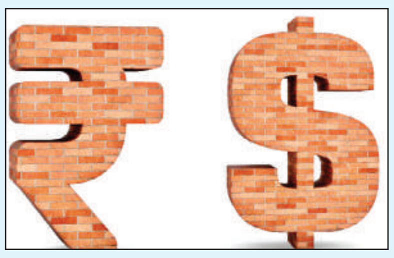

मुंबई। भारतीय रुपया मंगलवार को 1 डालर के मुकाबले 91 के आल टाइम लो पर पहुंच गया। रुपया डालर के मुकाबले 90.93 पर खुला और दिन के कारोबार के दौरान 91.01 के रिकार्ड निचले स्तर तक गिर गया। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक स्तर पर बढ़ते व्यापारिक तनाव की वजह से रुपया में यह गिरावट देखी जा रही है। साल 2026 की शुरुआत से ही रुपया दबाव में है। पिछले साल दिसंबर 2025 में पहली बार रुपया 90 के स्तर के पार गया था। अब महज 20 दिनों के भीतर यह 91 के स्तर को भी पार कर गया है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नई टैरिफ नीतियों और ग्लोबल टेंशन के चलते दुनिया भर के निवेशक गोल्ड और डालर में निवेश बढ़ा रहे हैं। रुपया 92 तक गिर सकता है सीआर फारेक्स एडवाइजर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित पाबारी का कहना है कि अगर रुपया 91.07 के स्तर को पार कर जाता है, तो यह जल्द ही 91.70 से 92.00 के दायरे में पहुंच सकता है।

नई कॉम्पैक्ट एमपीवी निसान ग्राविट जल्द होगी लांच

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

निसान मोटर इंडिया अपनी नई कॉम्पैक्ट एमपीवी निसान ग्राविट को अगले हफ्ते लॉन्च करेगी। निसान मोटर इंडिया साल 2026 की शुरुआत एक नए और अहम प्रोडक्ट के साथ करने जा रही है। यह मॉडल निसान की आने वाले डेढ़ साल की प्रोडक्ट रणनीति का पहला कदम माना जा रहा है, जिसके तहत कंपनी भारत में तीन नई गाड़ियां पेश करने वाली है।

ग्राविट के बाद 4 फरवरी को टेक्टॉन नाम की 5–सीटर सी–सेगमेंट एसयूवी पेश की जाएगी, जबकि एक बड़ी थ्री–रो सी–एसयूवी को 2027 में प्रोडक्शन में लाने की योजना है। खास बात यह है कि ये सभी मॉडल भारत में ही तैयार किए जाएंगे और चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक्सपोर्ट भी किए जाएंगे। ग्राविट की लॉन्चिंग ऐसे समय में हो रही है, जब निसान का निर्यात कारोबार लगातार मजबूती दिखा रहा है।

दिसंबर 2025 में कंपनी ने 13,470 वाहनों का एक्सपोर्ट किया, जो पिछले एक दशक से अधिक समय का उसका सर्वश्रेष्ठ मासिक प्रदर्शन रहा। वहीं, पूरे साल 2025 में निसान का कुल एक्सपोर्ट 12 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर गया। ऐसे में ग्राविट से कंपनी को घरेलू बाजार के साथ–साथ वैश्विक स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। डिजाइन के मामले में निसान ग्राविट को रेनॉल्ट ट्राइबर वाले सीएमएफ–ए प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है, लेकिन इसका लुक पूरी तरह अलग और ज्यादा प्रीमियम रखा गया है। इसके फ्रंट में चौड़ा ब्लैक–आउट ग्रिल, स्लिम एलईडी लाइट स्ट्रिप और इंटीग्रेटेड हेडलैम्प्स दिए गए हैं।

कंपनी का फोकस केबिन में स्पेस, कंफर्ट और रोजमर्रा की जरूरतों पर रहेगा। पावर के लिए इसमें 1.0–लीटर पेट्रोल इंजन दिया जाएगा, जो नेचुरली एस्पिरेटेड और टर्बो दोनों विकल्पों में उपलब्ध हो सकता है। बोनट पर उभरी लाइन्स और सामने लिखा ग्रावीट नाम इसे अलग पहचान देता है। रियर में कनेक्टेड एलईडी टेललैंप्स, सीधा टेलगेट और रूफ स्पॉइलर मिलता है, जबकि बंपर पर स्किड प्लेट जैसे एलिमेंट्स इसे स्पोर्टी लुक देते हैं। इंटीरियर में ग्राविट थ्री–रो सीटिंग लेआउट के साथ आएगी और इसमें मॉड्यूलर सीट्स मिलने की उम्मीद है।

बड़ी और प्रीमियम 7-सीटर एसयूवी की लगातार बढ़ रही मांग

नई दिल्ली। भारतीय आटोमोबाइल बाजार में अब बड़ी और प्रीमियम 7–सीटर एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है। इसी को देखते हुए कई प्रमुख आटो कंपनियां आने वाले महीनों में भारत में नई 7–सीटर एसयूवी लान्च करने की तैयारी में हैं। इन अपकमिंग माडल्स में पेट्रोल और डीजल के साथ–साथ इलेक्ट्रिक पावरट्रेन का विकल्प भी देखने को मिलेगा। कुछ एसयूवी मौजूदा गाड़ियों के अपडेटेड वर्जन होंगी, जबकि कुछ पूरी तरह नए प्लेटफार्म और डिजाइन के साथ बाजार में उतरेंगी। फाक्सवैगन टेरान आर लाइन– के जरिए कंपनी प्रीमियम थ्री–रो एसयूवी सेगमेंट में एंट्री करने जा रही है, जिसमें दमदार टर्बो पेट्रोल इंजन और आल–व्हील ड्राइव सिस्टम मिलने की उम्मीद है। एमजी मोटर अपनी नई एसयूवी मैजेस्टर को भारतीय बाजार में लान्च करने की तैयारी में है, जिसे ग्लोस्टर के अपग्रेड के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, निसान भी भारतीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए नई 7–सीटर एसयूवी और एमपीवी पर काम कर रही है। महिंद्रा अपनी लोकप्रिय स्कार्पियो–एन का फेसलिफ्ट वर्जन लाने की योजना बना रही है, जिसमें नए फीचर्स और टेक्नोलाजी का अपडेट देखने को मिल सकता है। इसके अलावा रेनाल्ट भी नई जनरेशन डस्टर के 7–सीटर वर्जन के रूप में बोरियल एसयूवी उतारने की तैयारी में है। फैमिली यूज, लंबी यात्राओं और बेहतर रोड प्रेजेंस के चलते ग्राहक अब तीन पंक्ति वाली एसयूवी को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं।

चेटजीपीटी पर जल्द होगी विज्ञापनों की टेस्टिंग

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

चेटजीपीटी जल्द ही एक बड़े बदलाव के दौर से गुजरने वाला है। आने वाले हफ्तों में चेटजीपीटी पर विज्ञापनों की टेस्टिंग शुरू की जाएगी। यह पहली बार होगा जब इस लोकप्रिय एआई चैटबाट में यूज़र्स को विज्ञापन देखने को मिलेंगे। शुरुआत में यह टेस्ट केवल अमेरिका के यूज़र्स के लिए सीमित रहेगा, जबकि भविष्य में इसे अन्य देशों में भी लागू किया जा सकता है। ओपनएआई के अनुसार, शुरुआती चरण में चेटजीपीटी के फ्री और गो प्लान इस्तेमाल करने वाले यूज़र्स को ही विज्ञापन दिखाए जाएंगे। वहीं प्लस, प्रो, इंटरप्राइस और बिजनेस जैसे पेड सब्सक्रिप्शन प्लान पूरी तरह ऐड–फ्री बने रहेंगे। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि जो यूज़र भुगतान कर रहे हैं, उनके अनुभव में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा। ओपनएआई ने यह भी साफ किया है कि विज्ञापनों का चेटजीपीटी के जवाबों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एआई द्वारा दिए जाने वाले उत्तर पूरी तरह स्वतंत्र रहेंगे और किसी भी विज्ञापनदाता या स्पान्सर से प्रभावित नहीं होंगे। विज्ञापन चैट के मुख्य जवाबों से अलग दिखाई देंगे और उन पर साफ तौर पर एड या स्पासोर्ड का लेबल लगा होगा, ताकि यूज़र आसानी से अंतर समझ सकें। कंपनी ने यूज़र प्राइवेसी को लेकर भी आश्वासन दिया है।

ओपनएआई का कहना है कि विज्ञापनदाताओं के साथ किसी भी तरह की पर्सनल बातचीत या कन्वर्सेशनल डेटा शेयर नहीं किया जाएगा। विज्ञापनों के लिए केवल सीमित और गैर–व्यक्तिगत जानकारी का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा यूज़र्स को पर्सनलाइज़्ड विज्ञापन बंद करने और ऐड टारगेटिंग से जुड़ा डेटा क्लियर करने का विकल्प भी मिलेगा। ओपनएआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसका उद्देश्य चेटजीपीटी को सोशल मीडिया प्लेटफार्म में बदलना नहीं है। यूज़र्स को ऐप में ज्यादा समय तक रोकने के लिए जवाबों को जानबूझकर लंबा या भ्रामक नहीं बनाया जाएगा। फोकस हमेशा सही, उपयोगी और भरोसेमंद जानकारी देने पर रहेगा।

एमएमआरडीए ने हासिल किया 96 अरब का निवेश

दावोस। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 2026 में महाराष्ट्र ने पहले ही दिन वैश्विक निवेश के मंच पर अपना परचम लहरा दिया है। मुंबई मेट्रोपालिटन रीजन डेवलपमेंट अथारिटी ने शिखर सम्मेलन के शुरुआती दिन ही 96 बिलियन डालर (लगभग 8.73 लाख करोड़ रुपये) के निवेश प्रस्तावों को सुरक्षित कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इन समझौतों के तहत 10 बड़े मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनसे मुंबई मेट्रोपालिटन रीजन में करीब 9.6 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। मुंबई 3.0 का ब्लूप्रिंट तैयार दावोस में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में इन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पहले ही दिन 96 बिलियन डालर का निवेश महाराष्ट्र की क्षमता में वैश्विक निवेशकों के अटूट विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने इसे मुंबई 3.0 का खाका बताते हुए कहा कि यह राज्य को 1 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। वहीं, उप–मुख्यमंत्री और एमएमआरडीए के चेयरमैन एकनाथ शिंदे ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि ये परियोजनाएं ठाणे, मुंबई और कल्याण जैसे क्षेत्रों को सस्टेनेबल इन्फ्रास्ट्रक्चर और इनोवेशन के ग्लोबल हब में बदल देंगी।

सर्राफा बाजार में रिकार्ड बनने का सिलसिला जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में रोज नए रिकार्ड बनने का सिलसिला जारी है। सर्राफा बाजार में जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना शुरुआती कारोबार में 3,250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,520 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी ने भी 15,000 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी छलांग है। कीमत में आई तेजी के कारण सोना और चांदी ने एक बार फिर नए शिखर पर पहुंच कर कारोबार कर रहे हैं।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,770 रुपये से लेकर 1,49,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,37,310 रुपये से लेकर 1,37,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 3,20,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,49,920 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,49,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

निकलो...

कारण हर साल औसतन 5,552 मौतें दर्ज की गईं। अकेले 2023 में, शहर में प्रदूषण से संबंधित 1,597 मौतें हुईं, जिससे यह प्रदूषण से होने वाली मौतों के मामले में भारत का छठा सबसे घातक शहर बन गया। लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वायु प्रदूषण के कारण हैदराबाद के निवासियों की जीवन प्रत्याशा में 3.2 वर्ष की कमी नजर आ रही है।

अदृष्य गैसों का बढ़ता जाल

पर्यावरणविदों का तर्क है कि हैदराबाद की प्रदूषण समस्या के केंद्र में वाहनों की बढ़ती संख्या है। शहर का दैनिक वाहन प्रदूषण भार 1,500 टन है, जो कुल वायु प्रदूषण का लगभग एक–तिहाई है। इसमें 56% से अधिक हिस्सा दोपहिया वाहनों का है। पर्यावरण शोधकर्ता नरसिम्हा रेड्डी दोंती के अनुसार, ट्रैफिक सिग्नल पर वाहनों का ङ्गआइडलिंगफ (इंजन चालू रखकर खड़े रहना) कार्बन मोनोऑक्साइड और सूक्ष्म कणों को उत्सर्जित करता है, जो घंटों जमा रहते हैं।

वाहनों के कारण नाइट्रोजन डाइऑक्साइड का स्तर भी खतरनाक हो गया है। 2023 में 365 दिनों में से 307 दिन हैदराबाद में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड का स्तर असुरक्षित पाया गया। इसके अतिरिक्त, हैदराबाद के औद्योगिक क्षेत्रों (जैसे पटनचेरु, बोलारम, जीडीमेटला) में स्थित 2,000 से अधिक फार्मा और केमिकल इकाइयां प्रदूषण में इजाफा कर रही हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कचरा जलाने की घटनाएं और औद्योगिक गैसों के कारण फेफड़ों की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं आम हो गई हैं।

अब नई रणनीति की तैयारी

नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) के तहत ङ्गनॉन–अटेंडमेंटफ शहर होने के बावजूद, हैदराबाद ने 2024 में अपने 20 करोड़ रुपये के आवंटन में से केवल 11.19 करोड़ रुपये खर्च किए। प्रदूषण कम करने के लिए बनाए गए अधिकांश उपाय या तो खराब तरीके से लागू किए गए या छोड़ दिए गए। अब जीएचएमसी ने हैदराबाद की स्वच्छ–हवा रणनीति पर फिर से काम करने के लिए एक समिति (सीएलएमआईसी) का गठन किया है।

अधिकारियों ने पंजागुट्टा–पटनचेरु और चारमीनार–नामपल्ली जैसे चार मुख्य प्रदूषण गलियारों की पहचान की है। योजना में इलेक्ट्रिक बसें तैनात करना, निर्माण कचरे के प्रबंधन को सख्त करना और प्रदूषण नियमों को सख्ती से लागू करना शामिल है। आईआईटी दिल्ली के शोधकर्ताओं का कहना है कि केवल नीति बनाने से काम नहीं चलेगा, जब तक कि उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई और सार्वजनिक परिवहन में आमूल–चूल बदलाव न किया जाए।

शिंदे–राज और...

इस गठबंधन को समर्थन दे सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो गठबंधन 62 के बहुमत आंकड़े को पार कर लेगा और बीजेपी के साथ सत्ता साझा करने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

महायुति में दरार के संकेत

दिलचस्प बात यह है कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति का हिस्सा होने के बावजूद, कल्याण–डोंबिवली में शिवसेना और बीजेपी आमने–सामने आ गई हैं। बीजेपी ने 2.5 साल के रोटेशन फॉर्मूले के तहत मेयर पद साझा करने की मांग की थी, जबकि शिंदे गुट पूरे कार्यकाल के लिए मेयर पद अपने पास रखना चाहता है। यही टकराव अब राजनीतिक टकराव में बदलता दिख रहा है।

पहले भी दिख चुके हैं ऐसे प्रयोग

इस महीने की शुरुआत में दिसंबर 2025 में हुए। अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव में बीजेपी ने कांग्रेस के साथ, अकोला नगर परिषद में एआईएमआईएम के साथ गठबंधन किया था।हालांकि बाद में बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने इन प्रयोगों पर सख्ती दिखाई, वहीं कांग्रेस ने अंबरनाथ में अपने 12 पार्षदों को निलंबित कर दिया।

बीएमसी मेयर पर भी बना हुआ है सस्पेंस

यह सारा घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब मुंबई की बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को लेकर भी राजनीतिक असमंजस बना हुआ है।

227 सदस्यीय बीएमसी में बहुमत के लिए 114 सीटें चाहिए, जबकि महायुति ने 118 वार्ड जीतकर बहुमत हासिल कर लिया है। इसके बावजूद मेयर पद को लेकर सहमति नहीं बन सकी है।

स्थिति तब और नाटकीय हो गई, जब खरीद–फरोख्त की आशंका के चलते मुख्यमंत्री शिंदे ने 29 नवनिर्वाचित शिवसेना पार्षदों को एक फाइव–स्टार होटल में ठहराया। उन्हें जीत के प्रमाणपत्र और गजट अधिसूचना जारी होने के बाद ही होटल से जाने की अनुमति दी गई।कल्याण–डोंबिवली से लेकर मुंबई तक, नगर निगम चुनावों ने यह साफ कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति में गठबंधन अब विचारधारा से ज्यादा सत्ता गणित पर आधारित होते जा रहे हैं। यह घटनाक्रम महायुति के भीतर मौजूद अंदरूनी खींचतान और असहज रिश्तों को भी उजागर करता है।

फिर कुत्तों ...

सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर कर दिया, जिसमें सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के अंदर व आसपास 40 कम्युनिटी डॉग्स की सामूहिक हत्या की सीबीआई–जैसी कोर्ट–निगरानी जाँच और एफ़आईआर दर्ज करने का निर्देश माँगा गया था। मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जीएम मोहीउद्दीन की खंडपीठ ने अधिवक्ता वी. ऋषिहास रेड्डी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह मामला आवारा कुत्तों से जुड़े सामान्य मुद्दों के दायरे में आता है, जो पहले से सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं, इसलिए रजिस्ट्री इस पीआईएल को वहीं भेजे, ताकि एक साथ सुना जा सके। याचिकाकर्ता का आरोप है कि रंगारेड्डी ज़िले के नंदीगाम मंडल के तहसीलदार के इशारे पर मोदल्लागुडा ग्राम पंचायत के सरपंच और विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने मिलकर कुत्तों को पकड़ा और मार डाला।

सोशल मीडिया पोस्ट से लेकर ङ्गरिटायर्ड जज कमीशनफतक की माँग

सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने टिप्पणी की कि याची की ओर से पेश सामग्री ज़्यादातर सोशल–मीडिया पोस्ट हैं, जिनसे गंभीर आरोपों की पुष्टि कमजोर पड़ रही है। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि विश्वविद्यालय के छात्रों और स्टाफ़ ने कुत्तों की मौत की सूचना दी और ग्राम पंचायत के अधिकारियों ने भी घटना की पुष्टि की।

यहाँ संदेह का साफ माहौल है, यूनिवर्सिटी और अफ़सरों को सफ़ाई देनी होगी, कहते हुए वकील ने तत्काल एफ़आईआर, कोर्ट–निगरानी जाँच और पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 तथा सुप्रीम कोर्ट के आवारा कुत्ता प्रबंधन आदेशों की अनुपालना की माँग की। साथ ही याची ने राज्य द्वारा पशु–कल्याण कानूनों की विफलता की पड़ताल के लिए एक स्वतंत्र जाँच आयोग जिसकी अध्यक्षता उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगठित करने की प्रार्थना की। अदालत ने रिकॉर्ड बनाया कि याची भले ही इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट के मामलों से 'अलग' बताना चाहे, पर मूलतः यह आवारा कुत्तों से जुड़े सामान्य मुद्दों का ही हिस्सा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 22 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर में तृतीय वार्षिकोत्सव कल

बसंत पंचमी पर प्राण प्रतिष्ठा प्रथम दर्शन दिवस का आयोजन

अलौकिक दरबार, दिव्य श्रृंगार व भजन संध्या विशेष आकर्षण

कोलकाता व अजमेर के कलाकार देंगे भजनों की प्रस्तुति

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महिन्द्रा हिल्स, सिकंदराबाद में प्राण प्रतिष्ठा0प्रथम दर्शन दिवस एवं बसंत पंचमी के पावन अवसर पर 23 जनवरी को मंदिर का तृतीय वार्षिकोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया जाएगा। यह जानकारी मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया ने यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी। विज्ञप्ति के अनुसार तृतीय वार्षिकोत्सव के अवसर पर भक्तों के दर्शनार्थ मंदिर प्रातः 7:30 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक तथा सायं 4:30 बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक खुला रहेगा। प्रातः 8:30 बजे से बाबा श्याम के बसंती वस्त्र भक्तों में प्रसाद स्वरूप वितरित किए जाएंगे।

इस अवसर पर मंदिर को भव्य रूप से सजाया-संवारा जाएगा। अलौकिक दरबार एवं दिव्य श्रृंगार विशेष आकर्षण रहेंगे। श्याम दिवानों द्वारा सायं 6:31 बजे से मध्यरात्रि तक भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कोलकाता के सुप्रसिद्ध गायक गोविंद दमानी एवं अजमेर की पिंकी गहलोत सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे।

विज्ञप्ति में बताया गया कि श्याम प्रेमी भक्त मंदिर में श्रृंगार सेवा, बाबा की बागा सेवा, प्रसाद सेवा, सवामणि सेवा, छप्पन भोग सेवा, पुष्प सेवा, फल सेवा आदि के लिए अरुण डाकोतिया, विजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, अक्षय डाकोतिया, बृजेश मोदी, राहुल अग्रवाल, रुपेश सिंघानिया, सुरेश अग्रवाल (नाचराम) एवं अनिल कुमार (रानीगंज) से संपर्क कर सकते हैं। मंदिर के तृतीय वार्षिकोत्सव के अंतर्गत उपरोक्त सेवाओं में भक्तों से बढ़-चढ़कर सहयोग का आग्रह किया गया है। साथ ही ग्यारस कीर्तन हेतु सभी इच्छुक संस्थाओं को सादर आमंत्रित किया गया है। श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी अशोक सिंघानिया, रवि सबलका, राहुल अग्रवाल एवं सुरेश अग्रवाल ने सभी भक्तों एवं श्याम प्रेमी संस्थाओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर बाबा श्याम के दर्शन, भजन एवं प्रसाद का लाभ प्राप्त करें।

सेवानिवृत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बाजपेई ने बुधवार को डीजीपी शिवधर रेड्डी (आईपीएस) से शिष्टाचार भेंट कर मकर संक्रांति की बधाई दी एवं अभिनंदन किया।

23 जनवरी बसंत पंचमी के दिन पहाड़ी श्याम मन्दिर में आयोजित ङ्कतृतीय वार्षिकोत्सवफमें पधारने हेतु डिप्टी कमीश्नर ऑफ पुलिस मलकाजगिरी श्रीधर आईपीएस, विधायक मल्ला रेड्डी, एसीपी गोपालपुरम् पी. सुबय्या, डॉ. मनीषा एवं वैशाली (कनाडा) को आमंत्रित करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, विजय अग्रवाल, रमाकान्त गोयल एवं लड्डू महाराज ।

कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश मंत्रिमंडल का विस्तार

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश के मंत्रिमंडल का विस्तार कुमावत समाज किसरा भवन में आयोजित एक भव्य सभा में किया गया। सभा की अध्यक्षता सुखराज घोड़ावड़ ने की, जबकि सभा के सभापति सोहनलाल मानणिया रहे। इस अवसर पर सुखराज घोड़ावड़ ने अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत एवं संपूर्ण मंत्रिमंडल को उनकी मातृभाषा हिंदी में शपथ दिलाई।

यह शपथ ग्रहण समारोह तेलंगाना प्रांत की विभिन्न शाख-ाओं के अध्यक्षों एवं समाज के आजीवन सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

घोषित मंत्रिमंडल इस प्रकार है- परामर्शदाताः भंवरलाल आलोदिया, मदनलाल मोटावत, धर्मीचंद रेणवाल, माणकचंद घोड़ावड़, सोहनलाल मानणिया, सुखराज घोड़ावड़, बंशीलाल रेणवाल, ओमप्रकाश हांगर, आसुराम चांदोरा, चैनाराम रेणवाल।

अध्यक्षः तिलायचा सोनाराम कुमावत। सचिवः धर्माराम डेया। कोषाध्यक्षः सांगर पवन पटेल। **प्रचार मंत्रीः** राकेश हिंदड़। वरिष्ठ

उपाध्यक्षः राजुराम बाकरेचा, नारायणलाल घोड़ावड़, बुधाराम होतवाल, ओमप्रकाश भोबरिया।

उपाध्यक्षः रामकिशोर भलडीवाल, मांगीलाल बावलेचा, सुनील पटेल।

सह सचिवः शिंभूराम मोटावत, प्रकाश मालवीया, श्यामलाल बाकरेचा, पप्पुराम मोटावत, पेमाराम मावर, बगदाराम बाकरेचा, नौरतमल होतवाल।

सह कोषाध्यक्षः जयप्रकाश चांदोरा, बाबूलाल घोड़ावड़, रूपाराम मालीवाड़, अणदाराम मनावत। **सह प्रचार मंत्रीः** चैनाराम रेणवाल, राजूराम खेड़ावत, मो-हनलाल मावर, माणकचंद मेड़तिया।कार्यक्रम में विभिन्न शाख-ाओं से आए पदाधिकारी एवं अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें कुमावत समाज ज्ञानबाग कॉलोनी अध्यक्ष रूपाराम भोबरिया, कुमावत समाज किसरा अध्यक्ष पप्पूलाल बाकरेचा, कुमावत समाज काली मंदिर अध्यक्ष पोकरराम गोयल, कुमावत समाज बोराबाडा अध्यक्ष राजूराम बाकरेचा, कुमावत समाज बालाजी नगर अध्यक्ष पूनमचंद डेया, कुमावत समाज संगारेड्डी अध्यक्ष कानाराम दुबलदिया, कुमावत समाज मालकाराम अध्यक्ष गोविंदराम बाकरेचा, कुमावत समाज कुकटपल्ली सचिव महेंद्र दुबलदिया, कुमावत समाज चंगिचेराला से गैर मंडली अध्यक्ष नेमाराम मावर, कुमावत समाज बोलाराम से चैनाराम मालवीया सहित बिलाड़ा से पधारे अतिथिगण एवं कुमावत समाज तेलंगाना के आजीवन सदस्य शामिल रहे।

हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी 23 से

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाईलाइफ ने शादी ब्याह के मौसम को ध्यान में रखते हुए तीन दिवसीय ब्राइड्स प्रदर्शनी का आयोजन कल दि. 23 जनवरी से हाईटेक सिटी स्थित एचाईसीसी नोवोटेल में किया जा रहा है। हाईलाइफ ब्राइड्स में देश भर के डिज़ाइनर अपने नये कलेक्शन के साथ भाग लेंगे। हाईलाइफ की ब्राइड्स प्रदर्शनी का लोगों को इंतज़ार रहता है, जहाँ वह अपने लिए आवश्यक सामग्री एक ही स्थान से खरीद सकते हैं। विशेषकर नये एवं समकालीन फैशन को प्रतिबिंबित करने वाले परिधान एवं आभूषणों के लिए कई तरह के विकल्प खुले रहते हैं। प्रदर्शनी में विवाह उत्सवों से जुड़े परिधानों एवं आभूषणों के अलावा वर-वधु

के लिए विभिन्न प्रकार की उपयोगी सामग्री के स्टॉल स्थापित किये जाएँगे। विशेषकर आभूषणों के लिए देश भर के प्रमुख फैशन डिज़ाइनरों को प्रदर्शनी में आमंत्रित किया गया।

आयोजकों ने बताया कि हाईलाइफ प्रदर्शनी का आयोजन 23 से 25 जनवरी, 2026 तक होगा। यह अपनी सबसे बड़ी ब्राइडल फैशन प्रदर्शनी होगी, जिसमें दुल्हनों के परिधान, आभूषण, विशेष अवसरों पर उपयोगी डिज़ाइनर वस्त्र, साड़ियाँ एवं अन्य सामग्री का व्यापक कलेक्शन विकल्पों के साथ उपलब्ध होगा।

आरपीएफ़ ब्रास बैंड ने बेगमपेट व नेकलेस रोड स्टेशनों पर बिखेरा देशभक्ति का रंग

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार रेल संरक्षण बल (आरपीएफ़), हैदराबाद-सिकंदराबाद मंडल ने गणतंत्र दिवस-2026 समारोहों के अंतर्गत बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ़ ब्रास बैंड की शानदार प्रस्तुति आयोजित की। कार्यक्रम 21 जनवरी को प्लेटफॉर्म संख्या 02 की ओर सर्कुलेटिंग एरिया में शाम 6 बजे से शुरू हुआ। कर्मचारी भविष्य निधि आयुक्त कार्यालय (एएससी-2, हैदराबाद मंडल) की श्रीमती श्रीदेवी, सभी स्टेशन सुपरवाइज़र व स्टॉफ़ जिनमें इंस्पेक्टर श्रीमती एस कल्पना व आरपीएफ़ बेगमपेट की एसआईपीएफ श्रीमती सैयद तहसीन प्रमुख हैंने बैंडोबस्त कर अधिकारियों व यात्रियों का स्वागत किया और समारोह में शिरकत की। ब्रास बैंड ने देशभक्ति से ओत-प्रोत स्वदेशी धुनों की प्रस्तुति दी, जिसका यात्रियों और आम जनता ने भरपूर आनन्द लिया। कार्यक्रम ने गणतंत्र दिवस उत्सव के दौरान राष्ट्रप्रेम की भावना को और भी प्रखर कर दिया।

एक शाम गौमाता के नाम भजन संध्या में झूमे गोभक्त

श्री आईजी गौशाला में भव्य जागरण का आयोजन

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कापरा बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में एक शाम गौमाता के नाम भजन संध्या एवं जागरण का भव्य आयोजन किया गया। इस संबंध में जारी प्रेस विज्ञप्ति में रामनारायण जाट ने जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन श्री वीर तेजाजी कर्टन एसोसिएशन मारवाड़ी ग्रुप, सिकंदराबाद0हैदराबाद के तत्व-ावधान में किया गया। जागरण का शुभारंभ राजस्थान से पधारे प्रसिद्ध भजन गायक बाबूलाल चौधरी, बनवारीलाल शर्मा एवं पार्टी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ किया गया।इसके पश्चात कलाकारों ने राजस्थानी लोक भजनों की शानदार प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित गोभक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वीर तेजाजी महाराज के भजनों के साथ-साथ भजनों के माध्यम से गौमाता की महिमा

का भावपूर्ण बखान किया गया। देर रात्रि तक भक्ति की सरिता बहती रही। कार्यक्रम स्थल पर प्रसादी की भी व्यवस्था की गई थी। आयोजक श्री वीर तेजाजी कर्टन एसोसिएशन मारवाड़ी ग्रुप द्वारा सभी गौभक्तों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कांग्रेस युवा नेता विकास शर्मा, सीरवी समाज बालाजी नगर बेडर के सचिव हिरालाल चोयल, अशोक प्रजापत एवं जगदीश मालवीय का राजस्थानी साफा पहनाकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर श्री आईजी गौशाला के अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालूराम काग, सचिव हुक्माराम सानपुरा, सह सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, भंगाराम मुलेवा, भंवरलाल मुलेवा, अचलाराम हाम्बड़ सहित सर्व समाज के अध्यक्ष एवं सचिव समाजबंधुओं को भी राजस्थानी साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का लाइव प्रसारण बीआरएस राजस्थानी चैनल पर भगवानराम राठौड़ एवं बबुल टीम द्वारा किया गया। श्री वीर तेजाजी कर्टन एसोसिएशन मारवाड़ी ग्रुप, सिकंदराबाद0हैदराबाद के समस्त गौभक्तों ने दान-पुण्य का लाभ लिया।

कार्यक्रम के अंत में श्री आईजी गौशाला के अध्यक्ष मंगलाराम पंवार ने सभी गोभक्तों, आयोजकों एवं सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

अग्रवाल समाज गच्चीबावली का नव वर्ष-मकर संक्रांति कार्यक्रम भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज गच्चीबावली शाखा एवं महिला विंग का नव वर्ष व मकर संक्रांति कार्यक्रम प्ले डेरीज बैंक्विट हॉल, कोंडापुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना की गई।शाखा अध्यक्ष के.पी. अग्रवाल ने शुभकामनाएं दीं, प्रिविलेज कार्ड की जानकारी साझा की तथा फूलों की होली का अगला कार्यक्रम घोषित किया। महिला विंग अध्यक्ष गीता अग्रवाल ने कविता के माध्यम से शुभकामनाएं दीं तथा सदस्यता बढ़ाने पर जोर दिया। एंकर विनीता ने अंताक्षरी, खेल आयोजित किए। प्रमुख विजेता: युगल खेल: गुब्बारा नृत्यअमित-शिवानी; जीवनसाथी अनुमानवरुण-शालिनी।

महिला खेल: नेहा अग्रवाल, सुरुचि अग्रवाल, रेशु जैन।

सामान्य खेल: कमलेश अग्रवाल की टीम।अंताक्षरी: टीम ए (वरुण-वीरेश), टाई में मीतू सिंगला-रेशु जैन।

केंद्रीय समिति सदस्य एडवोकेट सुरेश अग्रवाल ने उत्कृष्ट सदस्यों को गिफ्ट-दुपट्टा भेंटकर सम्मानित किया, जिनमें शिवानी अग्रवाल, गीता अग्रवाल (लेखन), नेहा-कमलेश-अनूप-शिखा अग्रवाल (गायन), सुशील गुप्ता (कैरम), सुरुचि अग्रवाल (केक प्रतियोगिता) शामिल।नए सदस्यों- शुभम तायल-राखी, प्रणीत-उषा अग्रवाल आदि का स्वागत किया गया। सीनियर सिटीजन दिनेश चंद-नीलिमा गुप्ता को सम्मानित किया। संयोजक प्रवीण गुप्ता व अमित अग्रवाल की मेहनत से कार्यक्रम सफल रहा। डेकोरेशन टीम में गीता-नेहा अग्रवाल आदि मुख्य। बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे, अंत में स्वादिष्ट भोजन किया गया।

सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर के तत्वावधान में सरस्वती पूजा के संबंध में एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 23 जनवरी को प्रातःकाल 10 बजे से गंगा भवानी मंदिर (सत्यनारायण भगवान मंदिर के नजदीक), रामंतापुर के प्रांगण में वसंत उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि वसंत उत्सव के अवसर पर मां सरस्वती का विधिवत पूजन, अक्षराभ्यास, निराला जयंती, अन्नदान एवं मधुर भक्ति भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र से माननीय सांसद ईटेला राजेंद्र को निमंत्रण पत्र सौंपा गया। समिति के सदस्यों द्वारा दिए गए निमंत्रण को उन्होंने सहर्ष स्वीकार करते हुए माता सरस्वती के दरबार में उपस्थित होने की सहमति प्रदान की। इसके अतिरिक्त कई अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम में शामिल होने की स्वीकृति दी।

वसंत उत्सव को सफल बनाने के लिए संपूर्ण कार्यक्रम को कई भागों में विभाजित कर संबंधित पदाधिकारियों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।

बैठक में समिति के सदस्यगण सर्वश्री कमलेश पांडेय, राम प्रकाश गुप्ता, सुरेश सिंह, भगवान सिंह, वी. मंजूनाथ गुप्ता, अजय शर्मा, सुनील सिंह, राजीव कुमार, राजेश शर्मा, संतोष गुप्ता, पंकज झा, अनील झा, सुरेश पासवान, हरेंद्र चौबे, धर्मेंद्र कुशवाहा, उदयचंद्र शर्मा, पवन सिंह, शिवकुमार, विजय शर्मा, शनी सिंह, धनंजय कुमार, श्रवण शर्मा आदि उपस्थित रहे।

समिति की ओर से पूजा एवं वसंत उत्सव में सभी प्रदेशवासियों का हार्दिक स्वागत किया गया है।

राधे-राधे ग्रुप समाज सेवा में कर रहा सराहनीय कार्य : शम्मी हिंदुजा

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और मानवता की भावना के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों, श्रमिकों एवं निराश्रितों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शम्मी हिंदुजा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के क्षेत्र में अत्यंत सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि अन्नदान जैसी सेवाएं समाज के कमजोर वर्ग के लिए संबल बनती हैं और मानवता को मजबूत करती हैं। शम्मी हिंदुजा ने इस पुनीत सेवा कार्य के लिए राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्यों को धन्यवाद एवं शुभकामनाएँ दीं।कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सरडा, भगतराम गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, प्रीतिका अग्रवाल, महेश अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, हरिश तोलाराम हिंदुजा, मनीष अग्रवाल, सुरेश सिंघल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आज से मेरे नाम के आगे लगेगा 'सनातनी' : आचार्य लोकेशजी

मोरारी बापू की रामकथा के पांचवें दिन पहुंचे देश के प्रमुख संत

नई दिल्ली, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजधानी में भारत मंडपम के मंच से जैसे ही आचार्य लोकेशजी ने यह ऐलान किया कि आज से वो अपने नाम के आगे सनातनी लगाएंगे, भारत मंडपम में तालियों की गूंज रूकी नहीं। विश्व शांति मिशन के उद्देश्य से अहिंसा विश्व भारती एवं विश्व शांति केंद्र के तत्वावधान में आयोजित पूज्य मोरारी बापू की रामकथा के पांचवें दिन भारत मंडपम का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा, श्रद्धा और राष्ट्रीय एकता के भाव से ओतप्रोत रहा। कथा में विशेष रूप से इंडिया टीवी के चेयरमैन एवं वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा, बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेन्द्र शास्त्री, भारतीय जनता पार्टी के सांसद पुरुषोत्तम रूपाला, प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक संजीव कृष्ण ठाकुर सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की। कथा स्थल पर उपस्थित संतों, जनप्रतिनिधियों व समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने विश्व शांति, नैतिक मूल्यों और मानवता के लिए रामकथा के वैश्विक संदेश को आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक बताया। अतिथियों ने मोरारी बापू की कथा को केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और शांति के वैश्विक आंदोलन के रूप में निरूपित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने जैन आचार्य लोकेश मुनिजी द्वारा विश्व शांति केंद्र की स्थापना और इस ऐतिहासिक रामकथा के आयोजन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारत की आध्यात्मिक परंपरा को वैश्विक मंच पर नई ऊर्जा देते हैं। आचार्य लोकेशजी ने कहा कि हमें अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक का बंटवारा मिटा देना चाहिए तथा सभी को समान आचार संहिता के हिसाब से चलना चाहिए। इस दौरान बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने राम कथा को जीवन का आधार कहा। वे बोले, मोरारी बापू सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं और हम बालकों के लिए मार्गदर्शक हैं। रजत शर्मा ने राम की सीख से बनने वालों विविध कामों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राम ही सबके काम बनाते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत मंडपम में 9 दिनों तक चलने वाली यह रामकथा विश्व शांति, अहिंसा, सद्भाव और मानवीय मूल्यों के संदेश के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है, जिसमें देश-विदेश की प्रमुख हस्तियां सहभागिता कर रही हैं।

सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स को तितिक्षा अंतरराष्ट्रीय दीपस्तंभ पुरस्कार प्रदान

साहित्य समाज जागृति की कुंजी है : प्रो. डॉ. चोरडिया

पुणे, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुणे के साहित्य, कला और सामाजिक प्रेरणा के क्षेत्र में विशेष स्थान रखने वाली संस्था तितिक्षा इंटरनेशनल ने अपनी दशकपूर्ति वर्धापन उत्सव का बड़े उत्साह के साथ आयोजन किया। नवोदित साहित्यकारों के उत्साह को बढ़ाना, मराठी साहित्य का प्रसार करना, समाज में कलात्मक संवेदनशीलता बढ़ाना और विभिन्न सांस्कृतिक एवं कलात्मक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना इस समारोह का मुख्य उद्देश्य था। सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन के बावधण कैंपस में बंसिरत्न ऑडिटोरियम में आयोजित इस विशेष समारोह में साहित्य, संगीत, कला और समाजसेवा का अद्वितीय समन्वय देखा गया, जिससे उपस्थित लोगों में उत्साह का माहौल बन गया। तितिक्षा इंटरनेशनल समाज में कलात्मक गुणों से युक्त व्यक्तियों और संस्थाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान देने का महत्वपूर्ण कार्य लगातार करती रही है। सम्मान समारोह में, संस्था के उल्लेखनीय कार्य और योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'तितिक्षा अंतरराष्ट्रीय दीपस्तंभ पुरस्कार ' सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स को प्रदान किया गया। सूर्यदत्त की ओर से संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने यह पुरस्कार स्वीकार किया और तितिक्षा इंटरनेशनल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने अपने संबोधन में साहित्य और समाजसेवा क्षेत्र में योगदान की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, साहित्य का प्रभाव केवल पढ़ने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे समाज के हर स्तर तक पहुंचाना आवश्यक है। समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने और प्रभावी समाज जागृति के लिए साहित्य और कला का विस्तार होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने तितिक्षा इंटरनेशनल की पिछले दस वर्षों की सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी और साहित्यिक संस्थाओं द्वारा समाज में मार्गदर्शक भूमिका निभाने पर जोर दिया। इस समारोह में साहित्य सेवा के महत्व को उजागर किया गया और समाज में कलात्मक संवेदनशीलता को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पद्मश्री गिरीश प्रभुणे और पद्मश्री उदय देशपांडे ने किया। दोनों महापुरुषों ने अपने संबोधन में सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण पर जोर दिया। इस अवसर पर समाजसेविका तृप्ती देसाई और सुप्रसिद्ध गायक नंदेश उमप सहित साहित्य, कला और समाजसेवा के अनेक दिग्गज उपस्थित थे। प्रमुख अतिथि के रूप में चंद्रकांत कुलकर्णी (साहित्य एवं कला विभाग), अमित सिंह (संपादक, न्यायाधिकरण) और पुणे के पुलिस उप-आयुक्त (डीसीपी) गणेश जोशी ने अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर बाल पुजारे, क्षमा वैद्य, सुजित दातार, योगेश सुपेकर सहित विभिन्न क्षेत्र के मान्यवर उपस्थित थे। इन सभी की उपस्थिति ने कला, साहित्य और समाज-सेवा का एक अनोखा और समृद्ध अनुभव उपस्थित लोगों को दिया।

कार्यक्रम का स्वागत, प्रस्तावना और धन्यवाद ज्ञापन संस्था की उपाध्यक्ष प्रिया दामले ने किया। तितिक्षा भावार्थ परिवार द्वारा आयोजित यह समारोह नवोदित साहित्यकारों को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत करता है, जिससे मराठी भाषा और साहित्य क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा मिलता है। सूर्यदत्त के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया और उपाध्यक्ष सुषमा चोरडिया के सक्रिय सहयोग और मार्गदर्शन से साहित्यिक एवं कलात्मक कार्यक्रम की गुणवत्ता उच्च स्तर की रही। उनके सामाजिक और शैक्षणिक योगदान ने पूरे समारोह को साहित्य और समाजसेवा का उत्कृष्ट संगम बना दिया।

अग्र महिला मंच तेलंगाना सदस्यों द्वारा नव वर्ष 2026 आगमन पर लोअर टैंक बंड स्थित श्री जगदीश मंदिर में महाराजा श्री अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा, अर्चना की गई,प्रसाद वितरित किया गया । इस अवसर पर मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्राणी अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, प्रभावती अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, सीमा पंसारी, सीमा गर्ग, सरला जिंदल, रूपा अग्रवाल उपस्थित थीं।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा सम्पन्न

श्रद्धा व भक्ति भाव से किया गया गणपति पूजन

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के केबीआर पार्क में स्थित इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर भगवान गणेश का विधिवत पूजन किया और सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। पूजा कार्यक्रम में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, विट्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव), प्रवीण कुमार अग्रवाल वाले, विजय कुमार ताम्बी, पी.सी. जैन, सुभाष अग्रवाल, डॉ. गिरजा किशोर गुप्ता, रामनिवास जी, पंडित अशोक कुमार रूंगटा, मोहनलाल मित्तल, विनोद कुमार टिकमानी, श्रीमती झा, सब विजय रेड्डी, दीपा अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, विजया नवनीता अग्रवाल, जानकी, सुनील कुमार अग्रवाल (सूर्य मसाला), रेखा अग्रवाल, जमुना सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूजन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान गणेश की आरती की गई।

उपस्थित भक्तों ने गणपति बप्पा से समाज में सुख-शांति एवं उन्नति की कामना की। पूजा के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

अत्तापुर में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन चेवेल्ला सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने किया। इस अवसर पर सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता एवं अन्य उपस्थित थे।

महासर माता सहित छह मंदिरों की प्राण-प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन चरम पर

सप्तचंडी यज्ञ, संतों का सान्निध्य व भजन संध्या आकर्षण का केंद्र

देशभर से पधारे संत-महात्माओं ने दिया आशीर्वाद

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री खेमदास मठ, चूड़ी बाजार, बेगम बाजार में स्थित छह मंदिरोंमहासर माता, बावलिया बाबा (पंडित गणेश नारायणजी), अग्रसेनजी महाराज, सिद्ध श्री हरिपुरुषजी महाराज, बाबा श्री खेमदासजी महाराज एवं बाबा श्री बालकदासजी महाराज के मंदिरों की प्राण-प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन पिछले तीन दिनों से अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ संपन्न हो रहा है।

कार्यक्रम के प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल एवं राजकुमार अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिदिन प्रातः 8:31 बजे से सप्तचंडी महायज्ञ का आयोजन हो रहा है, जो आचार्य एवं विद्वान श्री सोनू महाराज तथा महंत श्री मनुदाजी महाराज के सान्निध्य में वैदिक पद्धति एवं मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया जा रहा है। साथ ही देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे आचार्य, मुनि एवं संत अपने भजनों से भक्तिमय वातावरण बना रहे हैं।

यज्ञ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ में आहुति देने एवं दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। कैटरर बद्रीप्रसाद अग्रवाल द्वारा प्रातः अल्पाहार से लेकर रात्रि भोजन तक की उत्तम व्यवस्था कर सभी भक्तों को प्रसादी का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

इस अवसर पर गोशामहल प्रांत के विधायक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टी. राजा सिंह ने पधारकर यज्ञ दर्शन का लाभ लिया। उन्होंने कहा कि श्री खेमदास मठ में निर्मित यह भव्य मंदिर क्षेत्र के भक्तों की आस्था एवं उत्साह को और अधिक सुदृढ़ करता है, तथा मठ को हर संभव सहयोग सदैव प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम में महंत श्री सवार देवाचार्यजी महाराज के सान्निध्य में देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे 50 से अधिक संत-महात्मा भक्तों को दर्शन एवं आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं।

सायंकाल आयोजित भजन संध्या देर रात्रि तक चली, जिसमें चिड़ावा (राजस्थान) से पधारे सुप्रसिद्ध बावलिया बाबा भजन गायक कुमार गौरव पारिख, धानपुर से पधारी प्रसिद्ध भजन गायिका कोमल तिवारी, साथ ही पंकज ओझा एवं संजय दाहिमा ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से भक्तों को भावविभोर कर दिया।

इस आयोजन को सफल बनाने में प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल एवं दिनेश कुमार अग्रवाल के साथ राजकुमार अग्रवाल, अमरनाथ केड़िया, विशंभरलाल निमानी, गोपाल अग्रवाल, विनोद गोयल, नवरतन कानोडिया, विनोद केड़िया, रविंद्र कुमार अग्रवाल, विकास मोदी, दिनेश कुमार सिंघल, आशीष अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, आलोक भालोटिया, मनीष अग्रवाल, चंद्रप्रकाश केड़िया, राधेश्याम अग्रवाल, रितेश कुमार अग्रवाल, रविंद्र अग्रवाल, किशन अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, तुषार अग्रवाल, प्रकाश गर्ग, सोनू वैभव अग्रवाल, शिवकुमार अग्रवाल, राजकुमार केड़िया, सत्यनारायण फोगला, वेणुगोपाल भालोटिया, नीरज केड़िया, संजय केड़िया, पंकज कुमार केड़िया, दीनबंधु अग्रवाल, टी. ओमप्रकाश सिंह, सहित श्री महासर माता भक्त मंडल, श्री गणेश फाउंडेशन, श्री खेमदास मठ के कार्यकर्ताओं का पूर्ण सहयोग रहा।

कार्यक्रम आयोजकों ने सभी भक्तों से निवेदन किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर यज्ञ दर्शन एवं प्रसाद का लाभ प्राप्त करें।

मांगीलाल सीरवी की प्रथम पुण्यतिथि पर जागरण व सेवा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जोजावर के भूतपूर्व सरपंच स्व. मांगीलाल जी सीरवी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद के बैनर तले भक्ति संध्या एवं रक्तदान शिविर का आयोजन श्री फुलेश्वर महादेव मंदिर, देवासी समाज, बालाजी नगर, हैदराबाद में किया गया।

भक्ति संध्या में पुष्पा सीरवी सहित अनेक भजन गायकों ने अपनी प्रस्तुति देकर देर रात्रि तक भक्तिमय वातावरण बनाए रखा। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम के दौरान रक्तदान महादान की भावना को साकार करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस शिविर में मातृशक्ति ने भी आगे आकर रक्तदान किया। कुल 70 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर का आयोजन मारवाड़ी युवा मंच के सुशील भायल, मोहनलाल सैणचा सहित अनेक सदस्यों के सहयोग से संपन्न हुआ।इसके साथ ही भक्तजनों द्वारा कबूतर चबूतरा निर्माण के लिए आर्थिक सहायता की नकद घोषणा की गई तथा गौ माता की सेवा हेतु भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया।

इस अवसर पर श्री आई माताजी वडेर बालाजी नगर के अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हीरालाल, देवासी समाज के अध्यक्ष मांगीलाल देवासी, कुमावत समाज के अध्यक्ष पूनमचंद दहिया, कोरेमुला वडेर के कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, युवा परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केसाराम सोलंकी, अशोक कुमार, भीकाराम काग, रताराम सोलंकी, पूनाराम पंवार, भावेश पंवार, प्रवीण परिहार, कैलाश पंवार, अशोक पंवार, हेमाराम, भीमाराम, तिलोक राम, लालाराम काग, भंवरलाल, सांवलराम देवासी, नेमाराम पंवार, लक्ष्मण सहित हजारों की संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सीरवी रिकॉर्ड यूट्यूब चैनल के माध्यम से किया गया।

कार्यक्रम का समाचार संकलन पत्रकार जगदीश सीरवी द्वारा किया गया। आयोजन हैदराबाद प्रवासी सीरवी समाज, जोजावर द्वारा किया गया। पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन पूनाराम सीरवी (जोजावर) ने अपनी ओजस्वी वाणी से किया तथा अंत में सभी रक्तवीरों एवं दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

निस्वार्थ सेवा से मानवता सशक्त होती हैं : राजेश

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित निःशुल्क अन्नदान सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने श्रद्धा, सेवा और समर्पण भाव के साथ अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों, निराश्रितों एवं श्रमिकों को ससम्मान भोजन वितरित किया गया।कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राजेश (योग प्रशिक्षक) ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और विश्वास के साथ किया गया सेवा कार्य कभी निष्फल नहीं जाता। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर संचालित अन्नदान सेवा मानवता, करुणा और भाईचारे का सशक्त उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान जैसी सेवाएँ जरूरतमंदों के जीवन में राहत पहुँचाने के साथ-साथ समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत करती हैं। इस प्रकार के सेवा कार्यों से युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों को प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, वंश अग्रवाल, राजेश सर (योगा), विनोद तोषनीवाल, अरुण विजयवर्गी, गोविंद राम पचेरिया, पन्ना लाल , लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गी, रेणु शर्मा एवं मीना अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने सेवाभाव के साथ अन्नदान कर नर सेवा ही नारायण सेवा के संदेश को आत्मसात किया।

माँ बनभौरी वाली जी का 8वां अमृत महोत्सव एक फरवरी को

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मां बनभौरी परिवार भाग्यनगर के सुशील मित्तल ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि आगामी एक फरवरी को हरियाणा भवन, पैराडाइज में मां बनभौरी वाली जी के आठवें अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस पावन अवसर पर मलकाजगिरी के सांसद श्री ईटेला राजेंद्र जी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लेंगे, जबकि गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह जी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।कार्यक्रम में जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, बीजेपी नेता एवं चारमीनार से कंटेस्ट विधायक श्रीमती मेघा रानी अग्रवाल, बीजेपी के वरिष्ठ नेता गोविंद नारायण राठी, महेश बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पेलोड, बीआरएस नेता एवं कैंटोनमेंट से कंटेस्ट विधायक गजाला नागेश, पवन गुरु जी, पूर्व पार्षद श्रीमती रेणु सोनू जी, हरियाणा सेवा संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद जी तथा हरियाणा नागरिक संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र केडिया जी सम्माननीय अतिथि के रूप में शामिल होंगे।कार्यक्रम में कोरबा (छत्तीसगढ़) से पधारी श्रीमती समता अग्रवाल अपनी मधुर वाणी में माता जी के मंगलपाठ का गुणगान करेंगी। वहीं चंडीगढ़ से पधारे सन्नी लख्खा जी माता जी के भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर करेंगे।कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 2 बजकर 15 मिनट पर होगी। रात्रि 8 बजे से भंडारा एवं प्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, SC No.14838854F, Rank: HAV, Name:DINESH KUMAR, resident of 1A4, ADITYA ENCLAVE, ICHHAPUR GWALAPARA, ADITYAPUR-2, SERAIKELA- KHARSAWAN, JHARKHAND - 831013, and have change my daughter name From RIYA RAI to RIYA RAY in my Service records.

CHANGE OF DOB
I, GUJJU CHINNA YERRAYYA Father of Service No. 2610051L Hav N ESWARA RAO GUJJU, R/o.Gudivada Vill and PO, Chittivalasa-TO, Bhogapuram-Tk, Vizianagaram-Dist, Andhra Pradesh-531162 have changed my Date of Birth from 15-06-1957 to 15-04-1950 vide affidavit dt:05-01-2026 before G Balakoteswara Rao, Advocate and Notary, Malakpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB
I, GUJJU NARASIYAMMA Mother of Service No. 2610051L Hav N ESWARA RAO GUJJU, R/o.Gudivada Vill and PO, Chittivalasa-TO, Bhogapuram-Tk, Vizianagaram-Dist, Andhra Pradesh-531162 have changed my Date of Birth from 04-08-1960 to 27-04-1956 vide affidavit dt:05-01-2026 before G Balakoteswara Rao, Advocate and Notary, Malakpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, APPALA NAIDU Father of Service No. 2612019P Hav KANAKA RAO TAMATAPU, Resident of 2-19, Pathakavvada- Vill, Kotta Kavvada-PO, Padmanabham-TO, PS & TK, Visakhapatnam-Dist, Andhra Pradesh-531219 have changed my name from APPALA NAIDU to TAMATAPU APPALA NAIDU vide affidavit dt:16-01-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, T PENTTAMMA Mother of Service No. 2612019P Hav KANAKA RAO TAMATAPU, Resident of 2-19, Pathakavvada- Vill, Kotta Kavvada-PO, Padmanabham-TO, PS & TK, Visakhapatnam-Dist, Andhra Pradesh-531219 have changed my name from T PENTTAMMA to TAMATAPU PENTAMMA vide affidavit dt:16-01-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, No. 16119550P Hav APPAL REDDY SIVANANDHA REDDY, Residing at H.No.2/45, Vill and PO:T Sadipiralla, Teh:Kamalapuram, Dist:Cuddapah, Andhra Pradesh-516289 hereby declare that my daughter name is to be changed from APPALAREDDY SNEHA SREE to APPALREDDY SAHRUDA vide affidavit dt:21-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, APPALAREDDY MANCHAL REDDY Father of Service No. 16119550P Hav APPAL REDDY SIVANANDHA REDDY, Residing at H.No.2/45, Vill and PO:T Sadipiralla, Teh:Kamalapuram, Dist:Cuddapah, Andhra Pradesh - 516289 have changed my name and DOB from APPAL REDDY MANCHAL REDDY, DOB:11-02-1968 to APPALAREDDY MANCHAL REDDY, DOB:01-01-1957 vide affidavit dt:21-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, APPALAREDDY VENKATA SUBBAMMA Mother of Service No.16119550P Hav APPAL REDDY SIVANANDHA REDDY, Residing at H.No.2/45, Vill and PO:T Sadipiralla, Teh:Kamalapuram, Dist:Cuddapah, Andhra Pradesh-516289 have changed my name and DOB from A VENKATA SUBBAMMA, DOB:03-07-1971 to APPALAREDDY VENKATA SUBBAMMA, DOB:01-01-1971 vide affidavit dt:21-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

LOST
I, Tatipalli Srinivas S/o Sudarshan R/o:Plot No.69, Jillelaguda, Balapur, R.R Dist, TG. I have obtained BG NO. 04/2016-17 (NO SOIBGP 170620001) Dt:21/12/2016 for Rs.28,20,495/- M/s GANAPATHI AGENCIES, issued by Karur Vysya Bank, which Was lost while travelling from LB Nagar to Aramghar X road on 8/1/2026. if Anyone Found Pls Cont +91 99088 28477

पुण्य कार्य में हम सहभागी बने : संजय गुप्ता

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत आज इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क परिसर में श्रद्धा और सेवा भाव के साथ अन्नदान किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें राधे-राधे ग्रुप जैसे सेवा भाव से जुड़े संगठन के साथ पुण्य कार्य में सहभागी बनने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के निरंतर मानव सेवा में लगा हुआ है और समाज में करुणा, सहयोग एवं भाईचारे का संदेश दे रहा है।

संजय गुप्ता ने आगे कहा कि अन्नदान जैसी सेवा न केवल भूख को शांत करती है, बल्कि मानवता को जीवित रखने का कार्य भी करती है। ऐसे सेवा कार्यों में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर योगदान देना चाहिए।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारडा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

श्री राम प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर लंगर प्रसाद आज

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अयोध्या में प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर श्री बालाजी फ्रेंड्स असोसिएशन के तत्वावधान में गुरुवार, 22 जनवरी को मिट्टी का शेर, चारमीनार में लंगर प्रसाद का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि अयोध्या में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस पावन अवसर पर समाजसेवा की भावना से प्रेरित होकर श्री बालाजी फ्रेंड्स असोसिएशन द्वारा लंगर प्रसाद की व्यवस्था की जा रही है।

इस सेवा कार्यक्रम में भाजपा नेता नितेश अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, विवेक संघी, अर्नव, अमृत अग्रवाल, नेहा गदि, तन्वी, जित्तु, नितिन, विकास, आरती, पायल, पूर्णिमा, वेदप्रकाश तिवारी, वैभव शर्मा, नितिन एवं आकाश का सक्रिय सहयोग रहेगा।श्री बालाजी फ्रेंड्स असोसिएशन ने नगर के सभी भक्तों एवं धर्मप्रेमी जनों से आग्रह किया है कि वे अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर इस सेवा कार्यक्रम को सफल बनाएं।

हैदराबाद से 150 श्रद्धालुओं की अग्रोहा शक्तिपीठ व राजस्थान तीर्थयात्रा

नई दिल्ली/हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सनातन परंपरा, पितृ-स्मरण एवं पूर्वजों की पावन भूमि से समाज को जोड़ने के उद्देश्य से अग्रोहा शक्तिपीठ एवं राजस्थान धार्मिक तीर्थयात्रा का भव्य आयोजन किया गया है। यह तीन दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा 20 जनवरी से 22 जनवरी 2026 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें हैदराबाद से आए 150 श्रद्धालु सहभागी बने हैं। इस पावन यात्रा का आयोजन रघुनाथमल गीताबाई गोयल चैरिटेबल ट्रस्ट (वेंकटेश्वर ग्रुप), हैदराबाद द्वारा किया जा रहा है।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर श्रद्धालुओं के आगमन पर अग्रोहा विकास ट्रस्ट की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालु प्रातः जग्गी ग्रीन गार्डन, सेक्टर-24 द्वारका पहुँचे, जहाँ जनवरी की गुनगुनी धूप में चाय-नाश्ते के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। इसके बाद दल रोहतक होते हुए अग्रोहा शक्तिपीठ के दर्शन एवं पितृ देव संकीर्तन के लिए रवाना हुआ।कार्यक्रम के अनुसार दि. बुधवार 21 जनवरी को राणी सती दादी एवं सालासर बालाजी के दर्शन के उपरांत खाटू श्यामजी में भजन संध्या आयोजित की गई, जबकि 22 जनवरी को खाटू श्यामजी दर्शन के पश्चात जयपुर से हैदराबाद वापसी होगी।

यात्रा से पूर्व हैदराबाद में सभी श्रद्धालुओं को ट्रैवल किट वितरित की गई, जिसमें हवाई टिकट, विस्तृत यात्रा कार्यक्रम, पहचान पत्र, जैकेट एवं कैप शामिल थे। यात्रा को सुव्यवस्थित रखने हेतु श्रद्धालुओं को समूहों में विभाजित कर ग्रुप कैप्टन्स नियुक्त किए गए हैं, जिससे अनुशासन, समन्वय एवं समय-पालन सुनिश्चित हो सके। साथ ही सुरक्षा, समय-सारिणी एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

इस पावन धार्मिक पहल के मार्गदर्शक नरेंद्र गोयल की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। उनके नेतृत्व एवं प्रेरणा में यह यात्रा केवल एक धार्मिक भ्रमण नहीं, बल्कि संस्कार, संस्कृति और समर्पण का सशक्त संदेश बनकर उभरी है। आयोजकों का मानना है कि यह पहल समाज में आस्था, एकता और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन नरेंद्र कुमार गोयल, यात्रा परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, गोपाल मोर, विनय जैन, संयोजक अल्का मिंडा, दिनेश कुमार मोदी, प्रतीक कुमार नारसरिया, यात्रा प्रबंधक महक अग्रवाल, रिया केडिया, सतप्रकाश बंसल, संदीप गोयनका, गणेश कुमार अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, संदीप दादू, अंकित कुमार, विक्रम चंदन, आनंद कुमार अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रोहा शक्तिपीठ एवं राजस्थान धार्मिक तीर्थयात्रा यह संदेश देती है कि जब आस्था, संगठन और सेवा भाव एक साथ आते हैं, तो समाज को नई दिशा मिलती है और सनातन संस्कृति की जड़ें और अधिक मजबूत होती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.